THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 7 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.6 2083 बुधवार, 8 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'भारत-वियतनाम दोस्ती और होगी मजबूत'

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वियतनाम के नए राष्ट्रपति तो लाम को पद संभालने पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने अपने संदेश में भरोसा जताया कि दोनों देशों के बीच वर्षों पुरानी दोस्ती आने वाले समय में और मजबूत होगी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह राष्ट्रपति टो लाम के नेतृत्व में भारत और वियतनाम के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचते देखने को लेकर आशान्वित हैं। उन्होंने कहा 'मुझे पूरा विश्वास है कि आपके नेतृत्व में हमारे दोनों देशों के बीच समय की कसौटी पर खरे उतरे रिश्ते और मजबूत होंगे।' प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रपति तो लाम के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

मणिपुर के बिष्णुपुर में बम धमाका

दो बच्चों की मौत, दो महिलाएं घायल; पांच जिलों में 3 दिन के लिए इंटरनेट बंद

इंफाल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर में एक बार फिर हिंसक घटना सामने आई है। मंगलवार देर रात बिष्णुपुर जिले के मोइरांग ट्रोंग्लाओबी इलाके में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा किए गए बम हमले में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना रात करीब एक बजे की है, जब एक बम सीधे एक आम नागरिक के घर पर आ गिरा। उस समय घर में मौजूद तीनों लोग, एक पांच साल का बच्चा, छह महीने की बच्ची और उनकी मां, अपने कमरे में सो रहे थे। अचानक हुए धमाके में दोनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां घायल हो गई। मणिपुर सरकार ने ने इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, थोउबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को बंद करने का आदेश जारी किया है।

'महिला आरक्षण कानून से बढ़ेगा नेतृत्व'

> पीएम मोदी ने दोहराया-2029 से पहले लागू करने का प्रयास

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने हर स्तर पर महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए भारत महिला-नेतृत्व वाले शासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रतिनिधित्व का वास्तविक प्रभाव में बदलना जरूरी है।

महिलाओं की भागीदारी और समावेशी शासन पर दिया जोर

प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के उस लेख पर की, जिसमें महिलाओं की विधायी भागीदारी बढ़ाने और समावेशी शासन की जरूरत पर जोर दिया गया है। एक्स पर मोदी ने कहा कि प्रतिनिधित्व का मतलब वास्तविक प्रभाव होना चाहिए। हमारी सरकार ने हर रूप में नारी शक्ति को प्राथमिकता दी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए भारत महिला-नेतृत्व वाले शासन की ओर बढ़ रहा है, जो

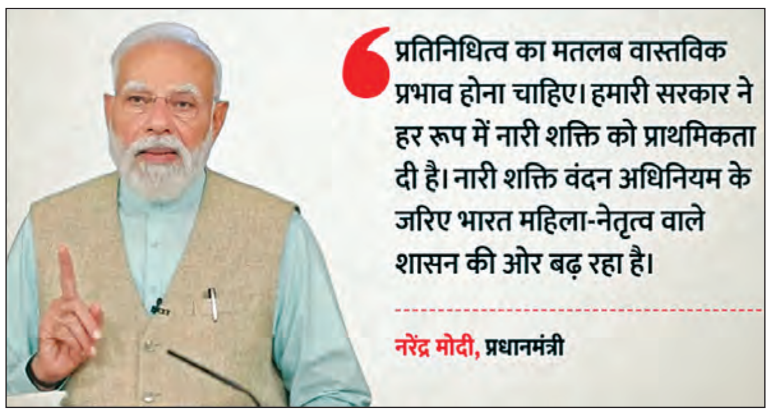

विकसित भारत का एक अहम स्तंभ है।

क्या है यह अधिनियम?

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम', जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण कानून कहा जाता है, 2023 में संसद द्वारा पारित किया गया था। इस कानून के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। यह कानून संविधान संशोधन के माध्यम से लागू किया गया है और इसके प्रभावी होने के लिए परिसीमन प्रक्रिया का पूरा होना जरूरी है। हालांकि, सरकार इस कानून को 2029 से पहले लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार कर रही है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने संसद के बजट सत्र को तीन दिन 16 से 18 अप्रैल तक बढ़ाने की घोषणा की है, ताकि कानून में आवश्यक संशोधन कर इसके क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, अगर सरकार परिसीमन प्रक्रिया से पहले इस कानून को लागू करना चाहती है, तो इसके लिए संविधान में एक और संशोधन करना होगा। माना जा रहा है कि संसद के विस्तारित सत्र में इस दिशा में प्रस्ताव लाया जा सकता है।

मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से समर्थन की अपील की

प्रधानमंत्री मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे इस मुद्दे पर खुले मन से समर्थन दें और राजनीतिक गणनाओं से ऊपर उठें। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की माताओं और बहनों के विश्वास को जीतने का अवसर है, और सभी दलों को इसमें सहभागी बनना चाहिए।

मतदाता सूची की सफाई

विधानसभा चुनाव खत्म होते ही शुरू होगा एसआईआर का अंतिम चरण

> अब 22 राज्यों और यूटी की बारी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को और अधिक सटीक बनाने के लिए निर्वाचन आयोग एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रहा है। केरल, असम, पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को आने हैं। इसके तुरंत बाद, चुनाव आयोग देश के बाकी बचे 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का तीसरा और अंतिम चरण शुरू कर सकता है।

39 करोड़ मतदाताओं पर टिकीं नजरें

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से जानकारी दी है कि इस सफाई अभियान के तहत अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में काम पूरा हो चुका है। अब तक लगभग 60 करोड़ मतदाताओं का डाटा वेरिफाई किया जा चुका है। अब बारी बाकी बचे 39 करोड़ मतदाताओं की है, जो दिल्ली, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और कर्नाटक जैसे 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं। 19 फरवरी को ही चुनाव आयोग ने इन राज्यों को तैयारी पूरी करने के निर्देश दे दिए थे। यह अभियान केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इस पर सियासी बवाल भी खूब हुआ है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस प्रक्रिया का पुरजोर विरोध किया है और सुप्रीम कोर्ट में निजी तौर पर पक्ष भी रखा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इस अभियान के जरिए ऐसे मतदाताओं को निशाना बनाया जा सकता है जो सत्ताधारी दल के समर्थक नहीं हैं।

पवन खेड़ा पर असम सरकार की कार्रवाई

> कांग्रेस का दावा विपक्ष को डराने और आवाज दबाने की कोशिश

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस के बीच टकराव तेज होता जा रहा है। असम पुलिस की एक टीम ने आज कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास का दौरा किया। यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार के खिलाफ खेड़ा द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े एक मामले के संबंध में की गई। कांग्रेस ने इसे विपक्ष की आवाज दबाने के लिए राज्य मशीनरी का दुरुपयोग बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पुलिस की पूरी टीम पवन खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए भेजी गई, वह दिखाता है कि असम के मुख्यमंत्री घबराए हुए हैं और उन पर हार का खतरा मंडरा रहा है। यह घटना असम में गुरुवार को होने वाले चुनाव के लिए प्रचार चरम पर हुई है।

सरमा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने उनकी पत्नी के खिलाफ आरोप लगाने के लिए पाकिस्तानी सोशल मीडिया समूह से झूठी जानकारी का इस्तेमाल किया। उन्होंने इन आरोपों को असम चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास और एक दंडनीय अपराध बताया था।

'1971 में दो भागों में बांटा, भूले तो नहीं?'

> ख्वाजा आसिफ को राजनाथ का जवाब-टुकड़े-टुकड़े होगा पाकिस्तान

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में मुंह की खाने बावजूद 'आतंक का गढ़' पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आता नहीं दिख रहा। भारतीय सैन्य एक्शन से डरे हुए पाकिस्तानी हुक्मरान समय-समय पर बेतुके बयान से सुर्खियां बटोरते रहते हैं। ऐसी ही टिप्पणी पड़ोसी मुल्क के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में की। जिसका जवाब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी है। उन्होंने दो टूक शब्दों को कहा कि अगर वे बंगाल पर बुरी नजर डालने की कोशिश करेंगे, तो भगवान ही जाने कि इस बार पाकिस्तान कितने हिस्सों में बंट जाएगा।

राजनाथ सिंह का करारा जवाब

राजनाथ सिंह ने ये पलटवार उस समय किया जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बड़बोलेपन में

कोलकाता पर हमले की धमकी दे डाली। ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर पड़ोसी देश ने कोई 'फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन' करने की कोशिश की, तो उनका देश भारत के पूर्वी महानगर कोलकाता पर हमला करेगा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के इस कमेंट पर राजनाथ सिंह ने करारा जवाब दिया है। 55 साल पहले, उन्हें इसके परिणाम भुगतने पड़े थे। उस समय पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था। अगर उन्होंने बंगाल पर बुरी नजर डालने की कोशिश की, तो भगवान ही जाने कि इस बार पाकिस्तान कितने हिस्सों में बंट जाएगा। भारतीय रक्षा मंत्री ने दो टूक कहा कि अगर पाकिस्तान इस बार बंगाल पर नजर डालने की हिमाकत करता है तो इस बार पाकिस्तान के कितने टुकड़े होंगे, यह केवल भगवान ही जानते हैं। राजनाथ सिंह बंगाल के बैरकपुर में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान रोड शो करते हुए उन्होंने अपने पाकिस्तानी समकक्ष की धमकी पर कड़े शब्दों में जवाब दिया। उन्हें 55 साल पहले हुई घटना की याद दिलाई।

कर्नाटक में सियासी हलचल तेज

कैबिनेट फेरबदल की मांग पर बोले परमेश्वर कांग्रेस हाईकमान करेगा अंतिम फैसला

बंगलूरू, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि कैबिनेट फेरबदल पर फैसला मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कांग्रेस हाईकमान ही करेगा। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर बदलाव लाने के लिए दबाव बढ़ रहा है और नए चेहरों को मौका देने की मांग तेज हो गई है। कुछ विधायक पहले ही तय कर चुके हैं कि वे उपचुनाव के बाद इस महीने के अंत में हाईकमान से मिलने के लिए नई दिल्ली जाएंगे। कैबिनेट फेरबदल पर चर्चा करेंगे। परमेश्वर ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा, 'मैं नहीं जानता कि क्या फेरबदल पर क्या होगा। इसके बार में मैं क्या कह सकता हूं? फैसला मुख्यमंत्री और शीर्ष कमान का है। यह पूरी तरह उनके अधिकार में है।'

'मंत्री बनना चाहते हैं दो से चार बार चुने गए विधायक'

उन्होंने बताया कि हाईकमान हर बात पर नजर रखेगी। परमेश्वर ने कहा, पहली बार चुने गए विधायक आए हैं और उन्होंने कहा कि वे मंत्री बनना चाहते हैं। साथ ही दो से चार बार चुने गए विधायक भी मंत्री बनना चाहते हैं। उन्होंने अलग-अलग रात्रिभोज बैठकें करके इस पर चर्चा की। उन्होंने ये बात हाईकमान के संज्ञान में ला दी हैं। नेतृत्व इस पर आगे की कार्रवाई तय करेगा।

उन्होंने कहा, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के प्रभारी महासचिव इस मामले का पर्यवेक्षण करेंगे। अपने स्तर पर इसका समाधान निकालने का प्रयास करेंगे या नेतृत्व को रिपोर्ट को रिपोर्ट करेंगे। कांग्रेस के लिए ऐसी घटनाएं नई नहीं हैं। कई राज्यों में सरकार चलाते समय ऐसी घटनाएं होती रहती हैं और हाईकमान इसकी जांच करके मामले को सुलझाएगी। वे ऐसा करेंगे।

सबरीमाला पर अदालत के सात सवाल

महिलाएं केवल तीन दिन अछूत नहीं हो सकती : जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को केरल के सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धर्मों में और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई शुरू कर दी है। अदालत ने नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ का औपचारिक गठन किया है, जो 2018 के फैसले के खिलाफ दाखिल समीक्षा याचिकाओं पर विचार करेगी।

माहवारी के कारण महिलाओं को 'अछूत' नहीं माना जा सकता

सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने सबरीमाला संदर्भ के दौरान कहा कि किसी महिला को महीने के तीन दिन अछूत माना जा सकता है और चौथे दिन उसे इस श्रेणी से बाहर रखा जाए, ऐसा कानून या न्यायिक दृष्टिकोण सांविधानिक रूप से सही नहीं है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति नगरत्ना ने तब की, जब भारत के सॉलिसिटर जनरलतुषार मेहता ने 2018 के सबरीमाला फैसले में किए गए उस कथन की आलोचना की, जिसमें 10-50 वर्ष की आयु की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश से रोकना अछूतता का रूप बताया गया था। संविधान के अनुच्छेद 17 के तहत किसी भी रूप में अछूतता का अभ्यास निषिद्ध है।

सबरीमाला मामले में न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ के फैसले में कहा गया था कि महिलाओं को मासिक धर्म के आधार पर प्रवेश से रोकना अछूतता का रूप है और इसे अनुच्छेद 17 के तहत प्रतिबंधित किया गया है। इस पर आपत्ति जताते हुए सॉलिसिटर जनरल ने कहा सबरीमाला मामले में एक राय है कि अनुच्छेद 17 महिलाओं पर लागू होता है 'आप उन्हें अछूत मान रहे हैं' मुझे इस पर कड़ा आपत्ति है।

सरकार बोली-अदालत धार्मिक मामलों में दखल न दे

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। केरलम के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं, सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान पीठ आज से इस पर सुनवाई कर रही है। वकील इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या यह मामला सबरीमाला केस की समीक्षा पर सुनवाई का है, या फिर यह केवल रेफर किए गए 7 सवालों के जवाब देने तक ही सीमित रहेगा। जस्टिस नागरत्ना ने कहा-अगर कोई सामाजिक बुराई है, जिसे धार्मिक प्रथा का नाम दे दिया गया हो तो अदालत उनके बीच फर्क कर सकती है कि वह एक सामाजिक बुराई है या कोई अनिवार्य धार्मिक प्रथा है। इस पर केंद्र ने कहा, 'संवैधानिक दृष्टि से इसका जवाब यह होगा कि इसका समाधान 'अनुच्छेद 25(2)(b)' में है, यानी संसद इस पर कानून बना सकती है।'

जयशंकर से मिले दुनिया के 8वें सबसे छोटे देश के विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के 10 सबसे छोटे देशों में से एक और छोटे से द्वि द्वीपीय देश सेंट किट्स एंड नेविस के विदेश मंत्री डॉ. डेन्जिल एल. डगलस आए हुए हैं। उन्होंने मंगलवार को अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर से मुलाकात की। जयशंकर ने उनका स्वागत किया और कहा कि उन्होंने विकास सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सेंट किट्स एंड नेविस विश्व का सबसे छोटा संप्रभु संघ है, जो 1983 में ब्रिटिश हुकूमत से आजाद हुआ।

जयशंकर ने एक्स पर मुलाकात की फोटो साझा करते हुए लिखा, आज सेंट किट्स एंड नेविस के विदेश मामलों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, उद्योग, वाणिज्य और उपभोक्ता मामलों, आर्थिक विकास और निवेश मंत्री डॉ. डेनज़िल एल. डगलस की मेजबानी करके मुझे बेहद खुशी हुई। उन्होंने बताया, हमने विकास परियोजनाओं, स्वास्थ्य सहयोग, डिजिटल क्षमताओं और आपदा राहत पर चर्चा की। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर हुए विचारों के आदान-प्रदान की सराहना की। सोमवार को नई दिल्ली में सेंट किट्स एंड नेविस के विदेश मंत्री डगलस का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह दौरा दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय सहयोग को नई दिशा देने की दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर लिखा, 'सेंट किट्स और नेविस के विदेश मंत्री डगलस का नई दिल्ली आगमन पर हार्दिक स्वागत है।

एसआईआर पर रार, सीएम ममता का आरोप

मतदाता सूची से विशेष समुदाय के लोगों के नाम कटे, लड़ेंगे कानूनी लड़ाई

कोलकाता, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नदिया जिले के चकदहा में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतिम मतदाता सूची से विशेष समुदायों के लोगों के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ है। ममता ने स्पष्ट किया कि टीएमसी ऐसे सभी लोगों के साथ खड़ी है और प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने के लिए ट्रिब्यूनल में केस लड़ा जाएगा। ताजा चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, एसआईआर प्रक्रिया के बाद राज्य में करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट में उनके हस्तक्षेप के बाद न्यायिक निर्णय के तहत लंबित लगभग 60 लाख मामलों में से 32 लाख नाम बहाल किए गए हैं। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

रविशंकर प्रसाद बोले-क्या मर्यादा भूली कांग्रेस गुजरात का अपमान क्यों?

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने खरगे के कथित गुजरात के लोगों को अनपढ़ बताने वाले बयान को बेहद आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि इस तरह की भाषा किसी राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष को शोभा नहीं देती।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में रविशंकर प्रसाद ने इस टिप्पणी को शर्मनाक करार दिया और कांग्रेस अध्यक्ष से सार्वजनिक माफी की मांग की। उन्होंने कहा कि चुनाव आते-जाते रहते हैं, लेकिन क्या कांग्रेस नेतृत्व पूरी तरह मर्यादा भूल चुका है? प्रसाद ने सवाल उठाया कि क्या किसी राज्य के लोगों को इस तरह संबोधित करना उचित है। उन्होंने कहा क्या महात्मा गांधी, सरदार पटेल, मोरारजी देसाई और विक्रम साराभाई जैसे महान व्यक्तित्व भी अनपढ़ थे?

बैसाखी पर पाकिस्तान का बड़ा कदम

2800 से ज्यादा भारतीय सिख श्रद्धालुओं को दिया वीजा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बैसाखी के पावन अवसर पर नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने भारत के श्रद्धालुओं के लिए बड़ी घोषणा करते हुए 2800 से अधिक तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किए हैं। ये श्रद्धालु 10 से 19 अप्रैल 2026 तक पाकिस्तान में आयोजित होने वाले वार्षिक बैसाखी उत्सव में शामिल होंगे। यह वार्षिक तीर्थयात्रा भारत और पाकिस्तान के बीच स्थापित धार्मिक यात्राओं का हिस्सा है, जिसे 1974 के द्विपक्षीय धार्मिक स्थलों की यात्रा प्रोटोकॉल के तहत आयोजित किया जाता है।

उच्चायोग के अनुसार, यह कदम दोनों देशों के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हर वर्ष बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु पाकिस्तान के ऐतिहासिक गुरुद्वारों, विशेष रूप से ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब के दर्शन के लिए जाते हैं, जहां बैसाखी का उत्सव विशेष श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। बैसाखी उत्सव के अवसर पर नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने भारत से 2800 से अधिक तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किए हैं, ताकि वे 10 से 19 अप्रैल 2026 तक पाकिस्तान में आयोजित होने वाले वार्षिक उत्सव में भाग ले सकें। इस यात्रा के दौरान तीर्थयात्री अपने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेंगे और गुरुद्वारों में मत्था टेकेंगे। पाकिस्तान सरकार की ओर से तीर्थयात्रियों के ठहरने, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारी भी की गई है। बैसाखी सिख धर्म का एक प्रमुख त्योहार है। यह त्यौहार पंजाब और उत्तर भारत में रबी की फसल कटने की खुशी में मनाया जाता है। किसान अच्छी फसल के लिए ईश्वर को धन्यवाद देते हैं।

ईरान के खर्ग द्वीप पर अमेरिकी हमला

पश्चिम एशिया संकट

- **खर्ग द्वीप पर अमेरिका-इस्राइल ने किए कई हमले**
- **कोम शहर के पास पुल पर भी स्ट्राइक**
- **ईरान के मशहद में रेल सेवाएं अचानक बंद**
- **काशान में रेलवे पुल हमला, दो की मौत**

तेहरान, 7 अप्रैल (एजेसियां)। अमेरिकी सेना ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की डेडलाइन खत्म होने से पहले ही ईरान के ऑयल हब खर्ग द्वीप पर हमला किया है। इस हमले से खर्ग द्वीप में ईरानी पेट्रोलियम डिपो को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, सिर्फ सैन्य बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया है। इस हमले के बाद ईरान ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि उसकी सब्र की सीमा अब खत्म हो चुकी है। उसने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों पर हमले की धमकी दी है। इस घटना से अमेरिका और ईरान के बीच जारी शांति वार्ता के पटरी से उतरने की आशंका जताई जाने लगी है।

अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर किया हमला

एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया गया कि मंगलवार को अमेरिकी सेना ने ईरान के रणनीतिक तेल हब खर्ग द्वीप पर कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इन हमलों में मुख्य रूप से द्वीप पर स्थित ईरानी सेना के बंकरों, मिलिट्री अड्डों, मिसाइल लॉन्चरों को निशाना बनाया। सूत्रों ने बताया है कि इन हमलों में ईरान के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को सीधे निशाना नहीं बनाया गया है। खर्ग द्वीप के अलावा अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के कई शहरों, रेलवे लाइनों और पुलों जैसे बुनियादी ढांचों पर भी हमले किए हैं। खर्ग द्वीप पर हुए हमलों के बाद ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने एक चेतावनी जारी करते हुए कहा कि 'अब सब्र की सीमा टूट चुकी है'। उसने कहा, हम अमेरिका और उसके सहयोगियों के बुनियादी ढांचे को इस तरह से निशाना बनाएंगे कि अमेरिका और उसके सहयोगी कई सालों तक इस क्षेत्र के तेल और गैस से वंचित रह जाएंगे। अमेरिका के क्षेत्रीय सहयोगियों को भी यह पता होना चाहिए कि आज तक, हमने अच्छे पड़ोसी धर्म की खातिर बहुत ज्यादा संयम बरता है। डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पूरी सभ्यता आज रात खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा। मैं ऐसा नहीं चाहता, लेकिन शायद ऐसा ही होगा। हालांकि, अब जब हमारे पास पूरी तरह से और कुल मिलाकर सत्ता परिवर्तन हो गया है, जहाँ अलग, ज्यादा समझदार और कम कट्टरपंथी सोच वाले लोग हावी हैं, तो शायद कुछ क्रांतिकारी और शानदार हो सकता है। पिछले महीने भी अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर हमले किए थे, जिनमें सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इन हमलों में नौसेना की बारूदी सुरंगों के भंडारण स्थल और मिसाइल बंकर नष्ट हो गए थे, जबकि तेल से जुड़े बुनियादी ढाँचे को शुरू में काफी हद तक बख्श दिया गया था।

लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क का भंडाफोड़, दो पाकिस्तानी आतंकियों समेत पांच गिरफ्तार

श्रीनगर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में दो पाकिस्तानी आतंकियों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक सुनियोजित अभियान के तहत राजस्थान और हरियाणा सहित कई राज्यों में कुल 19 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की।

तलाशी के दौरान पुलिस को मॉड्यूल से जुड़े कई आपत्तिजनक और महत्वपूर्ण सबूत भी बरामद हुए हैं। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

बहुजन उद्यमियों को बड़े सार्वजनिक ठेकों से रखा गया दूर

राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर आरोप

कांग्रेस नेता राहुल गांध

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत में सार्वजनिक निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर के ठेकों में दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के उद्यमियों को शामिल करने को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि पिछले साल 16,500 करोड़ रुपए के सार्वजनिक निर्माण ठेकों में कितने ठेके दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के व्यवसायों को मिले, इसका पता लगाने की कोशिश की तो जवाब बहुत चिंताजनक मिला।

सरकार के पास इसका कोई डाटा ही नहीं है। दरअसल, राहुल गांधी ने लोकसभा में एक प्रश्न (अतारांकित प्रश्न संख्या 6264) उठाया था, जिसमें पिछले पांच साल में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा दिए गए सार्वजनिक निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर ठेकों की कुल संख्या और मूल्य की जानकारी मांगी गई थी। साथ ही यह भी पूछा गया कि कितने ठेके एससी/एसटी और ओबीसी स्वामित्व व्यवसायों को दिए गए और क्या सरकार ने 4 प्रतिशत का लक्ष्य पूरा किया, जो एससी/एसटी स्वामित्व उद्यमों के लिए तय किया गया है। राहुल गांधी ने यह भी पूछा कि क्या ओबीसी स्वामित्व व्यवसायों के लिए भी ऐसा लक्ष्य बनाने की योजना है। इस सवाल के जवाब में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने बताया कि कुल ठेकों का डाटा तो उपलब्ध है, लेकिन एससी/एसटी और ओबीसी स्वामित्व वाले व्यवसायों को दिए गए ठेकों का कोई मौजूदा ट्रैकिंग सिस्टम नहीं है। इसका कारण यह बताया गया कि निर्माण ठेकों के लिए यह ट्रैकिंग अनिवार्य नहीं है।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की नीति कहती है कि लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से कम से कम 25 प्रतिशत सार्वजनिक खरीद होनी चाहिए, जिसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के स्वामित्व वाले व्यवसायों के लिए 4 प्रतिशत शामिल है, लेकिन सबसे बड़े और मुनाफेदार ठेकों यानी सार्वजनिक निर्माण के ठेकों में सरकार कहती है कि यह अनिवार्य नहीं है।

राहुल गांधी ने इसे केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि एक ऐसा सिस्टम बताया जो जानबूझकर मोदी सरकार की नीतियों के जरिए सामाजिक और आर्थिक न्याय को कमजोर करता है। संसदीय डाटा के अनुसार, पिछले पांच साल में केंद्रीय सार्वजनिक निर्माण ठेकों की संख्या और मूल्य लगातार बढ़ते रहे हैं। केवल 2025-26 में ही 8,402 ठेके दिए गए, जिनकी कुल कीमत 16,587 करोड़ रुपए है।

कांग्रेस नेता ने डीडीए की नई नीति पर उठाए सवाल प्रॉपर्टी खरीदारों पर कितना बढ़ेगा बोझ?

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में घर खरीदने या अपनी प्रॉपर्टी को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड कराने की योजना बना रहे लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की नई नीति आम लोगों की जेब पर भारी पड़ सकती है। उनका कहना है कि फ्रीहोल्ड कन्वर्जन प्रक्रिया पर रोक और सर्कल रेट लागू करने की तैयारी से संपत्तियों की कीमतों में तेज उछाल आएगा।

देवेन्द्र यादव के मुताबिक, केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के निर्देश पर 2 जनवरी 2026 से फ्रीहोल्ड कन्वर्जन प्रक्रिया पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इस फैसले ने हजारों प्रॉपर्टी मालिकों को असमंजस में डाल दिया है, क्योंकि पहले से आवेदन करने वालों का काम भी ठप हो गया है।

उन्होंने बताया कि फ्रीहोल्ड कन्वर्जन के लिए ऑनलाइन पोर्टल पिछले तीन महीनों से बंद है। जिन लोगों ने पहले रजिस्ट्रेशन कराया था, उनका प्रोसेस भी आगे नहीं बढ़ रहा है। इससे लोगों को न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि उनकी संपत्ति से जुड़े जरूरी काम भी अटक गए हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि डीडीए अब दिल्ली सरकार द्वारा तय सर्कल रेट को अपनाने की तैयारी में है। इससे कन्वर्जन शुल्क, लैंड यूज चार्ज, ग्राउंड रेंट और लाइसेंस फीस जैसे कई शुल्क बढ़ जाएंगे। उनका दावा है कि 2011 के बाद से इन दरों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ था, लेकिन अब एक साथ भारी बढ़ोतरी की जा सकती है।

दुर्घटनावश गोली चलने से सीआरपीएफ जवान की मौत, जांच जारी

जम्मू, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के पुंछ जिले में दुर्घटनावश गोली चलने से सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई। मृतक की पहचान सीआरपीएफ की 38वीं वाहिनी में तैनात सीटी/जीडी अब्दुल्ल गनी के रूप में हुई है, जो सांबा जिले के गांव चक्क दयाला के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। प्रारंभिक जानकारी के

अनुसार यह हादसा दुर्घटनावश गोली चलने से हुआ है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और घटना के सभी पहलुओं की गहराई से पड़ताल की जा रही है।

गो-तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

छापामारी में हथियारों का जखीरा बरामद

भुवनेश्वर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के भद्रक और मयूरभंज जिलों में गो तस्करों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। इस दौरान कई ठिकानों से भारी मात्रा में हथियार, नकदी और सोने-चांदी के गहने बरामद किए गए हैं। पुलिस की यह कार्रवाई अब भी जारी है।

भद्रक जिले में मंगलवार तड़के करीब साढ़े 3 बजे से पुलिस ने 8 संदिग्ध गो तस्करों के घरों पर एक साथ छापेमारी की। सन्थिया गांव, पुराना बाजार के नंगा मोहल्ला, अलालपुर और गुजिदरदा समेत चार स्थानों को पुलिस ने घेरकर तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान बंदूक, भुजाली, तलवार जैसे घातक हथियारों के साथ-साथ भारी मात्रा में नकदी और जेवरात बरामद किए गए। इस ऑपरेशन में तीन डीएसपी, 10 थाना प्रभारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। भद्रक एसपी मनोज राउत के नेतृत्व में चल रही इस कार्रवाई को जिले में सक्रिय अवैध गो-तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ा कदम माना जा रहा है।

पुलिस को लंबे समय से इन तस्करों की गतिविधियों की जानकारी मिल रही थी। देवगांव के शेख मकसूद आलम और सातपौतिया की नीलू फार बेगम के घरों की तलाशी ली गई।इस अभियान में रायरंगपुर एसडीपीओ वीरेंद्र सेनापति समेत बामनघाटी उपखंड के सभी थाना प्रभारी शामिल हैं।

एक माह में मिले 10 डेंगू पॉजिटिव

देहरादून, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। देहरादून जिले के सरकारी अस्पतालों में मार्च से अब तक करीब 10 मरीज डेंगू पॉजिटिव मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से एहतियात बरतते हुए अस्पतालों को डेंगू और मलेरिया के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इसके तहत अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पॉजिटिव मामलों को आईडीएसपी पोर्टल पर बिना किसी देरी के अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।आमतौर पर डेंगू के मामले जुलाई के बाद ही सामने आते हैं लेकिन मार्च-अप्रैल में डेंगू के मामले सामने आने पर स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। इसके क्रम को तोड़ने के लिए विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से हाल ही में जिले के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को एडवाइजरी जारी कर डेंगू और मलेरिया से लड़ने के लिए तैयारी पूरी करने के लिए कहा गया है।

अहमदाबाद-मुंबई वंदे भारत ट्रेन के खाने में शिकायत

ऑर्डर करने के बाद मिले कीड़े

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। वंदे भारत ट्रेन में खाने को लेकर फिर एक शिकायत आई है। अहमदाबाद से मुंबई जा रही वंदे भारत ट्रेन में यात्रियों के खाने में कीड़ा मिला है। आईआरसीटीसी ने शिकायत मिलने के बाद तुरंत ऐक्शन लेते हुए कंपनी पर 10 लाख जुर्माना लगाने के साथ कॉन्ट्रेक्ट खत्म करने का नोटिस भी जारी किया है। हैरानी की बात तो यह है कि एक ही कोच में कम से कम दो ऐसी घटनाएं हुई हैं।

अहमदाबाद से मुंबई जा रही वंदे भारत ट्रेन में उस वक्त बवाल मच गया, जब यात्रियों के खाने में कीड़ा मिलने की शिकायत मिली।यात्रियों ने बकायदा फोटो खींचकर रेलवे से शिकायत की। आईआरसीटीसी ने भी त्वरित ऐक्शन लेते हुए फूड कंपनी पर 10 लाख का जुर्माना लगाने के साथ कॉन्ट्रेक्ट खत्म करने का नोटिस भी जारी किया है। आदित्य डिडवानिया नाम के यूजर ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शिकायत किया की उसके खाने में कीड़े मिले हैं।

ताज्जुब की बात यह रही कि एक ही कोच में कम से कम दो ऐसी घटनाएं हुईं, जिसके बाद कई यात्रियों ने खाना खाना बंद कर दिया।यह खाना एम/एस ब्रंदावन फूड प्रोडक्ट्स (आरके ग्रुप) की ओर से दिया गया था।मामला संज्ञान में आते ही आईआरसीटीसी ने तुरंत सख्त कार्रवाई की। आईआरसीटीसी के एक अधिकारी ने बताया कि ऐसे मामलों पर तुरंत एक्शन लिया गया। वहां डीप क्लीनिंग व पेस्ट कंट्रोल कराया गया। यात्रियों की सुरक्षा और साफ-सफाई हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

आसिफ रजा ने आशीष पांडे बनकर किया रेप

भोपाल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। भोपाल के अशोका गार्डन क्षेत्र में एक छात्रा के साथ पहचान छिपाकर यौन शोषण का मामला सामने आया है। पीड़िता प्राइवेट यूनिवर्सिटी की छात्रा बताई जा रही है। उसने आरोप लगाया कि आसिफ रज़ा नामक युवक ने खुद को आशीष पांडे बताकर उससे दोस्ती की और बाद में प्रेम संबंध बनाकर करीब डेढ़ साल तक शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता के अनुसार, इस दौरान युवक के दो अन्य दोस्त भी उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहे।

जब वह गर्भवती हुई तो आरोपियों ने उस पर गर्भपात का दबाव बनाया। मना करने पर युवक ने अपनी असली पहचान उजागर की और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने लगा। पीड़िता का कहना है कि उसे लगातार धमकाया गया। मामले की शिकायत पीड़िता ने लगभग एक माह पहले महिला थाने में दर्ज कराई थी।

कोलकाता तक मिसाइल पहुंचाने वाली पाक की धमकी पर

प्रियंका चतुर्वेदी की दो टूक, जवाब मिलेगा

राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने हाल ही में भारत के कोलकाता शहर पर मिसाइल अटैक की धमकी दी थी। मीडिया के सामने आकर पाकिस्तान के डिफेंस मिलिस्टर ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि उनकी मिसाइल कोलकाता तक पहुंच सकती है, जबकि उनके देश से कोलकाता की दूरी 2000 किलोमीटर के करीब है।

पाकिस्तान के ऐसे बयान के बाद से भारत में विपक्षी दल मोदी सरकार से सवाल कर रहे हैं। इसी कड़ी में शिवसेना यूबीटी की सीनियर नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी की भी प्रतिक्रिया आई है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, पाकिस्तान का कहना है कि उनकी एक मिसाइल कोलकाता तक भी जा सकती है। यह एक गंभीर विषय है और इसपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री एस जयशंकर और गृह मंत्री अमित शाह को जवाब देना चाहिए।

शिवसेना यूबीटी की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने आगे कहा, बंगाल चुनाव के बीच में जिस तरीके से माहौल बनाया जा रहा है, यह चुनाव बीजेपी के लिए प्रतिष्ठा का मुद्दा बन चुका है। ऐसे में उनके लिए पाकिस्तान को दो टूक जवाब देना जरूरी है। यही अपेक्षा देश के पीएम, डिफेंस मिनिस्टर और होम मिनिस्टर से करती हूं।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में कहा था कि अगर इस बार भारत कोई 'फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन' करने की कोशिश करता है तो इंशाअल्लाह हम उसे कोलकाता तक ले जाएंगे। इस धमकी को दोहराता हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा 'दोबारा भारत ने ऐसी हरकत की तो पहले तो 200-250 किलोमीटर तक हम गए थे लेकिन इस दफा कोलकाता तक पहुंचकर आएंगे।'

मां गई थी गांव, पीछे से 7 साल की बच्ची को हवस का शिकार बनाया

ठाणे, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे से एक चौंकाने और आक्रोशित करने वाली घटना की खबर सामने आई है, यहां एक सात साल की मासूम बच्ची के साथ रेप किया गया है। यह अमानवीय घटना ठाणे में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर हुई है। इस मामले ने एक बार फिर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा का सवाल खड़ा कर दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित लड़की के पिता इसी कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करते हैं। कुछ दिन पहले उसकी मां गांव गई थी, जिसके कारण घर में पिता और चार साल की छोटी बहन सहित केवल तीन लोग रह रहे थे। कल रात, आरोपी ने सात साल की लड़की के अकेले होने का फायदा उठाते हुए उस पर अत्याचार किया। जानकारी सामने आई है कि आरोपी का भाई कई दिनों से वहां काम कर रहा है।

उमा भारती ने खोल ली है पोहा की दुकान

स्टॉल पर बेचती नजर आईं

भोपाल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती टीकमगढ़ जिले में आज पोहा की दुकान बेचती नजर आईं। पूर्व सीएम पोहा के स्टॉल से लोगों को पोहा परोसते कैमरे में कैद हुई हैं। भाजपा की तेज तर्रार नेता का नया अवतार जिले में अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन के विरोध में सामने आया है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि वो बेहद ही सहज भाव में लोगों को पोहा परोस रही है, जो इंटरनेट पर खूब देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल पूर्व एमपी सीएम उमा भारती का नया अवतार लोगों को खूब भा रहा है। वीडियो में पोहा बेचती नजर आईं उमा भारती जिला प्रशासन के खिलाफ सांकेतिक विरोध प्रदर्शन कर रही हैं।

फुटपाथ पर उमा भारती को पोहा बेचते देख आसपास से गुजर रहे लोग आश्चर्य में पड़ गए कि भाजपा नेता का ये क्या हाल हो गया? रिपोर्ट के मुताबिक जिले में अतिक्रमण के खिलाफ चल रही जिला प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ पोहा बेचकर पूर्व सीएम उमा भारती ने पीड़ित दुकानदारों समर्थन में सांकेतिक प्रदर्शन किया है। पोहा बेचकर पीड़ित दुकानदारों के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री उनका हौसला बढ़ाने की कोशिश की है। उमा भारती ने जारी बयान में जिला प्रशासन की कार्रवाई को निंदनीय बताया है। उमा भारती ने कहा कि हाथ ठेले वाले गरीब रोज कमाते- रोज खाते हैं, ऐसे में इनके परिवार बर्बाद हो जाएंगे। पूर्व मध्य प्रदेश सीएम ने जिला प्रशासन को आड़ों हाथ लेते हुए कि, जिला प्रशासन को पहले अमीरों के अतिक्रमण हटाने चाहिए थे, लेकिन मगर ऐसा नहीं किया गया।

छिपकली कांड के बाद बंद कैंटीन टिफिन पर भी रोक

भोपाल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी.) में छिपकली कांड के बाद कैंटीन बंद होने के बाद छात्रों के सामने खाने का संकट खड़ा हो गया है। आरोप है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बाहर से आने वाले टिफिन पर भी रोक लगा दी, जिससे छात्रों को रात में भोजन नहीं मिल पाया। इसी के विरोध में सोमवार-मंगलवार रात 12 बजे तक मुख्य गेट पर छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। भूखे छात्रों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और व्यवस्था सुधारने की मांग की। छात्रों का कहना है कि इस घटना के बाद से उन्हें नियमित भोजन नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी दिनचर्या और पढ़ाई दोनों प्रभावित हो रही हैं।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर टिफिन लेकर आने वाले व्यक्ति को गाड्र्स ने रोक दिया। छात्रों का कहना है कि जब कैंटीन बंद है, तो बाहर से खाना आने देना चाहिए, लेकिन प्रशासन ने इस पर भी पाबंदी लगा दी है। इससे छात्र रात में भूखे रहने को मजबूर हो गए। सीवी रमन बॉयज हॉस्टल के 40 से 50 छात्र करीब 2 किलोमीटर पैदल चलकर मुख्य गेट तक पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और पूर्व वार्डन व वरिष्ठ फैकल्टी के खिलाफ भी विरोध जताया।

पुलिस थानों में सीसीटीवी लगाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

केंद्र ने दो हफ्ते में समाधान का दिया भरोसा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि देशभर के पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से संबंधित सभी मुद्दों को दो सप्ताह के भीतर सुलझा लिया जाएगा। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटारमानी ने जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ को बताया कि वह इस पूरे मामले की समीक्षा कर रहे हैं और कई स्तरों पर काम जारी है।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के निर्देश पर गृह सचिव भी अदालत में उपस्थित हुए। सुप्रीम कोर्ट ने 6 अप्रैल को आदेश दिया था कि सीसीटीवी

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गृह सचिव की मौजूदगी जरूरी है, ताकि अदालत को आवश्यक जानकारी और सहयोग मिल सके। अटॉर्नी जनरल ने अदालत को आश्वस्त किया कि वह एमिकस क्यूरी और संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें कर सभी मुद्दों का समाधान सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि दो सप्ताह के भीतर इस दिशा में ठोस प्रगति दिखाई देगी।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल को तय की है। सुप्रीम कोर्ट आज दो अहम मामलों पर सुनवाई कर सकता है। पहला मामला पूर्व नौकरशाहों और वैज्ञानिकों द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है, जिसमें शांति अधिनियम के कुछ प्रावधानों को चुनौती दी गई है। दूसरा मामला तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ से संबंधित है।

पुलिस और बदमाशों के बीच फायरिंग

ग्वालियर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्वालियर के पनिहार नयागांव में शराब दुकान के मैनेजर से मारपीट और गोली चलाने वाले बदमाशों ने अब पुलिस पर भी जानलेवा हमला किया है। बदमाशों को पकड़ने के लिए जब तीन थानों की पुलिस मिर्चा गांव पहुंची तो वहां बदमाश खेत में छुपे थे। पुलिस को देखते ही पिस्टल और अधिया से गोलियां चला दीं गई। पुलिस ने भी छुपकर अपनी जान बचाई और जवाबी फायरिंग की।

दोनों ओर से 09 राउंड गोलियां चली हैं। पुलिस की जवाबी कार्रवाई से बदमाशों के बीच भगदड़ मच गई और मौके से भागने लगे, तभी पुलिस ने पीछा करते हुए दो बदमाशों को पकड़ लिया है। पकड़े गए हमलावरों ने पिछले दिन ढाई घंटे में दो हमले किए थे। इसमें मारपीट और गोलीबारी के दो मामले पनिहार व झांसी रोड थाने में दर्ज की गई थीं। पनिहार थाना प्रभारी हरेंद्र शर्मा ने बताया कि एक दिन पहले पनिहार के नयागांव स्थित शराब दुकान के मैनेजर कुलदीप सिंह गुर्जर पर हमला कर मारपीट की गई थी। मारपीट करने वालों में पुलिस ने अमरीश गुर्जर, गजेंद्र गुर्जर, सतेंद्र गुर्जर, रामनिवास गुर्जर, भूपेंद्र गुर्जर, गिर्राज गुर्जर व शैलेंद्र गुर्जर के खिलाफ केस दर्ज किया था।

महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक मोड़ : करमजीत कौर

होशियारपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के होशियारपुर से आम आदमी पार्टी की लोकसभा प्रभारी चेयरमैन करमजीत कौर ने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रस्ताव का स्वागत किया है। उन्होंने इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और निर्णायक कदम बताया। करमजीत कौर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी इस फैसले का पूरी तरह समर्थन करती है और लंबे समय से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की पक्षधर रही है।

उनका मानना है कि यदि लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, तो इससे न केवल उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ेगी बल्कि नीति निर्माण में भी महिलाओं की आवाज अधिक प्रभावी ढंग से सामने आएगी। उन्होंने यह भी बताया कि देश के कई राज्यों में पहले से ही पंचायत और स्थानीय निकाय स्तर पर लाखों महिलाएं आरक्षण के तहत काम कर रही हैं और बेहतरीन नेतृत्व का परिचय दे रही हैं। ऐसे में इस व्यवस्था को संसद व विधानसभा तक विस्तारित करना स्वाभाविक और आवश्यक कदम है। उन्होंने कहा कि इससे समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा और महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में बराबरी का अधिकार मिलेगा। हालांकि, करमजीत कौर ने इस प्रस्ताव के भविष्य को लेकर कुछ आशंकाएं भी जताईं।

मणिपुर में धमाके से तनावः सीएम बोले- दोषी नहीं बचेंगे

स्थानीय एमएलए ने कुकी हमलावरों को नार्को आतंकवाद से जोड़ा

इंफाल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने एक घर को निशाना बनाकर बम से हमला किया। इस हमले में दो मासूम बच्चों की जान चली गई और उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई।

इस घटना के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हमला मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाके में रात करीब एक बजे हुआ। उस समय परिवार अपने कमरे में सो रहा था। धमाका इतना जोरदार था कि पांच साल के मासूम लड़के और महज छह महीने की बच्ची ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस घटना से इलाके में भारी तनाव फैल गया है। स्थानीय लोगों ने सुबह से ही विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए एक पेट्रोल पंप के पास खड़े दो तेल टैंकरों और एक ट्रक में आग लगा दी।

भीड़ ने मोइरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाकर रास्ता जाम किया और पुलिस की एक अस्थायी चौकी को भी नुकसान पहुंचाया। स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए इलाके में भारी सुरक्षा

सीएम युमनाम खेमचंद सिंह

बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने पास के ही एक इलाके से एक और विस्फोटक बरामद किया है। मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इसे एक बर्बर कृत्य और मानवता पर सीधा हमला करार दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मणिपुर में बड़ी मुश्किल से कायम हुई शांति को बिगाड़ने की एक कोशिश है। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि इस अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और उन्हें कानून के तहत सख्त सजा दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि आतंक के ऐसे कृत्यों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और शांति भंग करने वालों के खिलाफ खड़े होने की अपील की। मामले पर स्थानीय एनपीपी विधायक थ शांति सिंह ने त्रोंगलाओबी में हुए क्रूर हमले की निंदा की, जिसे कथित तौर पर कुकी नार्को-आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। उन्होंने कहा, यह जघन्य कृत्य आतंकवाद के कृत्य से कम नहीं है। समाज में ऐसे अमानवीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने जान गंवाने वाले बच्चों को श्रद्धांजलि दी और पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। बता दें कि मोइरांग ट्रोंगलाओबी का यह इलाका चूराचांदपुर की पहाड़ियों के करीब स्थित है।

साल 2023 और 2024 के दौरान मैतेई और कुकी-जो समूहों के बीच हुए जातीय संघर्ष में यहां लगातार गोलीबारी देखी गई थी। मई 2023 से शुरू हुई इस हिंसा में अब तक 260 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: दुनिया में हर इंसान अलग है इसलिए जो जैसा है, उसे वैसा ही स्वीकार करना सीखे!

नागरिकों को बेहतर सेवा उपलब्ध कराई जाए : पोन्नम

सेवाओं में सुधार और राजस्व वृद्धि के लिए हुई समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सचिवालय में बुधवार को यातायात विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने की। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय सेवाओं में जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो और एनफोर्समेंट को मजबूत करते हुए राजस्व वृद्धि के उपाय किए जाएँ। बैठक में 2024-25 में 6910.90 करोड़ रुपये और 2025-26 में 7097.38 करोड़ रुपये के राजस्व वसूल होने की जानकारी दी गई। मंत्री ने उन अधिकारियों की प्रशंसा की, जिन्होंने लक्ष्य हासिल किया और अन्य अधिकारियों को कार्यप्रणाली सुधारने की चेतावनी दी। मंत्री ने सीमा क्षेत्रों जैसे निज़ामाबाद, आदिलाबाद, मेदक आदि जिलों के अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया। उन्होंने पेंडिंग लाइसेंस और अन्य नागरिक सेवाओं में जनता को असुविधा न होने देने पर जोर दिया। साथ ही सारथी, वाहन पोर्टल और अन्य तकनीकी पहलुओं में डेटा पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अटॉमिक टेस्टिंग स्टेशन जून 1 तक शुरू करने और अधिकारियों को प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया गया। मंत्री ने अराइव-अलाइव कार्यक्रम के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और जनता में जागरूकता फैलाने का महत्व बताया। इसके अलावा, रहवीर योजना और कैशलेस ट्रीटमेंट के तहत आपातकालीन परिस्थितियों में पीड़ितों को सहायता देने, और 17 जिलों में नए कार्यालय स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि विभाग की सेवाओं में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करते हुए जनता को बेहतर सेवा उपलब्ध कराई जाए और सड़क सुरक्षा, राजस्व संग्रह और नागरिक सुविधाओं में सुधार लगातार जारी रहे। समीक्षा बैठक में स्पेशल सीएस विकाश राज, यातायात विभाग के कमिश्नर के. इलांबर्ती, जॉइंट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर चंद्रशेखर गौड़, शिव लिंगय्या, रमेश, डीटीसी, डीटीवीओ, आरटीवीओ, एमवीआई और एएमवीआई उपस्थित थे।

मेडिगड्डा बांध की मरम्मत में देरी

काम अगले साल तक टलने की आशंका

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के तहत मेडिगड्डा बांध की मरम्मत का काम लगातार देरी का शिकार हो रहा है। अधिकारियों के अनुसार, भू-तकनीकी जांच में देरी और जिम्मेदारी तय न होने के कारण बड़े मरम्मत कार्य अगले वर्ष जनवरी तक टल सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) के दबाव के बाद ही राज्य सरकार ने विस्तृत जांच शुरू कराई है। इसके तहत मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बांधों में करीब 500 बोरहोल खोदे जाने हैं, जिसमें काफी समय लग रहा है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि भू-तकनीकी अध्ययन पूरा होने में ही 10 से 18 महीने का समय लग सकता है। मानसून और सीमित कार्य अवधि के कारण मरम्मत कार्यों में और देरी होने की संभावना है। इस बीच, मरम्मत की लागत बढ़कर 1,000 से 1,200 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें केवल मेडिगड्डा बांध पर ही 700 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो सकता है।

युवाओं के लिए विदेशी रोजगार बढ़ाने हेतु मंत्री ने हनोवर में बैठक की

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार और खनन मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने मंगलवार को जर्मनी के हनोवर में जर्मन संघीय रोजगार एजेंसी के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक का उद्देश्य तेलंगाना के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना था। बैठक में तेलंगाना से जर्मनी में कुशल मजदूरों की गतिशीलता बढ़ाने पर चर्चा हुई, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां कुशल श्रमिकों की मांग अधिक है। साथ ही राज्य की तैयारियों की समीक्षा की गई, जिसमें जर्मन रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल मानक, भाषा प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रक्रियाओं का समावेश किया गया। मंत्री ने तेलंगाना सरकार की सक्रिय पहल को रेखांकित किया, जिसके तहत तेलंगाना ओवरसीज़ मैनपावर कंपनी और अन्य एजेंसियों के माध्यम से युवाओं को कुशल बनाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को वैश्विक उद्योग मांगों के अनुरूप तैयार करने पर जोर दिया गया। इस प्रतिनिधिमंडल में विशेष मुख्य सचिव (एलईटीएफ) एम. दाना किशोर, टामकाम के जनरल मैनेजर नागभारती, प्रबंधक अनिल कुमार, पीएमयू प्रमुख श्रीनिवास राव और स्किल टैलेंट अधिग्रहण प्रमुख बाल रामानी शामिल थे। इस अवसर पर मंत्री और उनकी टीम ने जर्मन संघीय रोजगार एजेंसी की प्रारंभिक कैरियर काउंसलिंग विभाग प्रमुख लॉरा ब्राइटसैमीटर को भी सम्मानित किया।

जनता का स्वास्थ्य ही एक विकसित समाज की मजबूत नींव : राजनरसिम्हा

डॉक्टरों, नर्सों और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों को पुरस्कार > 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर बोले स्थास्थ्य मंत्री

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने रवींद्र भारती , हैदराबाद में विश्व स्वास्थ्य दिवस' के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वास्थ्य का अर्थ केवल बीमारी का अभाव नहीं है, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ रहना भी है।

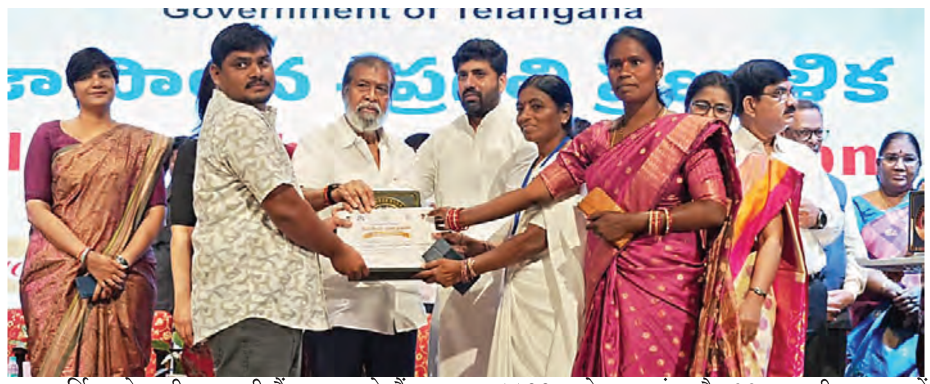

जनता का स्वास्थ्य ही एक विकसित समाज की मजबूत नींव है। इस वर्ष का थीम ''स्वास्थ्य के लिए साथ — विज्ञान के साथ खड़े हों'' हमें स्वास्थ्य क्षेत्र में विज्ञान, सहयोग और साक्ष्य-आधारित निर्णयों के महत्व की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि सरकारी डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ और सहयोगी कर्मचारियों की सेवाओं के कारण ही लोगों का स्वास्थ्य सुरक्षित है। कोविड जैसी कठिन परिस्थितियों में सेवा देने वाले सभी स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष बधाई। मंत्री ने कहा कि हम सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं। प्राथमिक स्तर से लेकर सुपर स्पेशियलिटी स्तर तक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर, मानव संसाधन, दवाइयों और डायग्नोस्टिक सेवाओं में सुधार किया जा रहा है।

जीवनशैली में बदलाव, खान-पान की आदतें और प्रदूषण के कारण डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, किडनी और कैंसर जैसी गैर-संचारी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ये बीमारियां लोगों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्यभर में एनसीडी क्लीनिक, डे-केयर कैंसर केंद्र, पालीएटिव और जेरियाट्रिक केयर सेंटर स्थापित किए गए हैं। डायलिसिस सेवाओं का विस्तार करते हुए 79 नए केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। 109 ट्रॉमा केयर सेंटर बनाकर आपातकालीन सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। सड़क दुर्घटनाओं में जान बचाने के लिए हर 35 किलोमीटर पर ट्रॉमा केयर सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। लगभग 1100 करोड़ रुपये की लागत से चार-स्तरीय ट्रॉमा केयर प्रणाली लागू की जा रही है। एम्बुलेंस सेवाओं को मजबूत करते हुए 213 नए वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इससे आपातकालीन प्रतिक्रिया समय में काफी कमी आई है। लक्ष्य है कि 10 मिनट के भीतर एम्बुलेंस घटनास्थल तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि हर जिले में डे-केयर कैंसर सेंटर स्थापित किए गए हैं, जिससे इलाज लोगों के करीब पहुंचा है। 20 सरकारी अस्पतालों में फेफड़ों के कैंसर की प्रारंभिक जांच के लिए पायलट प्रोजेक्ट जल्द शुरू किया जाएगा। आरोग्यश्री सेवाओं का विस्तार कर लोगों पर आर्थिक बोझ कम किया जा रहा है। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए नई स्वास्थ्य योजना लाई जा रही है। इस अवसर पर मंत्री ने उन डॉक्टरों, नर्सों और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए, जो अपनी ड्यूटी का पूरी

नशे में ड्राइविंग करने वालों के खिलाफ कोर्ट ने सुनाई सजा

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संतोष नगर ट्रैफिक थाना, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने पिछले सप्ताह दर्ज 27 नशे में ड्राइविंग मामलों को आज कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उल्लंघनों की समीक्षा के बाद सजाएं सुनाईं। अदालत ने 4 व्यक्तियों को कारावास, 9 व्यक्तियों को जंक्शन पर जागरूकता संदेश के साथ एक दिन सेवा की सामुदायिक सेवा, दूसरी बार पकड़े गए 3 व्यक्तियों को 3 दिन जेल, तीसरी बार पकड़े गए 1 व्यक्ति को 10 दिन जेल की सजा दी है। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता को चेतावनी दी कि दिन और रात ड्रिंक एंड ड्राइव चेकिंग जारी है। सभी उल्लंघनों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि "शराब पीकर वाहन न चलाएँ। आपकी और दूसरों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।"

महिला का आत्मदाह का प्रयास

पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को नामपल्ली स्थित राज्य मानवाधिकार आयोग कार्यालय में उस समय तनाव का माहौल बन गया, जब एक महिला ने पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए आत्मदाह का प्रयास किया। कवाडिगुडा निवासी श्रावणी नामक महिला ने आरोप लगाया कि वह गांधी नगर पुलिस द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न से परेशान थी, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। विरोध के दौरान महिला ने आयोग कार्यालय के सामने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए उससे पेट्रोल की बोतल छीन ली, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इसके बाद महिला को पुलिस स्टेशन ले जाया गया। फिलहाल उसके आरोपों की जांच की जा रही है।

ऑटो एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिविल सप्लाइज कमिश्नर एम. स्टीफन रविन्द्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को ऑटो एलपीजी से जुड़ी प्राइवेट मार्केटिंग कंपनियों के साथ समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में बताया गया कि पिछले सप्ताह कंपनियों ने कुल 363 मीट्रिक टन ऑटो एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की और 17 पहले बंद आउटलेट्स को पुनः चालू किया गया। हालांकि, कुछ अन्य कंपनियों की धीमी प्रगति पर चिंता जताई गई और उन्हें सख्त निर्देश दिए गए कि वे आपूर्ति में तेजी लाएं और सभी आउटलेट्स पर लगातार एसपीजी उपलब्ध कराएं। स्टीफन रविन्द्रा ने कहा कि ऑटो ड्राइवरों की आजीविका के लिए निरंतर एलपीजी आपूर्ति अत्यंत आवश्यक है और कंपनियों को इस लक्ष्य के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध रहने का निर्देश दिया। सिविल सप्लाइ विभाग लगातार आउटलेट्स और उत्पाद आपूर्ति की निगरानी करेगा।

जेएनटीयूएच को बम की धमकी

जांच के बाद नहीं मिला कुछ संदिग्ध

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद कुकाटपल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हैदराबाद (जेएनटीयूएच) परिसर में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही केपीएचबी पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंच गए और विश्वविद्यालय परिसर व प्रशासनिक ब्लॉक में गहन तलाशी अभियान चलाया गया।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि धमकी भरा ईमेल मिलते ही तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। जांच के दौरान छात्रों और कर्मचारियों को सतर्क रहने के लिए कहा गया। गहन तलाशी के बाद किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह ईमेल फर्जी था या किसी बड़ी साजिश का हिस्सा। साथ ही, ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

शेयर बाजार के नाम पर 1.19 करोड़ की ठगी

आदिलाबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शेयर बाजार में भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 1.19 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, बैंक पासबुक और अचल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि उत्नर मंडल के सैयद जाविद और कोथीपल्ली गंगाधर को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

श्यामपुर निवासी मनोज कुमार की शिकायत पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने करीब 25 लोगों को शेयर बाजार में निवेश पर ज्यादा मुनाफा देने का लालच देकर पैसे ठगे।

अंतरराज्यीय ड्रग गिरोह का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

65 लाख रुपए से अधिक के नशीले पदार्थ बरामद

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस के नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग (एच-न्यू) ने चिलकलगुडा, सनतनगर और आदिबटला पुलिस स्टेशनों के सहयोग से अंतरराज्यीय और स्थानीय ड्रग पेडलरों पर छापेमारी कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में एमडीएमए , हैश ऑयल, एक्स्टसी पिल्स, एलएसडी समेत कुल 63.65 लाख रुपए की ड्रग सामग्री, वाहन, मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई। छापेमारी में पकड़े गए आरोपी साई निखिल यादव, सिम्हाचलम, वेनु, अक्षय पटेल और बबुरी आदित्य वर्धन हैं। आरोपियों ने सोशल मीडिया और कोरियर सेवाओं का इस्तेमाल कर पहचान छिपाकर ड्रग्स की बिक्री की। पुलिस ने कहा कि यह गिरोह युवाओं में बढ़ते ड्रग सेवन को ध्यान में रखकर काम कर रहा था।

हैदराबाद समेत तेलंगाना में लू का खतरा

आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भीषण गर्मी का दौर शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि 9 अप्रैल से राज्य के कई जिलों में तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है और इसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में तेजी से बढ़ोतरी यह संकेत दे रही है कि हैदराबाद और अन्य जिलों में लू जैसी स्थिति बनने वाली है। हालांकि अगले 48 घंटों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और 40 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवाएं चलने की संभावना है, लेकिन इसके बाद मौसम शुष्क और गर्म होने की उम्मीद है।

आदिलाबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, पेद्दापल्ले, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, महबूबनगर, नगरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जैसे जिलों में तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। आईएमडी के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभों के निष्क्रिय होने के कारण तापमान में अचानक वृद्धि हो रही है। अप्रैल से जून तक के पूर्वानुमान में दक्षिण भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक लू चलने की संभावना जताई गई है।

हरीश राव का आरोप, सरकार गरीबों की जमीनों पर कर रही कब्जा

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के उपसभापति टी हरीश राव ने रेवंत रेड्डी सरकार पर दलितों, आदिवासियों और कमजोर वर्गों की जमीनों पर सुनियोजित हमला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने औद्योगिक पार्क के लिए 1,200 एकड़ भूमि अधिग्रहण के विरोध में प्रदर्शन कर रहे नेताओं और किसानों की गिरफ्तारी की निंदा की। परिगी रवाना होने से पहले मीडिया से बातचीत में हरीश राव ने कहा कि सरकार औद्योगिक विकास के नाम पर उपजाऊ जमीनों पर जबरन कब्जा कर रही है और विपक्ष की आवाज दबा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार गरीबों की जमीनों पर इस तरह क्यों टूट पड़ी है और विपक्षी नेताओं पर लगाए गए प्रतिबंधों को अलोकतांत्रिक बताया।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले ढाई वर्षों में अनुसूचित जाति और जनजाति समुदायों की हजारों एकड़ जमीन प्रभावित हुई है और आगे भी बड़े पैमाने पर अधिग्रहण की योजना है। हरीश राव ने आरोप लगाया कि परिगी क्षेत्र में किसानों के विरोध को दबाने के लिए पुलिस ने तंबू हटाए, लोगों को हिरासत में लिया और प्रदर्शन रोकने के लिए दबाव बनाया। उन्होंने कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भी विरोध स्थलों तक जाने से रोका जा रहा है, जो लोकतंत्र के खिलाफ है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भूमि अधिकार और अन्य गारंटी अब तक लागू नहीं की गई हैं। साथ ही कोहेडा फल बाजार परियोजना को लेकर भी चिंता जताई और निर्माण कार्य मूल स्थान पर ही जारी रखने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि बीआरएस किसानों के समर्थन में अपना आंदोलन जारी रखेगी, जब तक परिगी में भूमि अधिग्रहण पूरी तरह से रोका नहीं जाता।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No.14653063X, Hav, Pandiyan C, R/o, Dist: Tiruvallur, Tamil Nadu, changed my Mother's name from C Ekadvali to Yegavalli , vide Affidavit No. 466221 dt.06.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

छात्रों का सड़क जाम, शिक्षकों पर उत्पीड़न का आरोप

मेदक, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ट्राइबल वेलफेयर रेजिडेंशियल स्कूल के छात्रों ने मंगलवार सुबह कौडीपल्ली में एनएच-765डी को अवरुद्ध कर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने प्रधानाचार्य और एक अन्य शिक्षक पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ नारेबाजी की। आदिवासी छात्रों ने प्रधानाचार्य पर जाति का इस्तेमाल कर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। कक्षा 10 के छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि प्रधानाचार्य और दूसरे शिक्षक का तबादला नहीं किया गया तो वे बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि दोनों लगातार उन्हें परेशान कर रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाकर सड़क खाली कराई, जिससे यातायात जाम हो गया था। इस बीच, आदिवासी कल्याण विभाग के अधिकारियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

झील में डूबने से छात्र की मौत, जन्मदिन बना मातम

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार शाम को उपनगर के मोकिला इलाके में एक झील में 21 वर्षीय कॉलेज छात्र के डूबने से जन्मदिन का जश्न दुखद घटना में तब्दील हो गया। मृतक की पहचान प्रणव रेड्डी के रूप में हुई है, जो पाटनचेरु मंडल के एलिमेला गांव के निवासी थे। वह शंकरपल्ली मंडल के डोंटनपल्ली स्थित आईबीएस कॉलेज में बीबीए द्वितीय वर्ष के छात्र थे। पुलिस के अनुसार, कॉलेज की छुट्टी के बाद प्रणव अपने करीब दस दोस्तों के साथ एक दोस्त का जन्मदिन मनाने के लिए स्थानीय प्रोद्दुतुर चेरुवु झील गए थे। इसी दौरान वह हाथ धोने के लिए पानी में गया, जहां पैर फिसलने से झील में गिरकर डूब गया।

दोस्तों ने तुरंत मदद के लिए आवाज लगाई, लेकिन समय पर उसे बचाया नहीं जा सका। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग और अधिकारी मौके पर पहुंचे और बाद में शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फर्जी नाम से दर्ज एससी/एसटी एक्ट के मामले में दंडात्मक कार्रवाई पर रोक, इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला

प्रयागराज, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहबाद हाई कोर्ट ने मऊ जिले के मोहम्मदाबाद गोहना थाने से जुड़े एससी/एसटी एक्ट के मामले में आरोपियों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह ने ब्रजराज निषाद व चार अन्य की अपील पर उनके अधिवक्ता सुधीर कुमार सिंह को सुन कर दिया है।

अपीलार्थियों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 323, 34, 379, 504, 506 और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(डीए) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में अपीलार्थियों को समन जारी किया था, जिसे याचिका में चुनौती दी गई है। अपीलार्थियों के अधिवक्ता ने कहा, एफआईआर कलावती के नाम से दर्ज कराई गई है, जबकि गांव में इस नाम का कोई रहता ही नहीं। वास्तव में यह शिकायत लालती ने फर्जी नाम से दर्ज कराई है।

एनआईए डीएसपी तंजील मर्डर केस में रेयान की फांसी रद्द

हाई कोर्ट ने सभी आरोपों से बरी किया

प्रयागराज, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। डीएसपी तंजील हत्याकांड मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फांसी की सजा पाए रेयान को बरी कर दिया है। जस्टिस सिद्धार्थ की सिंगल बेंच ने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने निचली अदालत से दोषी करार दिए गए रेयान को सभी आरोपों से बरी कर रिहा करने का आदेश दिया है। यह मामला साल 2016 का है। जानकारी के मुताबिक, दो अप्रैल 2016 को बिजनौर के सहसपुर निवासी एनआईए के डीएसपी मोहम्मद तंजील अहमद और उनकी पत्नी फरजाना की बिजनौर स्योहारा क्षेत्र में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

हत्या के आरोप रेयान पर लगे थे। निचली अदालत ने आरोपी मुनीर और रेयान को दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी, जबकि अन्य आरोपियों को बरी कर दिया

गया था।

अपील लंबित रहने के दौरान अपीलकर्ता मुनीर की मौत हो चुकी है। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दलील दी कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है।

क्या है पूरा मामला

मामले के विवरण के अनुसार, अप्रैल 2016 में एनआईए अधिकारी तंज़ील अहमद और उनकी पत्नी फ़रज़ाना बिजनौर ज़िले के कस्बा स्योहारा में एक शादी में शामिल होने गए थे। जब वे अपनी कार से जा रहे थे, तो बाइक पर सवार दो हमलावरों रेयान और मुनीर ने उनकी कार को ओवरटेक किया और कथित तौर पर उन पर कई गोलियां चलाईं। तंज़ील की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि फ़रज़ाना घायल हो गईं और 10 दिन बाद उनकी भी मौत हो गई। उस समय, तंज़ील एनआईए में डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस के पद पर तैनात थे और आतंकवाद से जुड़े कई मामलों की जांच कर रहे थे।

ट्रायल कोर्ट ने कुल 19 गवाहों के बयान दर्ज किए, जिनमें तंज़ील के भाई रागिब मसूद, चश्मदीद हसीब (जिन्होंने मौके पर आरोपियों की मौजूदगी और गोलीबारी की घटना की पुष्टि की), और दिवंगत अधिकारी की बेटी शामिल थीं। 2022 में सेशंस कोर्ट ने रेयान और मुनीर को हत्या का दोषी ठहराया और उन्हें मौत की सज़ा सुनाई। कोर्ट ने उन पर 1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

सिद्धार्थनगर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव पुलिस जांच में जुटी

सिद्धार्थनगर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मृत्यु हो गई है। उसका शव सदर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह पिठनी पुल के पास मिला है। स्थानीय लोगों ने शव देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की और शव की पहचान कराई। मृतक की पहचान रोवांपार गांव निवासी बुद्धिराम पुत्र रामसुभग के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्वजन भी मौके पर पहुंच गए।

पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। प्रभारी निरीक्षक सदर थाना मिथलेश कुमार राय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

नई सरकार की कवायद शुरु

आज नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक होगी

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही दिल्ली की ओर रवाना होने वाले हैं। इससे पहले बुधवार, 8 अप्रैल को नीतीश कैबिनेट की आखिरी मीटिंग प्रस्तावित है। दरअसल, बिहार में नई एनडीए सरकार के गठन की कवायद शुरू हो गई है। सूत्रों की मानें तो एनडीए के सभी विधायकों को 12 अप्रैल से पटना में रहने को कहा गया है। इस बीच जानकारी मिल रही है कि नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक कल यानी 8 अप्रैल को हो सकती है। संभावित कैबिनेट मीटिंग में कई अहम प्रस्ताव पर मंजूरी मिलेगी। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर भी प्रस्ताव संभव है कि बिहार को लेकर नीतीश कुमार के विजन पर ही 2030 तक काम किया जाएगा। समृद्धि यात्रा के दौरान नीतीश कुमार ने जिन योजनाओं को हरी झंडी दिखाई, उनको पूरा करने का फैसला होगा। सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि नीतीश कुमार की अध्यक्षता में 8 अप्रैल को राज्य कैबिनेट की आखिरी बैठक हो सकती है। इसके बाद 9 अप्रैल को नीतीश दिल्ली चले जाएंगे और फिर 10 अप्रैल को दिल्ली में राज्यसभा की सदस्यता की शपथ लेंगे।

11 अप्रैल को वे दिल्ली से वापस पटना आएंगे और फिर 12 या 13 अप्रैल को नीतीश कुमार विधानमंडल दल की बैठक बुला सकते हैं। नीतीश कुमार इस बैठक में मुख्यमंत्री पद छोड़ने के फैसले की जानकारी आधिकारिक तौर पर देंगे। उसके बाद नीतीश कुमार राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप देंगे। नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। एनडीए विधानमंडल दल नए नेता का चयन करेगा। राज्यपाल के पास विधिवत सरकार गठन के लिए प्रस्ताव जाएगा। उसके बाद नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा।

महाराज सुहेलदेव पर एआईएमआईएम के बयान से भड़की सुभासपा

ओपी राजभर बोले- माफी नहीं मांगा तो होगा आंदोलन

लखनऊ, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने महाराज सुहेलदेव को लेकर एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के विवादित पोस्ट पर कड़ी आपत्ति करते हुए आगाह किया कि अगर उन्होंने माफी नहीं मांगी तो प्रदेशभर में आंदोलन होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक बयान के जवाब में शौकत अली ने लिखा कि था कि राजा सुहेलदेव का भारत के निर्माण या आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं था।

सुभासपा के अध्यक्ष राजभर ने कहा कि अगर अखिलेश यादव, राहुल गांधी और मायावती शौकत अली के इस बयान का विरोध नहीं करते हैं तो इसका मतलब यह होगा कि वे महाराज सुहेलदेव को नहीं मानते हैं। राजभर ने कहा कि यह पोस्ट सोची समझी रणनीति के तहत है, क्योंकि आने वाले 10 जून को बहराइच में मेला लगने जा रहा है जो 10 दिन चलेगा। पहले लुटेरे गाजी का मेला लगता था।

शराबबंदी पर सियासी संग्राम

जदयू ने कहा-तेजस्वी यादव पहले ये काम तो करें

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी कानून एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के हमले के बाद जदयू ने उन पर करारा पलटवार किया है। जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन पर न तो कोई ठोस सलाह दे रहे हैं और न ही समीक्षा की बात कर रहे हैं, बल्कि केवल इस कानून पर सवाल उठा रहे हैं।

नीरज कुमार ने कहा कि यदि तेजस्वी यादव को इस कानून पर आपत्ति है, तो उन्हें अपने परिवार को इकाई मानते हुए सार्वजनिक रूप से इस पर राय लेनी चाहिए।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव अपने परिवार, माता, पत्नी, बहन, भांजी सहित राजद के सभी विधायक, विधान पार्षद, पदाधिकारी और उनके परिजनों से यह लिखित रूप में समर्थन लें कि शराबबंदी समाप्त की जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही राजद ने लोकसभा चुनाव के समय शराब कंपनियों से 46 करोड़ 64 लाख रुपये लिया था। उसका भी विवरण सार्वजनिक करिए।

इन सभी हस्ताक्षरों और तथ्यों को सार्वजनिक मंच, विशेषकर सोशल मीडिया पर साझा किया जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि शराबबंदी कानून को समाज में कितना समर्थन प्राप्त है। गौरतलब है कि तेजस्वी यादव ने शराबबंदी कानून को पूरी तरह विफल होने का आरोप लगाया है। इसके बाद से उनपर जदयू की ओर से पलटवार का सिलसिला जारी है।

होटल में छापेमारी के दौरान 17 घरेलू गैस सिलिंडर जब्त एफआईआर दर्ज

वैशाली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। वैशाली जिला अधिकारी के निर्देश पर एलपीजी गैस, पेट्रोल एवं डीजल सहित आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार अनुश्रवण एवं निरीक्षण किया जा रहा है। इस क्रम में कालाबाजारी एवं घरेलू एलपीजी सिलिंडर के व्यावसायिक दुरुपयोग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। महनार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा स्टेशन रोड, महनार स्थित राज दरबार होटल में छापेमारी की गई। जांच के दौरान होटल में 03 घरेलू एलपीजी सिलिंडर भंडारित पाए गए, जिनका उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों में किया जा रहा था।

यह कृत्य द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 का उल्लंघन है। इस मामले में होटल संचालक के विरुद्ध महनार थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम द्वारा हाजीपुर शहर के गांधी चौक से अनवरपुर चौक तक सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न होटलों एवं प्रतिष्ठानों से कुल 17 घरेलू एलपीजी सिलिंडर जब्त किए गए,

'रिश्वत से सब कुछ नहीं खरीदा जा सकता'

फर्जी पीएचडी डिग्री मामले में हाई कोर्ट ने नहीं दी राहत

प्रयागराज, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने एक आदेश में इस धारणा पर आपत्ति जताई है कि रिश्वत देकर डिग्री और विश्वविद्यालय की नौकरी सहित कुछ भी खरीदा जा सकता है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने पीएचडी डिग्री और सहायक प्रोफेसर की नौकरी दिलाने के बहाने 22 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी में आरोपित महिला के खिलाफ दर्ज एफआइआर रद करने से इन्कार करते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि एफआइआर में लगाए गए आरोप समाज में बेहद भयावह प्रवृत्ति को उजागर करते हैं,

जहां आम आदमी की यह धारणा बन गई है कि रिश्वत देकर कुछ भी करवाया जा सकता है। भ्रष्टाचार की कारगर कार्यप्रणाली में विश्वास रखने के कारण शिक्षित महिला भी इस धोखाधड़ी का शिकार हो गई।कानपुर में तान्या दीक्षित ने एफआइआर दर्ज कराई है। आरोप लगाया कि याची प्रियंका सिंह सेंगर ने सह-आरोपित विक्रम सिंह सेंगर, तृप्ति सिंह सेंगर और सान्या सिंह सेंगर के साथ मिलकर उसे आश्वासन दिया था कि अलीगढ़ स्थित विश्वविद्यालय में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश दिलाया जाएगा।

टेक्निकल कॉलेजों में शुरू होंगे ड्रोन-डिफेंस जैसे नए कोर्स

राज्यपाल ने दिए निर्देश

लखनऊ, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने तकनीकी संस्थानों में खाली पड़े शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पदों को जल्द भरने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ड्रोन रिपेयरिंग, सिंचाई तकनीक और रक्षा क्षेत्र से जुड़े नए कोर्स शुरू करने पर जोर दिया, ताकि पढ़ाई सीधे रोजगार से जुड़ सके। जन भवन में डॉ। एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) से जुड़े शासकीय और वित्तपोषित कालेजों की समीक्षा बैठक में 16 संस्थानों ने अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इसमें छात्र संख्या, शिक्षक-छात्र अनुपात, कोर्स, नामांकन, प्रयोगशालाएं, खेलकूद और खाली पदों की स्थिति की जानकारी दी गई। राज्यपाल ने पढ़ाई को अधिक व्यावहारिक और रोजगारपरक बनाने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षक-छात्र अनुपात संतुलित रखा जाए, खेल, शोध और नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। आरक्षित वर्ग की खाली सीटों पर चिंता जताते हुए सुझाव दिया कि कक्षा 10 और 12 स्तर पर विषयों की पढ़ाई मजबूत की जाए।

प्रवेश में लचीलापन रखा जाए और छात्रों के लिए विशेष कोचिंग व काउंसलिंग की व्यवस्था की जाए। राज्यपाल ने पुस्तकालयों में उपयोगी और दुर्लभ किताबें उपलब्ध कराने और विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा नियमित निगरानी की बात कही।

कहा कि पिछले 10-12 वर्षों में तकनीकी क्षेत्र में हुए बदलावों को संस्थानों में लागू करना जरूरी है। प्रदेश में बन रहे डिफेंस कॉरिडोर को ध्यान में रखते हुए छोटे स्पेयर पार्ट्स निर्माण से जुड़े कोर्स शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। शिक्षकों के लिए अध्ययन भ्रमण, बजट का पूरा उपयोग और पुराने पाठ्यक्रमों में बदलाव करने पर भी जोर दिया। कराने की बात कही।

बिहार में गरज-चमक के साथ ओले गिरने का अलर्ट

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिमी विक्षोभ तथा बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवा के प्रभाव से बिहार के मौसम में बदलाव आया है। इसके साथ ही सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण के कारण वायुमंडल में पर्याप्त अस्थिरता बनी हुई है। राज्य के ज्यादातर भागों में आंशिक बादल छाए रहने के साथ गरज-तड़क की स्थिति बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों के दौरान गरज-चमक के साथ 50-60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने के साथ कहीं-कहीं ओला गिरने की आशंका है। पटना व आसपास के इलाकों में हल्की वर्षा की संभावना है। 8 और 9 अप्रैल के दौरान मौसम में तीव्रता अधिक रहने के संभावना है।

मौसम विभाग ने किसान भाईयों को सलाह देते हुए कहा कि फसलों की शीघ्र कटाई करने के साथ इसका संरक्षण करें। खेत में रखी फसलों को सुरक्षित स्थान पर रखें। राज्य के अलग-अलग भागों में हल्के से मध्यम दर्जे की हवा दर्ज की गई। पटना सहित आसपास इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ मौसम सामान्य बना रहा। पटना का अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस एवं 35.8 डिग्री सेल्सियस के साथ भभुआ का सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया।

बीजेपी ने इस शख्स को बनाया सीएम तो खुश हो जाएगी आरजेडी

तेजस्वी के करीबी का बड़ा बयान

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में नया मुख्यमंत्री कौन होगा, इस सवाल का जवाब हर कोई खोज रहा है। इस बीच राष्ट्रीय जनता दल ने एक नेता के नाम पर बड़ी खुशी जताई है। नेता का जिक्र करते हुए उन्होंने अपनी पार्टी की कार्यशैली की तारीफ भी की। राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने राज्य में नए मुख्यमंत्री के फैसले के बीच बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा है कि मुख्यमंत्री बीजेपी अपना बनाएगी इसमें न कोई संदेह और ना ही अब कोई इसके सिवा कोई अन्य गुंजाइश।

इस रेस में कई लोगों के नाम हैं, इधर नीतीश कुमार सोच रहे हैं अगर सम्राट चौधरी बन जाएगा तो मेरी राजनीति का क्या होगा ? उप मुख्यमंत्री का जिक्र करते हुए शक्ति ने लिखा कि हालांकि सम्राट चौधरी ने बीजेपी के अंदर अपने कर्तव्यों का बेबाकी से निर्वहन किया है वहीं मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद किसे भाजपा देगी ये तो भाजपा का सवाल है लेकिन मेरा ये ज़रूर मानना है कि सम्राट चौधरी उस रेस में एक नंबर पर हैं, हालांकि इस बात का जरूर फ़िक्र है कि राजद में अपने युवा अवस्था से ही अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत करने वाले और राष्ट्रीय जनता दल के राजनीतिक विद्यालय में उन्होंने अपनी राजनीति की प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा हासिल कर बिहार सरकार में पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका अदा किया है।

उन्होंने लिखा कि कल को अगर सम्राट चौधरी सच में मुख्यमंत्री बनते हैं तो राजद का एक कार्यकर्ता इस बात से खुश होगा कि राजद वो पार्टी जहां का कार्यकर्ता दूसरे दलों में मुख्यमंत्री तक बनता है। राजद प्रवक्ता ने लिखा कि जेडीयू में कांग्रेस में बीजेपी में अभी कई ऐसे नेता हैं मंत्री हैं जो अध्यक्ष की जिम्मेवारी जेडीयू में संभाला, कांग्रेस और बीजेपी तीनों में संभाला है।

'बुलडोज़र चलवाने का नाटक मत कीजिएगा'

अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर कसा तंज, परिवहन भ्रष्टाचार को लेकर उठाए सवाल

लखनऊ, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। खुलासे के अनुसार, 1671 ड्राइवर बिना बस चलाए ही पूरे वेतन उठा रहे थे। जांच में यह भी पता चला कि विभाग के लगभग 50 प्रतिशत चालक शून्य किलोमीटर चलाकर वेतन ले रहे हैं। यह खुलासा पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। अखिलेश यादव ने सरकार के खिलाफ सवाल खड़े किए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि गर्मियों की छुट्टियों में लोग घर आने-जाने के लिए बसों पर निर्भर रहते हैं। लेकिन परिवहन विभाग की बसें अक्सर समय पर नहीं चल रही हैं। कई बसें खराब पड़ी हैं या चल ही नहीं रही हैं। आम जनता को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अब बसों पर बुलडोजर चलाने का नाटक नहीं करना चाहिए। उनका आरोप है कि असली भ्रष्टाचार मंत्री स्तर पर है। विपक्ष का कहना है कि विभाग में हो रहे गोरखधंधे का बड़ा हिस्सा ऊपरी स्तर तक पहुंचता है। वे यह भी कह रहे हैं कि भाजपा सरकार में परिवहन विभाग के पहिए खोलकर बेचने का काम चल रहा है।

इसी वजह से प्रदेश की विकास की गाड़ी भ्रष्टाचार की खाई में फंसकर रुक गई है। अखिलेश यादव का तर्क है कि यातायात और आवागमन बाधित होना अर्थव्यवस्था को भी बाधित करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की बात तो करती है, लेकिन असल में अपनी व्यक्तिगत व्यवस्था मजबूत करने में लगी हुई है। उनका कहना है कि भाजपा को आम जनता की कोई चिंता नहीं है और न कभी थी।

परिवहन विभाग में फैले भ्रष्टाचार की वजह से आम आदमी सबसे ज्यादा परेशान हो रहा है। अखिलेश यादव सरकार से सवाल कर रहे हैं कि इतने बड़े स्तर पर हो रहे भ्रष्टाचार पर क्या कार्रवाई की जाएगी? क्या दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे? या फिर यह मामला भी रफा-दफा हो जाएगा?

आजमगढ़ से असलहा लाकर लखनऊ में बेच रहा था हिस्ट्रीशीटर

पुलिस को नहीं लगी भनक लेकिन एक गलती से धरा गया

लखनऊ, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। गुडंबा थाने का हिस्ट्रीशीटर रोहित सिंह लगातार आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहा है, लेकिन पुलिस की निगरानी तंत्र उस पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रहा है। आजमगढ़ से असलहों की तस्करी कर लखनऊ में खपा रहा था। फिर भी पुलिस को भनक नहीं लगी। इस दौरान विकासनगर में घटना को अंजाम दे दिया। उधर, सोमवार को न्यायालय ने उसे भगोड़ा घोषित करते हुए एक मुकदमा दर्ज करने को कहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वह आजमगढ़ से अवैध असलहा लाकर लखनऊ में बेच रहा है। हैरानी की बात यह है कि इसकी जानकारी स्थानीय स्तर पर होने के बावजूद उस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

उसका एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित भी हो चुका है, जिसमें उसके नेटवर्क की झलक मिलती है। इतना ही नहीं, वर्ष 2025 में जालसाजी के एक मामले में भी रोहित नामजद है। सिद्धार्थनगर निवासी फरहान खान की तहरीर पर दर्ज इस मामले में उसके तीन साथी गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि रोहित फरार है।

पीसीएस अफसर ज्योति बोलीं

तलाक होकर रहेगा: 2 महीने में केस फाइनल होगा

प्रयागराज, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी की पीसीएस अफसर ज्योति मौर्या और उनके सफाईकर्मी पति आलोक मौर्या का मामला फिर से चर्चा में है। कहा जा रहा है कि ज्योति मौर्या और उनके पति के बीच सुलह हो गई है। दोनों साथ रह रहे हैं। ज्योति ने इन बातों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि नहीं पता कि यह खबर कहां से फैल रही है? आलोक कौन-सा पीआर करना चाह रहे? उनका तलाक लास्ट स्टेज पर है।

महज दो महीने के अंदर डाइवोर्स हो जाएगा। आलोक से समझौते और साथ रहने की खबरों के सवाल पर ज्योति ने कहा कि ऐसा मुमकिन ही नहीं है। अब तो तलाक होने के करीब है। ज्योति मौर्या इन दिनों गाजियाबाद में एडीएम प्रशासन के पद पर तैनात हैं। ज्योति मौर्या और उनके पति आलोक के विवाद के बाद जिला कोर्ट प्रयागराज और इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुकदमे चल रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट में आलोक मौर्या ने पत्नी से गुजारा भत्ता दिलाए जाने की मांग को लेकर याचिका दाखिल की है। वहीं, ज्योति मौर्या ने पति से छुटकारा पाने के लिए जिला कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। दोनों बेटियां भी ज्योति मौर्या के साथ गाजियाबाद में रहकर पढ़ाई कर रही हैं। जबकि, आलोक मौर्या प्रतापगढ़ में पंचायती राज विभाग में सफाईकर्मी के पद पर काम कर रहे हैं। साथ ही वह यूपी लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी और पीसीएस भर्ती परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहे। इसके अलावा आलोक मौर्या लगातार पुरुष आयोग के गठन की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर वह राज्य महिला आयोग से भी मुलाकात कर चुके हैं।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिख चुके हैं। आलोक मौर्या आजमगढ़, जबकि ज्योति वाराणसी की रहने वाली हैं। दोनों की शादी करीब 15 साल पहले 2010 में हुई थी। इसके पहले 2009 में आलोक का चयन पंचायती राज विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में हुआ था। शादी के 2 साल के अंदर ही ज्योति मौर्या सरकारी टीचर बन गईं। टीचर की जॉब मिलने के बाद भी उनकी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रही।

20 हजार में तोता, दो लाख में बेचते थे उल्लू

बागपत में हुआ कन्नौज के तस्कर गिरोह का पर्दाफाश

बागपत, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस और वन विभाग की टीम ने कन्नौज के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर तोता तस्कर गिरोह का राजफाश किया है। उनके पास से 170 तोते बरामद हुए हैं। यह कार्रवाई पीपल फार एनिमल्स (पीएफए) संस्था की सूचना पर हुई है। कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार के मुताबिक सोमवार सुबह वन विभाग की टीम के साथ मिलकर पुलिस ने मवीकलां में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर खुर्शीद निवासी बगिया फजल, राज व मोहसिन निवासी जेल किला कन्नौज को गिरफ्तार किया। उनकी कार से पेटियों में 170 छोटे-बड़े तोते बरामद हुए। आरोपितों ने बताया कि ये तोते राजस्थान के हनुमानगढ़ से लोनी में सप्लाई करने के लिए ले जा रहे थे।

संस्था की ओर से आरोपितों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपितों को अदालत में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। बरामद तोतों को संस्था के सदस्य अपने साथ ले गए। संस्था इनकी देखरेख और उपचार करेगी। पकड़े गए आरोपित अपने साथियों के साथ मिलकर तोतों के अलावा बाज, उल्लू और अन्य वन्य जीवों की तस्करी करते थे।

मोबाइल पर बात के बाद तीसरी मंजिल से गिरी युवती

इंदौर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के छत्रीपुरा इलाके में एक 18 वर्षीय युवती की तीसरी मंजिल से गिरने से मौत हो गई। पुलिस शुरुआती जांच में इसे आत्महत्या मानकर चल रही है, हालांकि मोबाइल पर किससे बातचीत हो रही थी, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। मामला समाजवाद नगर गली नंबर-3 का है, जहां रहने वाली मेहक राठौर सोमवार रात छत से नीचे गिर गई।

परिजनों के अनुसार, वह मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी और कुछ देर बाद नीचे आ गिरी। उसका मोबाइल छत पर ही मिला है। घटना के बाद परिजन मेहक को नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन सिर में गंभीर चोट लगने के कारण डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मोबाइल कॉल डिटेल्स और परिवार के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

योगी की जाली चिट्ठी का इस्तेमाल कर

पीएम मोदी से मांगा टिकट, अब कोर्ट ने ठहराया दोषी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक शख्स को भारतीय जनता पार्टी का टिकट हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम का फर्जी लेटर इस्तेमाल कर चुनाव में लड़ने के लिए टिकट मांगने के मामले में दोषी ठहराया है।

राउज़ एवेन्यू कोर्ट्स की एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ज्योति माहेश्वरी ने कहा कि ये सरकारी अधिकारियों के नामों का गलत इस्तेमाल करके बनाए गए ऑफिशियल कामों में लोगों के भरोसे की बुनियाद पर चोट करता है। कोर्ट ने कहा कि सरकारी अधिकारियों के नामों का गलत इस्तेमाल अक्सर मामूली बात मानकर टाल दिया जाता है, लेकिन जब यह किसी जाली सरकारी काम का रूप ले लेता है।

तो यह जनता के भरोसे की नींव पर ही चोट करता है। कोर्ट ने आरोपी शिवाजी यादव को इंडियन पीनल कोड, 1860 के सेक्शन 465 (जालसाजी) और 471 (जाली डॉक्यूमेंट या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को असली के तौर पर धोखाधड़ी या बेईमानी से इस्तेमाल करना) के तहत सजा के लायक अपराधों के लिए दोषी ठहराया।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल यह मामला 10 जून 2019 के एक लेटर से शुरू हुआ, जो कथित तौर पर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लखनऊ कैंट चुनाव क्षेत्र से आरोपी के लिए बीजेपी टिकट की सिफारिश करते हुए लिखा था। हालांकि, प्रधानमंत्री कार्यालय ने लेटर को संदिग्ध बताया जिससे सीबीआई जांच शुरू हुई।

जांच से पता चला कि लेटर जाली था और मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी नहीं किया गया था। आरोपी को दोषी ठहराते हुए कोर्ट ने माना कि उसने जाली लेटर बनाया था और यह जानते हुए भी कि यह जाली और झूठा है। उसने इसे पीएमओ को असली डॉक्यूमेंट के तौर पर भेजा था। कोर्ट ने कहा कि सीबीआई की जांच ऊपर बताए गए पहलुओं पर पूरी हो गई है और की गई जांच और रिकॉर्ड में मौजूद सबूतों के आधार पर आरोपी शिवाजी यादव का गुनाह बिना किसी शक के साबित हो गया है।

आदेश में यह भी कहा गया कि इस मामले से पता चला है कि एक संवैधानिक अधिकारी के नाम और ऑफिस का इस्तेमाल करके एक मनगढ़ंत कम्युनिकेशन को असली बनाने की जानबूझकर कोशिश की गई थी और ऐसे कामों से ऑफिशियल प्रोसेस और कम्युनिकेशन की पवित्रता को नुकसान पहुंचाने का खतरा है। कोर्ट ने कहा कि इसलिए कानून को अपना काम करना चाहिए, जहां रिकॉर्ड में मौजूद सबूत साफ तौर पर धोखा देने के इरादे से झूठे डॉक्यूमेंट बनाने और इस्तेमाल करने को साबित करते हैं।

पुरी जगन्नाथ मंदिर के भीतर खून का धब्बा दिखने से हड़कंप

भुवनेश्वर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। भुवनेश्वर में मंगलवार को एक असामान्य घटना के बाद महाप्रभु का बड़ा महास्नान कराया गया, जिसके चलते कुछ समय के लिए श्रद्धालुओं के दर्शन पर रोक लगा दी गई। मंदिर प्रशासन और सेवायतों के संयुक्त निर्णय के बाद यह विशेष धार्मिक प्रक्रिया पूरी की गई। जानकारी के अनुसार, सुबह मंगल आरती के बाद बड़े देउल में नियमित रूप से महाप्रभु के दर्शन जारी थे।

इसी दौरान मंदिर के भीतर काठ के समीप खून के निशान देखे गए। इस घटना से वहां मौजूद सेवायतों और अधिकारियों में हड़कंप मच गया। तत्काल इसकी सूचना मंदिर प्रशासन को दी गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सेवायतों के साथ बैठक कर धार्मिक परंपराओं के अनुसार बड़ा महास्नान कराने का निर्णय लिया। इसके बाद विधि-विधान से महाप्रभु का महास्नान संपन्न कराया गया। इस प्रक्रिया के दौरान आम श्रद्धालुओं के प्रवेश और दर्शन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई, जिससे मंदिर परिसर में भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और अनुष्ठान शांतिपूर्वक पूरा हो सके।

मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि महा स्नान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुनः सामान्य रूप से दर्शन शुरू कर दिए गए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार की अशुद्धि या असामान्य स्थिति उत्पन्न होने पर महा स्नान जैसे विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं, ताकि पवित्रता को पुनः स्थापित किया जा सके।

अंडमान-निकोबार में पुलिस को सफलता

पकड़े गए म्यांमार के 11 शिकारी, तीन दिनों के अभियान के बाद मिली कामयाबी

म्यांमार, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के एक दूरस्थ स्थान से कुल 11 म्यांमार के शिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि यह गिरफ्तारी का अभियान 4 अप्रैल से शुरू हुए था। उन्होंने बताया कि 'सी सेंटिनल' अभियान के दौरान निकोबार जिले के नानकोवरी द्वीप से शिकारियों को पकड़ा गया। डीजीपी हरगोबिंदर सिंह धालीवाल ने बताया, पुलिस ने काकाना, पिलपिलो, पोंधा और डेरिंग के समुद्री क्षेत्रों में 4 अप्रैल को सुबह 9 बजे से अवैध शिकार विरोधी अभियान शुरू किया गया था।

दरअसल, अभियान के दौरान, उत्तरी काकाना के तट के पास एक संदिग्ध म्यांमार की अवैध शिकार करने वाली नौका का पता चला।

उन्होंने बताया, "गिरफ्तारी से बचने के लिए शिकारियों ने अपनी नाव की लंगर की रस्सी काट दी और तिलोंग चाउंग के पास दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर भागने की कोशिश की। पुलिस दल ने नाव का पीछा किया और भारतीय तटरक्षक बल के समन्वय से उसे रोकने का प्रयास किया। हमारे एक अधिकारी ने चेतावनी के तौर पर दो राउंड फायरिंग की। हालांकि, शिकारियों ने चेतावनी को अनसुना कर भागना जारी रखा।"

पुलिस ने अंत में उस पोत को रोक लिया, जिसे आइल ऑफ मैन द्वीप के पास छोड़ दिया गया था, जहां से शिकारी घने जंगलों में भाग गए। डीजीपी ने बताया, 5 अप्रैल को पुलिस और सेना के जवानों की एक संयुक्त टीम ने संक्षिप्त पीछा करने के बाद एक म्यांमार नागरिक को पकड़ा।

6 अप्रैल को जंगल में छिपे हुए 10 विदेशी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया। कुल मिलाकर, इस अभियान के दौरान 11 विदेशी शिकारियों को पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से काटी गई लगभग 800 किलोग्राम समुद्री खीरा भी बरामद की गई।

पंजाब चुनाव से पहले नई पार्टी का ऐलान

क्या है नवजोत सिद्धू का मकसद? खुद बताया

चंडीगढ़, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में अहम बदलाव हो रहे हैं। बीते दिनों एच एस फुल्का ने आम आदमी पार्टी का दामन छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी के साथ आ गए। अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता नवजोत सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई पार्टी का ऐलान कर दिया है। पार्टी का नाम है- भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी। सिद्धू ने यह कदम कांग्रेस आलाकमान पर सीएम पद के बदले पैसे लेने के आरोपों के बाद उठाया है। चर्चा थी कि वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकतीं हैं।

हालांकि सभी अटकलों और चर्चाओं पर विराम लगाते हुए सिद्धू ने नए राजनीतिक दल का ऐलान कर दिया। कौर 2012 में बीजेपी के टिकट पर अमृतसर पूर्व से एमएलए चुनी गई थीं और उन्होंने मुख्य संसदीय सचिव (स्वास्थ्य) के तौर पर भी काम किया था। 2017 के विधानसभा चुनावों से पहले, वह अपने पति के साथ कांग्रेस में शामिल हो गई थीं।कौर पंजाब कांग्रेस के प्रमुख वारिंग पर लगातार हमले कर रही थीं।

उन पर राज्य इकाई को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा रही थीं और उन्हें अब तक का सबसे भयानक, अयोग्य और भ्रष्ट अध्यक्ष बता रही थीं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी तीखा हमला किया था। 6 फरवरी को, पंजाब के प्रभारी कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल ने घोषणा की कि कौर को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

क्या नई पार्टी बनाने का मकसद?

अब सवाल है कि चुनाव से पहले पार्टी बनाने का मकसद क्या है? सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपने एक बयान में कौर ने मैं पंजाब को उसकी खोई हुई पुरानी शान एक 'स्वर्ण राज्य' के रूप में वापस दिलाने की दिशा में आगे बढ़ाऊंगी।

एक ऐसा राज्य जहाँ लोग केवल प्रेम, मिल-बांटकर रहने, न्याय, स्वतंत्रता के अधिकार और आजादी की शक्ति को जानें और जहां वे बिना किसी बाहरी दखल के, निस्वार्थ सेवा तथा आध्यात्मिक विकास के उद्देश्य से काम करते हुए अपने लक्ष्यों, मूल्यों और दृष्टिकोण को प्राप्त करें।

गेंद समझकर बच्चों ने उठाया देसी बम, खेलते-खेलते हो गया भयानक विस्फोट, मचा हाहाकार

भुवनेश्वर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजाम जिले से एक बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। यहां बच्चों का एक साधारण खेल अचानक एक बड़े हादसे में बदल गया, जब गेंद समझकर उठाया गया एक संदिग्ध सामान दरअसल देसी बम निकला और खेलते-खेलते ही फट गया। यह घटना कविसूर्यनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत खाजापल्ली गांव की है। जानकारी के अनुसार, गांव में दो बच्चे खेल रहे थे।

खेल के दौरान उन्हें जमीन पर पड़ी एक अजीब सी चीज दिखाई दी। मासूम बच्चों ने उसे गेंद समझ लिया और उसके साथ खेलने लगे। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह चीज कितनी खतरनाक हो सकती है। खेलते-खेलते अचानक 14 साल के ओम प्रकाश भुइयां के हाथ में जोरदार धमाका हुआ। देसी बम के फटते ही जोर की आवाज गूंजी और पूरा इलाका दहल उठा।

इस विस्फोट में ओम प्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं उसके पास खड़ा 8 साल का गणेश भुइयां भी धमाके की चपेट में आ गया, हालांकि उसे हल्की चोटें आई हैं। धमाके के बाद दोनों बच्चे दर्द से चीखते-चिल्लाते जमीन पर गिर पड़े, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद परिजन और गांव के लोग दोनों बच्चों को इलाज के लिए कोदला कम्युनिटी हेल्थ सेंटर लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन ओम प्रकाश की हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए ब्रह्मपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसका इलाज वहीं चल रहा है। दूसरी ओर, गणेश भुइयां का इलाज कोदला सीएचसी में ही जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

'सत्ता में आएंगे तो घर में घुसकर मारेंगे'

पाकिस्तान की कोलकाता धमकी पर अभिषेक बनर्जी का पलटवार

कोलकाता, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बड़ा हलचल पैदा हो गई, जब टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने पाकिस्तान की कोलकाता धमकी पर आग भरी प्रतिक्रिया दी। त्रिपक्षीय रैली में अभिषेक ने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब ममता बनर्जी और इंडिया एलायंस सत्ता में आएगी, 'हम उनके घर में घुसेंगे और उन्हें खत्म कर देंगे।' यह बयान उन्होंने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा कोलकाता को भविष्य में संभावित टारगेट बताने की धमकी के संदर्भ में दिया।

सिलीगुड़ी में चुनावी रैली में अभिषेक ने कहा 'दो दिन पहले ख्वाजा आसिफ ने कहा कि वे कोलकाता उड़ा देंगे। हमारे प्रधानमंत्री, गृह और रक्षा मंत्री मौन हैं। मैंने ख्वाजा आसिफ का नाम अपनी सूची में लिखा है। जब ममता बनर्जी और इंडिया एलायंस सरकार बनाएंगे, हम उनके घर में घुसकर कार्रवाई करेंगे।'

उन्होंने केंद्र के नेताओं पर तीखा हमला किया, कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं, जबकि पाकिस्तान कोलकाता को धमकी दे रहा है। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौन हैं।

पाकिस्तान ने दी थी गीदड़ भभकी

गौरतलब है कि ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में कहा कि अगर भारत फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो पाकिस्तान इसका जवाब कोलकाता तक ले जाएगा। उन्होंने बिना सबूत के सुझाव दिया कि भारत इस ऑपरेशन में अपने लोग या पकड़े गए पाकिस्तानी इस्तेमाल कर सकता है।

भारत की प्रतिक्रिया

हालांकि भारत ने ख्वाजा आसिफ के बयान पर सीधे प्रतिक्रिया नहीं दी, राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की किसी भी गलत हरकत का जवाब अपूर्व और निर्णायक तरीके से दिया जाएगा।

उन्होंने अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का हवाला देते हुए कहा कि भारत की कार्रवाई ने स्पष्ट संदेश दिया था। उस हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया था।

7 महीने में एमपी के डॉक्टरों से करोड़ों की ठगी

जबलपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस ने जिस अंतरराज्यीय ठग पन्नालाल राठौर को पकड़ा है, वह हरियाणा की कुख्यात मेवाती गैंग में रह चुका है। 60 साल के इस शातिर शख्स ने न सिर्फ मध्य प्रदेश, बल्कि पश्चिम बंगाल, हरियाणा और दक्षिण भारत के कई राज्यों में नकली सोना दिखाकर करोड़ों की ठगी की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी खासतौर पर डॉक्टरों को निशाना बनाता था। वह अपनी पत्नी को मरीज बनाकर क्लिनिक में भेजता और इलाज के दौरान भरोसा जीतकर शुद्ध सोना बताकर नकली गिन्नियां बेच देता था। एक डॉक्टर ने तो सोना खरीदने के लिए मकान गिरवी रखकर बैंक से 60 लाख रुपए तक का लोन ले लिया।

आरोपी पन्नालाल करीब 7 महीने पहले परिवार के साथ मध्य प्रदेश आया। यहां उसने छिंदवाड़ा, सागर, छतरपुर और जबलपुर के डॉक्टरों को निशाना बनाया। वह पत्नी को डॉक्टरों के पास मरीज बनाकर भेजता था। फिर गड़े खजाने की कहानी सुनाता। जांच के लिए दी गई एक-दो गिन्नियां असली होती थीं, जिससे शिकार पूरी तरह विश्वास में आ जाता।

बुलडोजर के दम पर खाली कराई गई 22 एकड़ से ज्यादा की जमीन

20 सालों से मासूम खान का था कब्जा

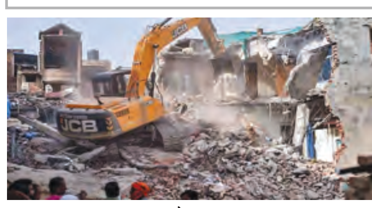

भुवनेश्वर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में प्रशासन ने अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए मोटू इलाके में बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाया। चलाए गए इस अभियान में बुलडोजर के जरिए कई पक्के निर्माण ढहा दिए गए और सरकारी जमीन को कब्जे से मुक्त कराया गया।

जानकारी के मुताबिक, मोटू क्षेत्र के इस्लाम नगर में लगभग 20 सालों से सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा था, जिसे हटाया गया है। एक स्थानीय प्रभावशाली व्यक्ति ने न सिर्फ जमीन पर घर बना लिया था, बल्कि वहां तालाब भी तैयार कर लिया थे। खेती भी की जा रही थी। इसको लेकर प्रशासन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों के आधार पर जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए पुलिस बल की मौजूदगी में एक संयुक्त अभियान चलाया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरे इलाके में बुलडोजर चलाया गया और अवैध निर्माणों को तोड़ दिया गया।

तीन मंजिला इमारत को किया गया ध्वस्त

अभियान के दौरान एक तीन मंजिला इमारत, पांच मकान और एक गोदाम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन ने साफ किया कि यह जमीन पूरी तरह सरकारी थी, जिस पर अवैध तरीके से कब्जा किया गया था। कार्रवाई के बाद करीब 22 एकड़ से ज्यादा जमीन को दोबारा सरकारी नियंत्रण में ले लिया गया।

मासूम खान ने कर रखा था अवैध कब्जा

स्थानीय जानकारी के अनुसार, इस्लाम नगर क्षेत्र में करीब 22 एकड़ से अधिक वन भूमि पर भी कब्जा किया गया था। मासूम खान नाम के एक प्रभावशाली व्यक्ति ने इस जमीन पर कब्जा कर रखा था।

पुलिस प्रशासन रहा मौजूद

इस पूरे अभियान के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की भारी मौजूदगी रही, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई है और इसका मकसद सरकारी संपत्ति की सुरक्षा और सही उपयोग सुनिश्चित करना है। हालांकि, इस बुलडोजर कार्रवाई के बाद इलाके में हलचल भी देखने को मिली है। लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसे अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बीएमसी पर 2.44 लाख करोड़ का कर्ज

कर्मचारियों के पीएफ फंड के इस्तेमाल का आरोप, विपक्ष ने किया हमला

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। नगर निगम (बीएमसी) पर लगभग 2.44 लाख करोड़ का कर्ज है, जिसको लेकर कांग्रेस गुट के नेता अशरफ आजमी ने एक अहम सवाल उठाया कि इस भारी कर्ज को आखिर कैसे चुकाया जाएगा? आरोप है कि निगम अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी तोड़कर गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड और कोस्टल रोड जैसी विभिन्न परियोजनाओं में फंड का इस्तेमाल कर रहा है।

सामने आया है कि इन डिपॉजिट में कर्मचारियों के प्रोविडेंट फंड (पीएफ) का लगभग 45,000 करोड़ का योगदान और ठेकेदारों की सिक्योरिटी डिपॉजिट भी शामिल है। यह भी दावा किया गया कि पिछले 10 सालों में निगम को 5,000 से 6,000 करोड़ का नुकसान हुआ है, क्योंकि बैंक डिपॉजिट पर अब केवल 5.5% की कम ब्याज दर मिल रही है। इस बीच 2022 से 2026 की वित्तीय अवधि को कवर करने वाला एक श्वेत पत्र जारी करने की मांग भी उठाई गई है।

राजस्व बढ़ाने के उपायों पर चर्चा करते हुए एमआईएम पार्षद जमीर कुरैशी ने प्रस्ताव दिया कि झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों के निवासियों को फोटो पास जारी करने से निगम को सालाना 552 करोड़ तक की अतिरिक्त आय हो सकती है, वहीं पट्टे पर दी गई संपत्तियों के किराए में 1% की बढ़ोतरी करने का सुझाव भी दिया गया है। अन्य मुद्दों में मराठी नाटकों और फिल्मों को मनोरंजन कर से छूट देने की मांग,

लेखा-परीक्षा और सचिवालय विभागों में कर्मचारियों की कमी को दूर करने की आवश्यकता, और तूफानी पानी की नालियों की सफाई में अनियमितताओं के आरोप भी शामिल रहे। आलोचकों ने इस पर तंज कसते हुए कहा कि यह 'नाली सफाई' नहीं बल्कि 'हाथ सफाई' है। साथ ही अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई और नालियों की सफाई के टेंडर समय पर जारी करने की मांग भी उठी। राजस्व बढ़ाने के उपायों और विकास परियोजनाओं के लिए धन जुटाने जैसे अहम मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

रेडी टू ईट डोसे से चली गई दो मासूम बहनों की जान पिता अस्पताल में भर्ती... डेयरी मालिक ने दी सफाई

अहमदाबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद स्थित चांदखेड़ा इलाके से एक ऐसी रूह कंपा देने वाली खबर सामने आई है, जिसने खाद्य सुरक्षा और बाजार में बिकने वाले रेडी-टू-ईट सामानों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बाजार से लाए गए डोसा बैटर (रेडी टू ईट डोसा) ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। महज तीन महीने और साढ़े तीन साल की दो सगी बहनों की संदिग्ध मौत के बाद पूरे इलाके में मातम और दहशत का माहौल है।

1 अप्रैल को जब परिवार ने चांदखेड़ा की प्रसिद्ध 'घनश्याम डेयरी' से डोसा बनाने का घोल (बैटर) खरीदा था। परिजनों का आरोप है कि इस घोल से बना डोसा खाने के बाद ही अनहोनी शुरू हुई। सबसे पहले घर के मुखिया (पिता) ने डोसा खाया और उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उस वक्त परिवार को अंदाजा भी नहीं था कि इसका सीधा संबंध डोसा बैटर से हो सकता है। अगले दिन मां और उनकी साढ़े तीन साल की बड़ी बेटी ने भी वही डोसा खाया। चूंकि छोटी बच्ची (3 माह) अभी मां के दूध पर निर्भर थी, संक्रमण का असर उस तक भी पहुंच गया। अचानक दोनों मासूमों और मां की भी हालत बिगड़ने लगी।

छोटी बच्ची ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि बड़ी बहन की भी अगले ही दिन मौत हो गई। मासूमों की मौत की खबर फैलते ही प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने 'घनश्याम डेयरी' पर छापा मारकर वहां उपलब्ध खाद्य सामग्रियों और अचार के नमूने लिए हैं। दूसरी ओर, डेयरी मैनेजर ने आरोपों का बचाव करते हुए कहा, 'हम रोजाना 100 किलो से ज्यादा बैटर बेचते हैं, लेकिन केवल इसी एक परिवार के साथ ऐसा हुआ है। हमारे पास वॉयस रिकॉर्डिंग और सीसीटीवी फुटेज मौजूद हैं। हमने अन्य ग्राहकों से भी फीडबैक लिया, लेकिन कहीं से कोई शिकायत नहीं मिली।

' पुलिस और अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं। अब सबकी नजरें एफएसएल की फाइनल रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे स्पष्ट होगा कि मौत का वास्तविक कारण फूड पॉइजनिंग था या बैटर को संरक्षित करने में कोई बड़ी चूक हुई थी। यह घटना हर उस नागरिक के लिए एक चेतावनी है जो बाजार से खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों पर निर्भर हैं।

अमीर उम्मीदवार कौन? लीमा रोज के हलफनामे में संपत्ति 5863 करोड़

चेन्नई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बीच एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है, जहां एआईएडीएमके उम्मीदवार लीमा रोज राज्य की सबसे धनी प्रत्याशी के रूप में उभरी हैं। तिरुचिरापल्ली जिले के लालगुडी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहीं लीमा रोज ने अपने नामांकन हलफनामे में कुल 5,863 करोड़ रुपये की पारिवारिक संपत्ति घोषित की है। हलफनामे के अनुसार, लीमा के पास 139 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 910 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। यह आंकड़ा उन्हें चुनावी मैदान में सबसे अमीर उम्मीदवारों की सूची में शीर्ष पर पहुंचाता है।

उनकी कुल संपत्ति में उनके पति और व्यवसायी मार्टिन का बड़ा योगदान है। मार्टिन ने 3,262 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 887 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति घोषित की है। वहीं उनके पुत्र जोस टायसन मार्टिन के नाम पर भी बड़ी संपत्ति दर्ज है, जिसमें 225 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 439 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है।आय के मामले में लीमा रोज ने पिछले वित्तीय वर्ष में 9.82 करोड़ रुपये की कमाई बताई है,

जबकि उनके पति की आय 11.39 करोड़ रुपये रही। नकद राशि के रूप में लीमा के पास 5 लाख रुपये और उनके पति के पास 56 लाख रुपये मौजूद हैं। संपत्ति के विवरण में कीमती धातुएं और रत्न भी शामिल हैं। लीमा रोज के पास 19,233 ग्राम सोना, 1,31,813 ग्राम चांदी, 1,217 कैरेट हीरे और 32 ग्राम प्लैटिनम है। उनके पति के पास 281 ग्राम सोना और 20,974 ग्राम चांदी है, जबकि उनके बेटे के पास 326 ग्राम सोना और 60,380 ग्राम चांदी (ज्वैलरी सहित) दर्ज है।

तेल संकट का चीन पर असर क्यों नहीं पड़ा

20 साल पहले इमरजेंसी भंडार बनाए, नए तरीकों से बिजली, केमिकल के लिए भी निर्भर नहीं

बीजिंग, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जहां कई देश ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं, वहीं चीन पर इसका असर बाकी दुनिया के मुकाबले कम दिखाई दे रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन खुद को कई सालों से ऐसे हालात के लिए तैयारी कर रहा था।

चीन दुनिया का सबसे बड़ा तेल खरीदने वाला देश है, इसलिए अगर तेल की सप्लाई में रुकावट आती है तो उसे सबसे ज्यादा नुकसान होना चाहिए था। लेकिन चीन ने पहले से ही बड़ी मात्रा में तेल जमा करके रखा हुआ है। इसके अलावा चीन बिजली से चलने वाले सिस्टम पर शिफ्ट कर चुका है और कोयले से भी जरूरी चीजें बना रहा है। चीन ने धीरे-धीरे अपनी ऊर्जा पॉलिसी को इस तरह बदला कि वह वैश्विक सप्लाई शॉक का सामना कर सके। सरकार ने अहम सेक्टर्स में निवेश बढ़ाया और इंडस्ट्रियल स्ट्रैथ को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा बनाया।

इसके साथ-साथ उसने बिजली बनाने के दूसरे तरीकों पर भी तेजी

से काम किया है, जैसे सौर ऊर्जा, हवा से बनने वाली ऊर्जा और पानी से बनने वाली बिजली। इसी कारण अब चीन में पेट्रोल और डीजल की मांग धीरे-धीरे कम होती जा रही है।

चीन की सरकार लंबे समय से यह मानती है कि मजबूत इंडस्ट्री ही देश की असली ताकत होती है। इसी सोच के तहत उसने अपनी फैक्ट्रियों और उत्पादन क्षमता को इतना मजबूत बना लिया है कि उसे बाहर के देशों पर कम निर्भर रहना पड़े।

खास तौर पर उसने उन सेक्टर पर ज्यादा ध्यान दिया, जो उसके लिए रणनीतिक रूप से जरूरी हैं। सरकार सीधे तौर पर दिशा देती रही कि किन क्षेत्रों को मजबूत करना है, ताकि चीन किसी भी पश्चिमी देश के दबाव में न आए।

ऊर्जा इस पूरी रणनीति का सबसे अहम हिस्सा रही है। कुछ साल पहले तक चीन पेट्रोल-डीजल वाली गाड़ियों का सबसे बड़ा बाजार था, लेकिन अब वह इलेक्ट्रिक गाड़ियों का सबसे बड़ा बाजार बन चुका है। इसका मतलब यह है कि वहां अब बड़ी संख्या में गाड़ियां तेल की जगह बिजली से चल रही हैं, जिससे तेल पर निर्भरता कम हो रही है।

1990 के दशक में जब चीन कई फैक्ट्रियां बना रहा था, तब उसे केमिकल बनाने के लिए विदेशी कंपनियों पर निर्भर रहना पड़ता था। ये वही केमिकल होते हैं जिनसे प्लास्टिक, रबर, धातु के हिस्से और कई दूसरी चीजें बनती हैं। लेकिन अब चीन ने ऐसी तकनीक विकसित कर ली है, जिससे वह कोयले की मदद से ही कई जरूरी केमिकल बना सकता है, जैसे मेथेनॉल और सिंथेटिक अमोनिया।

यह तकनीक नई नहीं है, बल्कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने भी इसका इस्तेमाल किया था। अब चीन इसी तरीके से तेल के बिना भी अपनी इंडस्ट्री चला सकता है।

आज दुनिया का बड़ा हिस्सा केमिकल सप्लाई के लिए चीन पर निर्भर है। उदाहरण के तौर पर, दुनिया का करीब तीन-चौथाई पॉलिएस्टर और नायलॉन चीन में बनता है।

हाल ही में वियतनाम और फिलीपींस जैसे देशों को जब ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा, तो उन्होंने चीन से मदद मांगी।

धनबाद सर्विस रोड पर हादसा, युवक की मौत

टाटा 710 की टक्कर से गई जान, चालक फरार, आक्रोशितों ने शव सड़क पर रख किया जाम

धनबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। धनबाद के 8 लेन सड़क से जुड़े सर्विस रोड स्थित कशीयाटांड मोड़ के पास मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मालवाहक टाटा 710 वाहन संख्या डब्ल्यूबी 23 एफ 3796 ने एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन तेज रफ्तार में था और मोड़ पर अचानक सामने आए युवक को तेज धक्का मारते हुए आगे बढ़ गया। सूचना मिलते ही भूली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

हादसे के बाद वाहन चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। वहीं, मालवाहक वाहन को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

मृतक की पहचान कशीयाटांड बस्ती निवासी दिलीप सिंह के 21 वर्षीय पुत्र दिनेश सिंह के रूप में की गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया।

सील टीम-6 ने पहाड़ों से अमेरिकी पायलट को बचाया

ईरान में 300 किमी घुसकर ऑपरेशन को अंजाम दिया, लादेन को मारने वाली यही यूनिट थी

वॉशिंगटन/तेहरान, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका ने ईरान में लापता दोनों पायलट्स को 36 घंटे के भीतर रेस्क्यू कर लिया। ईरान में 3 अप्रैल को एक ऑपरेशन पर गए एफ-15ई फाइटर जेट्स पर हमला हुआ था। विमान के क्रैश होने से पहले दोनों पायलट्स पैराशूट की मदद से इजेक्ट हो गए थे। इसमें से एक पायलट को अमेरिकी सेना ने कुछ ही घंटे बाद ढूंढ लिया जबकि दूसरे के लिए एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इसकी सफलता की तारीफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी की। उन्होंने इसे देश के इतिहास का सबसे खतरनाक रेस्क्यू मिशन बताया।

अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट 'सील टीम-6' ने इसे अंजाम दिया। यह वही स्पेशल फोर्स है जिसने 2011 में आतंकी ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में घुसकर मारा था। ईरान के साथ संघर्ष के बीच यह 2026 का पहला कन्फर्म्ड अमेरिकी ग्राउंड ऑपरेशन माना जा रहा है। एक

सैनिक को बचाने के लिए बड़े स्तर पर सैन्य ताकत का इस्तेमाल हुआ, जो इसकी अहमियत दिखाता है।

मिशन को सफल बनाने के लिए अमेरिका ने कई लेयर में रणनीति बनाई। पहले, इजराइली खुफिया एजेंसी ने ईरानी सेना की मूवमेंट ट्रैक की। फिर हवाई हमले 36 घंटे के लिए रोके गए, ताकि रेस्क्यू टीम आगे बढ़ सके।

इसके बाद सीआईए ने फर्जी जानकारी फैलाई कि ऑफिसर सड़क से भाग निकला है। ऊपर अमेरिकी फाइटर जेट्स निगरानी कर रहे थे, जबकि जमीन पर कमांडो आगे बढ़ रहे थे।

अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट एसईएएल टीम-6 ने ऑपरेशन शुरू किया। जब कमांडो अफसर तक पहुंचे, तब ईरानी सेना बेहद करीब थी। ऐसे में भारी गोलीबारी कर दुश्मन को पीछे धकेला गया। इसके बाद ट्रांसपोर्ट विमान फायरिंग के बीच उतरे और घायल अफसर को बाहर निकाला गया। ऑपरेशन के बीच इस्फहान के पास तकनीकी खराबी के कारण दो अमेरिकी ट्रांसपोर्ट विमान काम नहीं कर पाए। इन विमानों को मौके पर ही विस्फोट से नष्ट कर दिया गया, ताकि कोई संवेदनशील तकनीक दुश्मन के हाथ न लगे।

ऑस्ट्रेलिया के सबसे सम्मानित सैनिक पर वॉर क्राइम का केस

अफगानिस्तान में निहत्थों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार

कैनबरा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के सबसे चर्चित और सम्मानित सैनिकों में शामिल बेन रॉबर्ट्स-स्मिथ को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान निहत्थे लोगों की हत्या के आरोप में पांच वॉर क्राइम के मामले दर्ज किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, 47 साल के पूर्व सैनिक को सिडनी एयरपोर्ट से हिरासत में लिया गया। जांच में सामने आया है कि 2009 से 2012 के बीच उन्होंने पांच लोगों की हत्या की। इन सभी मामलों में अधिकतम सजा उम्रकैद हो सकती है।

अधिकारियों का कहना है कि जिन लोगों को मारा गया, वे उस समय न तो हथियारबंद थे और न ही लड़ाई में शामिल थे।

आरोप है कि उन्हें हिरासत में लेने के बाद मार दिया गया। कुछ मामलों में गोली खुद रॉबर्ट्स-स्मिथ ने चलाई, जबकि कुछ में उनके आदेश पर अन्य सैनिकों ने कार्रवाई की।

बेन रॉबर्ट्स-स्मिथ को पहले उनके सैन्य योगदान के लिए ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा बहादुरी पुरस्कार 'विक्टोरिया क्रॉस' मिल चुका है। हालांकि, उन्होंने हमेशा अपने ऊपर लगे इन आरोपों से इनकार किया है।

ईरान के 1.4 करोड़ लोग बलिदान को तैयार

डोनाल्ड ट्रंप की डेडलाइन पर ईरानी राष्ट्रपति का बड़ा ऐलान

तेहरान, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आसन्न समयसीमा के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मंगलवार को कहा कि उनके समेत 1.4 करोड़ ईरानी स्वयंसेवक युद्ध में अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने यह टिप्पणी 'एक्स' पर उस समय की, जब ट्रंप की वह समयसीमा करीब आ रही है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा नहीं खोलता है तो उसके बिजली संयंत्रों और पुलों पर बमबारी की जाएगी। यह संख्या पहले सरकारी मीडिया द्वारा बताए गए स्वयंसेवकों के आंकड़ों से लगभग दोगुनी है। सरकार युद्ध के दौरान संदेशों और मीडिया के जरिए लोगों से इस तरह के स्वयंसेवी अभियान में शामिल होने की अपील कर रही है।

लगभग नौ करोड़ की आबादी वाले ईरान में कई लोग सरकार से

नाराज भी हैं, खासकर देशभर में हुए प्रदर्शनों पर की गई सख्त कार्रवाई को लेकर। माना जा रहा है कि 1.4 करोड़ का यह आंकड़ा संभावित अमेरिकी हमले को रोकने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है। पेजेश्कियन ने कहा, '1.4 करोड़ से अधिक ईरानी लोगों ने अभियान में अपनी जान देने के लिए तैयार रहने का इरादा जताया है। मैं भी ईरान के लिए अपनी जान देने के लिए पहले भी तैयार था, अब भी हूं और आगे भी रहूंगा।'

डोनाल्ड ट्रंप का ईरानी परमाणु संयंत्रों और पुलों को उड़ाने की मियाद मंगलवार शाम (स्थानीय समयानुसार) खत्म हो रही है। वहीं ईरान ने भी होर्मुज को लेकर समझौता करने से फिलहाल इनकार कर दिया है। इस बीच ईरान के एक मंत्री की अपील सुर्खियों में है। उन्होंने ह्यूमन चेन बनाने की गुजारिश लोगों से की है। ईरानी मंत्री ने 'सभी युवाओं, एथलीटों, कलाकारों, छात्रों, यूनिवर्सिटी के छात्रों और उनके प्रोफेसरों' से पावर प्लांट के चारों ओर मानव श्रृंखला बनाने की अपील की है।

देश के सरकारी टेलीविजन पर सुप्रीम काउंसिल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंट्स के सचिव (युवा और खेल मामलों के उपमंत्री) अलीरेज़ा रहीमी ने एक न्यूजकास्ट में वीडियो कॉल में ह्यूमन चेन की अपील करते हुए कहा, 'पावर प्लांट जो हमारी राष्ट्रीय संपत्ति और पूंजी हैं, चाहे किसी भी पसंद या राजनीतिक नजरिए से देखें, वे ईरान और ईरानी युवाओं के भविष्य के हैं।'

पाकिस्तान में बाजार 8 बजे, रेस्टोरेंट 10 बजे बंद

शादी समारोहों पर भी पाबंदी, तेल संकट से जूझ रहा देश

इस्लामाबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के असर अब पाकिस्तान में साफ दिखाई देने लगे हैं। ईंधन संकट गहराने के चलते सरकार ने देशभर में सख्त पाबंदियां लागू कर दी हैं।

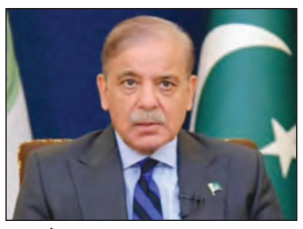

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद मंगलवार से नए नियम लागू किए गए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, अब देश के ज्यादातर हिस्सों में बाजार और शॉपिंग मॉल रात 8 बजे तक ही खुले रहेंगे। रेस्तरां, बेकरी और अन्य खाने-पीने की दुकानें रात 10 बजे तक बंद करनी होंगी। इसके अलावा शादी हॉल और दूसरे कमर्शियल वेन्यू भी रात 10 बजे के बाद खुले नहीं रह सकेंगे।

सरकार ने निजी स्तर पर होने वाले शादी समारोहों पर भी सख्ती की है। अब घरों या निजी जगहों पर भी रात 10 बजे के बाद शादी या कोई समारोह आयोजित नहीं किया जा सकेगा। हालांकि, मेडिकल स्टोर और फार्मेसी को इन पाबंदियों से छूट दी गई है, ताकि जरूरी दवाएं और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों।

दरअसल, खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव का असर वैश्विक ईंधन आपूर्ति पर पड़ा है। इसी वजह से पाकिस्तान में ईंधन की कमी बढ़ रही है। खपत कम करने और हालात को संभालने के लिए सरकार ने ये सख्त कदम उठाए हैं।

'हाय रानी-हेलो रानी' गाने पर पत्नी संग नाचे कॉन्स्टेबल

बिलासपुर में वर्दी में रील बनाने पर लाइन अटैच, तलवार लहराने वाला वकील गिरफ्तार

बिलासपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक कॉन्स्टेबल का वर्दी में डांस करते और वकील का तलवार लहराते वीडियो सामने आया है। मस्तुरी थाने में पदस्थ कॉन्स्टेबल देवानंद ने 'हाय रानी, हेलो रानी' संबलपुरी गाने पर वाइफ के साथ डांस करते हुए रील बनाई। वीडियो वायरल होने के बाद एसएसपी ने उन्हें लाइन अटैच कर दिया है।

दूसरे मामले में वकील अंशुमन श्रीवास्तव (41) ने 'हर हर महादेव' गाने में खुलेआम तलवार लहराई। वह अपने घर के बाहर ही कार खड़ी कर शराब पी रहा था और पिस्टल, तलवार, फरसा लेकर आने-जाने वालों को डरा रहा था। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है। आरक्षक देवानंद कैवर्त्य मस्तुरी थाने में पदस्थ थे। इंस्टाग्राम पर उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह पत्नी संग डांस करते नजर आए। वर्दी में डांस करते वीडियो सामने आने पर एसएसपी रजनेश सिंह ने जानकारी जुटाई। 6 अप्रैल को आदेश जारी कर देवानंद को लाइन अटैच कर दिया।

एसएसपी रजनेश सिंह का कहना है कि पुलिस विभाग एक अनुशासित विभाग है, यूनिफॉर्म गर्व का प्रतीक है। उसको पहन कर निजी ख्वाइशें और इस तरह की हरकतें कोई नहीं कर सकता। इस तरह से वर्दी में डांस और रील बनाना बिल्कुल गलत है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वर्दी की गरिमा से कोई समझौता नहीं होगा और अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बिलासपुर शहर की पॉश कॉलोनी रामावैली में रविवार (5 अप्रैल) को वकील सरेआम हथियार लहराकर दहशत फैला रहा था। इसका वीडियो लोगों ने रिकॉर्ड कर पुलिस को भेज दिया। जांच में पता चला कि आरोपी अंशुमन श्रीवास्तव (41) नामक वकील है।

वह अपने घर के बाहर शराब पी रहा था और इस दौरान हाथ में पिस्टल, तलवार और फरसा जैसे औजार लेकर आने-जाने वालों को डराने का प्रयास कर रहा था। चकरभाठा थाना प्रभारी उमेश साहू अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को कॉलोनी में देखकर हड़कंप मच गया।

टीम ने आरोपी के घर L-5, मकान नंबर 124 की घेराबंदी की और उसे हथियारों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के मकान की तलाशी के दौरान 32.5 इंच की तलवार, एक काली पिस्टल और एक फरसा (छोटी कुल्हाड़ी) जब्त की है।

ट्रम्प बोले- ईरान को रातभर में खत्म कर सकते हैं

घायल पायलट की खबर लीक करने वाले पत्रकार की तलाश, उसे जेल भेजेंगे

वॉशिंगटन, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान जंग पर सोमवार रात (भारतीय समय के मुताबिक) प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका की जंग अच्छी चल रही है। अमेरिका चाहे तो पूरे ईरान को एक रात में खत्म कर सकता है। जरूरत पड़ी तो वह रात कल भी हो सकती है।

ट्रम्प ने यहां तक कहा, "हमारे पास ऐसी प्लानिंग है कि कल रात 12 बजे तक (भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह 5:30 बजे) ईरान का हर पुल तोड़ दिया जाएगा और हर पावर प्लांट जला दिया जाएगा। पूरी तरह तबाही होगी।"

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान से सुरक्षित निकाले गए पायलट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी एजेंसियां उस शख्स की तलाश कर रही हैं, जिसने यह जानकारी लीक की कि पहले पायलट के बचाव के बाद दूसरा पायलट भी ईरान में फंसा हुआ है।

ट्रम्प के मुताबिक पहले ईरान

को दूसरे पायलट के ईरान में फंसे होने की जानकारी नहीं थी, लेकिन खबर लीक होने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन और मुश्किल हो गया।

ट्रम्प के प्रेस कॉन्फ्रेंस की 5 बड़ी बातें

ईरान को धमकी- अमेरिका चाहे तो पूरे ईरान को एक रात में खत्म कर सकता है। जरूरत पड़ी तो यह कार्रवाई कल रात भी हो सकती है। अभी युद्ध अमेरिका के मुताबिक चल रहा है।

रेस्क्यू ऑपरेशन- ईरान में फंसे सैनिक को बचाने के लिए अमेरिका ने 155 सैन्य विमानों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था। इसमें फाइटर जेट, बॉम्बर्स और रेस्क्यू प्लेन शामिल थे।

ईरान में हजारों हमले किए- अब तक अमेरिका ने ईरान के 13,000 से ज्यादा ठिकानों पर हमला किया है और पिछले 37 दिनों में 10,000 से ज्यादा लड़ाकू उड़ानें भरी हैं।

खबर लीक करने वाले को धमकी- जिस इंसान ने मीडिया में ईरान में फंसे दूसरे पायलट के बारे में खबर लीक की है उसे ढूंढा जाएगा। जरूरत पड़ी तो मीडिया कंपनी पर भी कार्रवाई हो सकती है।

अमेरिकी विमान गिरने की बात मानी- ट्रम्प ने माना कि ईरान ने एक अमेरिकी F-15 विमान गिराया था, लेकिन यह दुश्मन की किस्मत थी यानी ये सिर्फ एक लकी हिट थी।

ट्रम्प बोले- रेस्क्यू मिशन के दौरान दुश्मन को धोखे में रखा

ट्रम्प ने ईरान में फंसे अमेरिकी पायलट को बचाने वाले ऑपरेशन को 'ऐतिहासिक' बताया। उन्होंने कहा, "मैंने अमेरिकी सेना को आदेश दिया था कि हमारे बहादुर सैनिकों को सुरक्षित घर लाने के लिए जो भी जरूरी हो, वह किया जाए।"

उन्होंने कहा, 'यह बहुत जोखिम भरा फैसला था, क्योंकि हमने 1-2 पायलट को निकालने के लिए 100 जान को दांव पर लगा दिया था।' ट्रम्प ने इसे हाल के दशकों में सबसे खतरनाक ऑपरेशनों में से एक बताया।

ट्रम्प ने यह भी बताया कि दोनों पायलट को बचाने के लिए दो रेस्क्यू मिशन किए गए। पहले मिशन में 21 अमेरिकी सैन्य विमान लगाए गए थे। जबकि दूसरे रेस्क्यू मिशन में कुल 155 अमेरिकी विमान शामिल थे।

नेपाल की नई सरकार ने लिया बड़ा फैसला

भारत समेत 6 देशों से अपने राजदूतों को बुलाया वापस, दिया एक महीने का वक्त

काठमांडू, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए भारत समेत छह देशों से अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है। इन सभी राजदूतों को नियुक्ति पिछली के.पी. शर्मा ओली सरकार ने की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर क्षेत्री ने बताया कि कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

इन देशों से वापस बुलाया गए राजदूत

जिन देशों से राजदूतों को वापस बुलाया गया है, उनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, डेनमार्क, दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। नेपाल सरकार के इस फैसले के बाद अब भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा को भी अब वापस लौटना होगा। इसके अलावा जिन राजदूतों को वापस बुलाया गया है उनमें- ऑस्ट्रेलिया से चित्रलेखा यादव, डेनमार्क से सुम्निमा तुलाधर, श्रीलंका से पूर्ण बहादुर नेपाली, दक्षिण कोरिया से शिवमाया तुम्बाहाम्फे और दक्षिण अफ्रीका से कपिलमान श्रेष्ठ को वापस बुलाया गया है।

सरकार ने वापसी के लिए एक महीने का समय दिया

नेपाली विदेश मंत्रालय मुताबिक ने सोमवार को इन सभी राजदूतों को पत्र जारी कर दिए हैं। सरकार ने उन्हें एक महीने के भीतर नेपाल लौटने का निर्देश दिया है। इससे पहले, अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार ने भी ओली प्रशासन के समय राजनीतिक कोटे के तहत नियुक्त 17 में से 11 राजदूतों को वापस बुला लिया था।

बता दें कि नेपाल में पिछले महीने ही रैप से नेता बने बालेंद्र शाह ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यहां एक बड़े युवा आंदोलन के बाद ओली सरकार गिर गई थी, जिसके बाद बालेंद्र शाह ने सत्ता संभाली।

अब उनकी सरकार ने पिछली नियुक्तियों को बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस्तांबुल में इस्राइली वाणिज्य दूतावास पर अज्ञात बंदूकधारियों का हमला

तीन ढेर, दो पुलिसकर्मी घायल

इस्तांबुल, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। इस्तांबुल में इस्राइली वाणिज्य दूतावास की इमारत पर मंगलवार को कई अज्ञात हमलावरों ने हमला करने की कोशिश की। तुर्किये पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन हमलावरों को मार गिराया, जबकि दो पुलिसकर्मी घायल हुए। इस्तांबुल स्थित दूतावास की सुरक्षा को बढ़ाया गया है।

तुर्किये के समाचार चैनल सीएनएन तुर्क की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है, जब एक महीने से अधिक समय से इस्राइल की ईरान के साथ जंग जारी है। इस जंग में ईरान और लेबनान के सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं।

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री का बहनोई बनकर 23 लाख ठगे

मंत्रालय में पहुंच का भरोसा दिलाया, जॉब दिलाने पैसे लिए, आरोपी पति-पत्नी पर एफआईआर

रायगढ़, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मंत्रालय में जॉब दिलाने का झांसा देकर करीब 23 लाख की ठगी हुई है। आरोपी ने खुद को कृषि मंत्री रामविचार नेताम का बहनोई बताया था। इसी विश्वास में आकर पीड़ित ने अलग-अलग किश्त में 22 लाख 70 हजार कैश दे दिए थे।

मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। अपॉइंटमेंट लेटर देने बाद जॉइनिंग के लिए, जब ठग ने टालमटोल किया तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस आरोपी पति पत्नी की तलाश कर रही है। दोनों महासमुंद के रहने वाले हैं।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित रामभांठा निवासी समारू राम टंडन (51) है, वह पेशे से ड्राइवरी का काम करता है। वह अप्रैल 2025 में वाहन से रायपुर गया था। जयस्तंभ चौक के पास उसकी मुलाकात महासमुंद जिले के ग्राम भद्रसली निवासी कुमार राम ठाकुर (60) और उसकी पत्नी सोहद्रा बाई ठाकुर (55) से हुई। बातचीत के दौरान कुमार राम ठाकुर ने खुद को मंत्री रामविचार नेताम का बहनोई बताया। मंत्रालय में अच्छी पकड़ होने की बात कही। सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया और अपना मोबाइल नंबर दिया। घर लौटने के बाद समारू ने अपने बेटे डीगेश कुमार का बायोडाटा भेजा।

इसके बाद आरोपी ने नौकरी लगाने के नाम पर 5 लाख रुपए की मांग की। समारू ने अपने परिचित पिंटू लहरे, भतीजा राजेश साहू और उसके दोस्त सुशील चौहान के बेटे लोकनाथ चौहान को इसकी जानकारी दी। सभी ने अपने-अपने बायोडाटा आरोपी को भेजा। कुछ दिन बाद कुमार राम ठाकुर रायगढ़ पहुंचा। समारू ने अपने बेटे की नौकरी के लिए 4 लाख रुपए कैश दिए। बाकी रकम पेटीएम से भेजने की बात कही गई। इसके बाद सभी ने मिलकर 9 लाख 92 हजार 500 रुपए की व्यवस्था की। यह रकम ऑनलाइन माध्यम से आरोपी को भेज दी गई।

1 दिसंबर 2025 को कुमार राम ठाकुर ने सभी को अपने गांव भद्रसली, जिला महासमुंद बुलाया। सभी लोग उसके घर पहुंचे।

भगवान नरसिंह के इस मंदिर में दर्शन के लिए करना पड़ता है सालभर का इंतजार

सिंहाचलम मंदिर भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार को समर्पित एक दिव्य मंदिर है। यहां साल में केवल 24 घंटे के लिए भगवान नरसिंह की मूर्ति से 'चंदन की परत', हटाई जाती है और तभी यह मंदिर दर्शन के लिए खुलता है। चलिए जानते हैं इस मंदिर से जुड़ी कुछ अनोखी बातें, जो आपको हैरान कर सकती हैं।

कहां स्थित है यह दिव्य धाम ?

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में स्थित सिंहाचलम मंदिर आस्था और वास्तुकला का एक अद्भुत संगम है।राह लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर विशाखापट्टनम से लगभग 16 किमी दूर, सिंहाचल पर्वत की चोटी पर स्थित है। इस कारण इस मंदिर को सिंहाचलम मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण स्वयं प्रह्लाद जी ने करवाया था।

इसलिए लगाया जाता है चंदन का लेप

भगवान विष्णु का नरसिंह अवतार वीरता और उग्रता का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, हिरण्यकशिपु का वध करने के बाद नरसिंह भगवान का क्रोध अत्यंत बढ़ गया। सभी देवताओं को उनको शांत कराने की कोशिश निष्फल रही। तब अपने परम भक्त प्रह्लाद की प्रार्थना पर प्रभु शांत हुए और सिंहाचलम पर्वत पर प्रकट हुए। उनके तेज और उग्रता को कम करने के लिए उन्हें चंदन से शीतल रखा जाता है। यही कारण है कि वे वर्षभर चंदन से ढके रहते हैं, ताकि उनका स्वरूप सौम्य बना रहे।

कब खुलता है यह मंदिर

चंदन की मोटी परत से ढके रहने के कारण भगवान नरसिंह की मूर्ति एक शिवलिंग के आकार में दिखाई देती है। केवल अक्षय तृतीया के दिन ही यह चंदन हटाया जाता है, जिसे 'निजरूप दर्शन' या 'चंदनोत्सव' कहा जाता है। भक्त केवल इसी दिन भगवान के असली विग्रह को देख पाते हैं। ऐसे में अक्षय तृतीया के दिन इस मंदिर में भक्तों की भीड़ देखने लायक होती है। वहीं नृसिंह जयंती के मौके पर भी भक्त यहां पहुंचते हैं। साल 2026 में अक्षय तृतीया 19 अप्रैल को मनाई जाएगी, वहीं नरसिंह जयंती का पर्व 30 अप्रैल को मनाया जाएगा।

मंदिर की खासियत

आमतौर पर भगवान नरसिंह के अन्य मंदिरों में उनका उग्र रूप देखने को मिलेगा, लेकिन सिंहाचलम मंदिर में भगवान मां लक्ष्मी के साथ अत्यंत सौम्य और शांत मुद्रा में विराजमान हैं। वहीं अगर मंदिर के वास्तुकला की बात की जाए, तो इस मंदिर में चोल, चालुक्य और कलिंग शैलियों का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है।

जब हम ईश्वर का चिंतन करते हैं, तब हमारे मन में शांति और संतोष का अनुभव होता है

जब हम सुख, सम्मान या बड़े पद की कल्पना करते हैं, तो हमें थोड़ी देर के लिए खुशी मिलती है, लेकिन यह खुशी स्थायी नहीं होती और जल्दी ही खत्म हो जाती है। जब हम ईश्वर के बारे में सोचते हैं, तो हमारे मन में शांति, निश्चिंतता और संतोष का अनुभव होता है। संसार की बातें सोचने से अक्सर डर, चिंता और असंतोष पैदा होता है। इसलिए अगर हम अपनी कल्पना में ईश्वर को स्थान देते हैं, तो हमें भरोसा और निर्भयता मिलती है, जीवन अधिक सुखद बन जाता है।

संत की शिष्यों को सीखः सच्चा प्रेम और सच्ची भक्ति दोनों ही निस्वार्थ होने चाहिए

जहां स्वार्थ आ जाता है, वहां प्रेम की पवित्रता नहीं रहती

एक लोक कथा है। एक संत अपने शिष्यों के साथ गांव-गांव घूमकर लोगों को धर्म-कर्म करने के लिए प्रेरित करते थे। उनका जीवन सरल था और उनका उद्देश्य केवल इतना था कि लोग जीवन में सच्चाई, प्रेम और भक्ति को अपनाएं।

एक दिन संत शिष्यों के साथ एक छोटे से गांव में पहुंचे और वहीं कुछ दिनों के लिए ठहर गए। संत के भक्तों ने उनके लिए एक छोटी-सी कुटिया बना दी, जो संयोग से गांव की एक ग्वालिन के घर के सामने ही थी।

ग्वालिन अपनी ईमानदारी के लिए पूरे गांव में प्रसिद्ध थी। वह हर ग्राहक को दूध और घी पूरी ईमानदारी से तोलकर देती थी। कोई भी ग्राहक उसके व्यवहार से असंतुष्ट नहीं था, लेकिन संत ने एक अजीब बात देखी, जब भी गांव का एक विशेष युवक उसके पास आता, तो वह उसे बिना तोले ही दूध और घी दे देती थी।

संत को यह देखकर आश्चर्य हुआ। उन्होंने सोचा कि जो स्त्री सभी के साथ इतना न्याय करती है, वह इस युवक के साथ ऐसा अलग व्यवहार क्यों कर रही है? उन्होंने गांववालों से इस बारे में पूछा। तब उन्हें पता चला कि ग्वालिन उस युवक से प्रेम करती है। इसी कारण वह उसके साथ किसी प्रकार का हिसाब-किताब नहीं रखती। उसके लिए वह लेन-देन नहीं, बल्कि भावनाओं का संबंध था।

संत ने यह बात अपने शिष्यों को भी बताई और इस घटना से जीवन प्रबंधन का महत्वपूर्ण सूत्र भी समझाया। उन्होंने कहा, "देखो, यह साधारण ग्वालिन अपने प्रेम में कोई हिसाब नहीं रखती। वह नाप-तोल भूल जाती है, क्योंकि उसके लिए प्रेम अधिक महत्वपूर्ण है। उसी तरह हमें भी भगवान से प्रेम करते समय किसी प्रकार का हिसाब-किताब नहीं रखना चाहिए। यदि हम हर भक्ति के बदले कुछ पाने की अपेक्षा करेंगे, तो वह सच्ची भक्ति नहीं होगी।" संत के ये शब्द शिष्यों के मन में गहराई तक उतर गए। उन्हें समझ आ गया कि सच्चा प्रेम और सच्ची भक्ति दोनों ही निस्वार्थ होते हैं। जहां स्वार्थ और अपेक्षा आ जाती है, वहां प्रेम की पवित्रता कम हो जाती है।

प्रसंग की सीख

इस कथा से हमें जीवन को बेहतर ढंग से जीने के कई महत्वपूर्ण सूत्र मिलते हैं। पहला और महत्वपूर्ण सूत्र है- निस्वार्थ भाव। अधिकांश रिश्ते लेन-देन पर आधारित हो गए हैं। हम हर काम के बदले कुछ पाने की उम्मीद रखते हैं, लेकिन सच्चा प्रेम और सच्ची भक्ति दोनों ही बिना शर्त के होते हैं।

दूसरा सूत्र यह है कि अपने रिश्तों में "हिसाब-किताब" कम करें। जब हम हर छोटी-बड़ी बात का हिसाब रखने लगते हैं, तो रिश्तों में दूरी आने लगती है। अगर आपने किसी के लिए कुछ किया है, तो उसे बार-बार याद दिलाने की जरूरत नहीं है। इससे रिश्ते कमजोर होते हैं।

तीसरा महत्वपूर्ण सूत्र है- अपेक्षाओं को सीमित रखना। ज्यादा अपेक्षाएं अक्सर दुख का कारण बनती हैं। यदि हम बिना किसी अपेक्षा के प्रेम करेंगे, तो हमें मानसिक शांति मिलेगी। यह सिद्धांत केवल रिश्तों में ही नहीं, बल्कि कार्यक्षेत्र में भी लागू होता है।

चौथा सूत्र है- भक्ति में सरलता अपनाएं। कई लोग भगवान से प्रार्थना करते समय शर्तें रखते हैं, जैसे "अगर मेरा काम बन गया तो मैं यह करूंगा।" यह दृष्टिकोण भक्ति को एक सौदे में बदल देता है। सच्ची भक्ति वह है, जिसमें केवल श्रद्धा और समर्पण हो।

पांचवां सूत्र है- दान और सेवा में निष्काम भाव। जब भी हम किसी की मदद करें या दान दें, तो उसका प्रचार न करें और न ही बदले में सम्मान की अपेक्षा रखें। इससे हमारे भीतर विनम्रता और संतोष का भाव आता है।

अंत में, जीवन को सरल और संतुलित बनाने के लिए यह समझना जरूरी है कि हर चीज का मूल्य पैसे या लाभ से नहीं आंका जा सकता। कुछ चीजें जैसे प्रेम, विश्वास और भक्ति, चौथाये केवल अनुभव की जाती हैं, मापी नहीं जातीं।

यदि हम इन सूत्रों को अपने जीवन में उतार लें, तो न केवल हमारे रिश्ते मजबूत होंगे, बल्कि हमें आंतरिक शांति और सच्ची खुशी भी प्राप्त होगी।

सुबह उठते ही करें ये उपाय चमकेंगे आपके ग्रह और भाग्य

सुबह का समय आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है. यदि दिन की शुरुआत सही तरीके से की जाए, तो जीवन में सकारात्मक बदलाव संभव है. एक सरल उपाय से आप अपने ग्रहों को मजबूत कर सकते हैं और सुख-शांति पा सकते हैं।

ईश्वर स्मरण से दिन की पवित्र शुरुआत

सुबह उठते ही मनुष्य का मन सबसे अधिक शुद्ध और शांत होता है. ऐसे समय में भगवान का ध्यान करना अत्यंत लाभकारी माना गया है. यह न केवल मानसिक शांति देता है बल्कि पूरे दिन के लिए सकारात्मक ऊर्जा भी प्रदान करता है. जब हम दिन की शुरुआत ईश्वर के स्मरण से करते हैं, तो हमारे भीतर कृतज्ञता और विनम्रता का भाव विकसित होता है. यही भाव जीवन में सुख, शांति और सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है.

तीन शब्दों का अद्भुत प्रभाव

भगवान के ध्यान के बाद यदि आप कुछ विशेष शब्दों का उच्चारण करते हैं, तो इसका गहरा आध्यात्मिक प्रभाव पड़ता है. अपने पिता का नाम चार बार, माता का नाम तीन बार और गुरु का नाम तीन बार लेने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं।

यह केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि ऊर्जा और भावनात्मक जुड़ाव का एक सशक्त माध्यम है. इससे आत्मबल बढ़ता है और जीवन में स्थिरता आती है।

ग्रहों पर सकारात्मक असर

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यह सरल उपाय सूर्य, चंद्र और गुरु ग्रह को मजबूत करने में सहायक होता है।

पिता का संबंध सूर्य से, माता का संबंध चंद्रमा से और गुरु का संबंध बृहस्पति ग्रह से माना जाता है.

जब हम इनका नाम श्रद्धा से लेते हैं, तो इन ग्रहों की कृपा प्राप्त होती है और वे शुभ फल देने लगते हैं. इससे जीवन में सम्मान, मानसिक शांति और ज्ञान की वृद्धि होती है।

फेंगशुई में इस दिशा को माना गया है 'मनी कार्नर'

इसे कहा जाता है 'मनी कॉर्नर'

फेंगशुई में घर के दक्षिण-पूर्व हिस्से को 'मनी कॉर्नर' या 'वेल्थ एरिया' कहा जाता है। फेंगशुई में इस दिशा को धन और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में अगर इस दिशा की ऊर्जा में रुकावट आती है, तो इससे आपको आर्थिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है।

रख सकते हैं ये पौधे

आप घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में जेड प्लांट मनी प्लांट या लकी बैम्बू जैसे पौधे लगा सकते हैं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। बस इस बात का ध्यान रखें कि पौधे हरे-भरे होने चाहिए, क्योंकि इस दिशा में सूखे हुए पौधे रखने से आपको आर्थिक उतार-चढ़ाव का सामना भी करना पड़ सकता है।

आती है सुख-समृद्धि

दक्षिण-पूर्व में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने के लिए आप इस दिशा में एक छोटा वॉटर फाउंटेन लगा सकते हैं। फेंगशुई में पानी को शुद्ध ऊर्जा और धन के प्रवाह के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। ऐसे में इस दिशा में फाउंटेन लगाने से समृद्धि आती है। बस इस बात का ध्यान रखें कि फाउंटेन की धारा घर के अंदर की ओर होनी चाहिए, न कि बाहर की ओर।

रखें इन बातों का ध्यान

इस बात का ध्यान रखें कि घर के 'मनी कॉर्नर' यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में हमेशा पर्याप्त रोशनी होनी चाहिए। ऐसे में आप इस दिशा में एक लैंप भी लगा सकते हैं। वहीं अगर इस कोने में अंधेरा है, तो वह आर्थिक तंगी को न्यौता देता है।

दक्षिण-पूर्व दिशा में आप बैंगनी, गहरा हरा या फिर नीले रंग का उपयोग कर सकते हैं। फेंगशुई में माना गया है कि क्रिस्टल ऊर्जा को संचित करता है। ऐसे में आप इस दिशा में 'सिट्रीन स्टोन' या 'मर्चेंट स्टोन' रख सकते हैं, जिससे आपको व्यापार और नौकरी में भी लाभ देखने को मिलता है।

क्या वाकई घर में गरुड़ पुराण रखना अशुभ है ?

घर में करना चाहिए पाठ या नहीं

कई लोग मानते हैं कि गरुड़ पुराण को घर पर रखने से अनिष्ट हो सकता है। लेकिन शास्त्रों में इस बात का वर्णन किया गया है कि गरुड़ पुराण को घर में रखना और पढ़ना पूरी तरह से सुरक्षित है। यह नकारात्मक्ता को दूर करने का काम करता है, साथ ही ज्ञान को बढ़ाता है। सामान्य दिनों में भी इसका पाठ किया जा सकता है, जो जीवन को सुधरने में मदद करता है। लेकिन इसके पाठ का पूर्ण लाभ आपको तभी मिल सकता है, जब आप इससे जुड़े जरूरी नियमों का भी ध्यान रखें।गरुड़ पुराण घर में रखने के नियमगरुड़ पुराण को हमेशा घर के किसी साफ-सुथरे स्थान पर रखना चाहिए और साफ स्थान पर ही इसका पाठ करना चाहिए।

स्नान के बाद साफ-सुथरे कपड़े पहनने के बाद ही इसका पाठ करना चाहिए।

सुबह या शाम के समय इसका पाठ करना उपयुक्त माना गया है।

इसके पाठ के लिए शुद्धता, ब्रह्मचर्य और एकाग्रता का पालन करना जरूरी है।

गरुड़ पुराण का पाठ करते समय आपके मन में श्रद्धा और विश्वास होना चाहिए।

गरुड़ पुराण को कभी भी गंदे हाथों से छूने की गलती न करें।

रखें इन बातों का ध्यान

गरुड़ पुराण में व्यक्ति के लिए कुछ ऐसे नियम बताए गए हैं, जिनका पालन करने से उसे जीवन में लाभ देखने को मिल सकता है।

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि सफलता प्राप्त का पहला नियम है प्रातःकाल उठना। कौन व्यक्ति अपने दिन के 24 घंटों का सही से उपयोग करता है, उसकी सफलता इसी पर निर्भर करती है।

गरुड़ पुराण में बताया गया है व्यक्ति को कभी भी ऐसे कपड़े नहीं पहनने चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्गंध आए, क्योंकि गंदे कपड़े पहनने वालों को लक्ष्मी जी की कृपा प्राप्त नहीं होती।

गरुड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति को अपने प्रयास हमेशा जारी रखने चाहिए, तभी वह सफलता हासिल कर सकता है।

अहंकार, मनुष्य के पतन का एक महत्वपूर्ण कारण माना जाता है। इसलिए आप इससे जितना दूर रहेंगे, आपके लिए उतना ही बेहतर होगा।

18 अप्रैल को मंगल मीन राशि में होंगे उदय 3 राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए मंगल का उदय होना लाभकारी हो सकता है। जातकों को धन से जुड़ी समस्या से मुक्ति मिलेगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। साथ ही रुका हुआ धन मिलने के योग बन सकते हैं। वहीं, करियर और व्यापार में भी शुभ परिणाम देखने को मिलेंगे। व्यापार में कोई बड़ी डील हो सकती है। निवेश से लाभ मिल सकता है। करियर में कोई बड़ा काम मिल स्कता है।

मिथुन राशि

मंगल उदय का प्रभाव मिथुन राशि के लिए शुभ माना जा रहा है। इस राशि के जातकों को नई जॉब मिल सकती है। साथ ही आपको ऑफिस में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। वहीं, जो लोग कोई कारोबार कर रहे हैं, उनके लिए मंगल उदय लाभकारी साबित हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग बन सकते हैं। करियर में तरक्की हो सकती है।

धनु राशि

मंगल धनु राशि के चतुर्थ भाव में उदय होने जा रहे हैं। इस गोचर से जातकों को पैतृक संपत्ति से भी लाभ देखने को मिल सकता है। घर या नया वाहन खरीदने के योग बन सकते हैं। आपका जॉब में प्रमोशन हो सकता है। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। इसके अलावा घर में सुख-शांति का वास होगा। आपको परिवार के लोगों से मदद मिल सकती है।

वास्तु दोष से होती हैं ये बीमारी

वास्तु शास्त्र के अनुसार वास्तु दोष से कई तरह की बीमारियां हो सकती है, इनका समाधान न किया जाय तो ये गंभीर रूप भी ले लेती हैं और कई बार जानलेवा हो जाती हैं।

पेट संबंधी समस्या : वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का किचन उत्तर पूर्वी दिशा में नहीं होना चाहिए. इसका ध्यान न रखने पर घर में वास्तु दोष पैदा होता है. इस दिशा में खाना बनाने से पैदा हुए वास्तु दोष से व्यक्ति को पेट संबंधित बीमारियां घेर लेती हैं. धीरे-धीरे यह बीमारी बड़ा रूप ले सकती है इसलिए किचन की दिशा सही रखें।

गैस और रक्त संबंधी बीमारी : वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की दीवारों के रंग का भी वास्तु में महत्व होता है. इसलिए घर में पेंट करवाते समय वास्तु के नियमों का पालन करना चाहिए. अच्छे स्वास्थ्य के लिए दीवारों पर दिशा के अनुरूप हल्का और सात्विक रंगों का इस्तेमाल करना चाहिए. वास्तु के हिसाब से घर में नारंगी या पीला रंग ब्लड प्रेशर, काला या गहरा नीला रंग वायु रोग, पेट में गैस, हाथ-पैरों में दर्द, गहरा लाल रंग रक्त संबंधी बीमारी या दुर्घटना का कारण बन सकता है. इसलिए घर का पेंट कराते समय ध्यान दें।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 8 अप्रैल - 2026

जब साल्ट एक है तो जेनेरिक दवा कम असरकारी कैसे ?

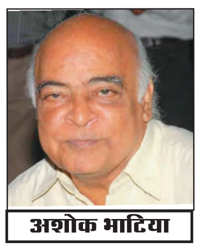

अशोक भाटिया

दवा कंपनियों की अत्यधिक मुनाफाखोरी और भ्रष्ट सरकारी तंत्र (नियामकों/डॉक्टरों) का गठजोड़ भारत में स्वास्थ्य व्यवस्था को खोखला कर रहा है। जेनेरिक दवाओं के बजाय महंगी ब्रांडेड दवाएं लिखना, डॉक्टरों को उपहार/विदेश यात्रा, और भ्रष्टाचार के कारण दवाओं के अनियंत्रित दाम आम जनता पर बोझ डालते हैं, जिससे जीवन रक्षक दवाएं भी अप्राप्य हो जाती हैं। जब डक्टर को कहा जाता है कि हमें जेनेरिक दवा लिख कर दो तो जवाब होता है कि ये कम असर वाली होती है ।

अगर इसी प्रकार यदि बात ज़हरीली दवाओं की की जाये तो हमें यह समझना होगा कि एक सामान्य-सी दिखने वाली दवा कैसे इतनी घातक बन जाती है। दरअसल प्रत्येक दवा दो प्रकार की चीज़ों को मिलाकर बनती है – पहला उसके सक्रिय तत्व, जो बीमारी का उपचार करते हैं, और दूसरे उसके सहायक तत्व, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि दवा शरीर के उचित हिस्से तक पहुँचे। इसलिए किसी भी औषधि को सुरक्षित घोषित करने से पहले उस पर अनेक प्रकार के परीक्षण (clinical trials) किये जाने आवश्यक होते हैं। सिरपों में प्रायः ग्लिसरीन और प्रोपिलीन ग्लाइकोल को सुरक्षित सहायक तत्व के रूप में उपयोग किया जाता है, लेकिन अक्सर पाया गया है कि लागत घटाने के उद्देश्य से कई कम्पनियाँ इनकी जगह सस्ते में उपलब्ध डाइएथिलीन ग्लाइकोल (DEG) का प्रयोग करती हैं जो कि एक विषैला औद्योगिक सॉल्वेंट है। DEG का सम्मिलन दवाओं को घातक बना देता है, क्योंकि यह एक ऐसा पदार्थ है जोकि लिवर, दिमाग़ और दिमाग़ की कोशिकाओं को गम्भीर रूप से नुकसान पहुँचा सकता है और इसलिए अन्त में जान बचाने वाली दवा ही मरीज़ की मृत्यु का कारण बन जाती है।

लेखक का स्वयं का अनुभव है कि डॉक्टर की लिखी दवा पैनम डी अपने पास के मेडिकल स्टोर से खरीदी तो वह छपे भाव में मिली और उसे ही जेनेरिक रूप में ऑन लाइन मंगवाई तो 51 % कम में मिली यानि वह जेनेरिक थी । लेखक एक ही दवा को लेकर अलग – अलग जेनेरिक दवाइयों की दुकान पर लेखक गया। लेखक ने पाया कि एक ही दवा अलग – अलग दुकान पर अलग – अलग नामों से व भावों से बिक रही है। 20 रुपये की दवा की कीमत भी 80 रूपया लिखा होता है। पता करने पर पाया कि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है।

आईएमए के सदस्य और मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर हेमंत जैन के एक लेख के अनुसार ब्रांडेड मेडिसिन पर फार्मासिस्ट को 5 से 20 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है, पर जेनेरिक मेडिसिन की प्रिंट रेट और रीटेलर की खरीद कीमत में 50 गुना से 350 गुना तक का अंतर होता है। 10 पैसे की बी कॉम्प्लेक्स 35 रुपए तक में बिकती है। इसका आम जनता या मरीजों को उतना फायदा नहीं मिलता, जितना मिलना चाहिए। ऐसे में सरकार को जेनेरिक मेडिसिन के प्रिंट रेट पर भी लगाम लगाने की जरूरत है, वरना जनता को कोई फायदा नहीं होने वाला। आम तौर पर सभी दवाएं एक तरह का केमिकल सॉल्ट होती हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे- दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि सर्दी-खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसी रोजमर्रा की तकलीफों के लिए जेनरिक दवा महज 10 पैसे से लेकर डेढ़ रुपए प्रति टैबलेट तक में उपलब्ध है। ब्रांडेड में यही दवा डेढ़ रुपए से लेकर 35 रुपए तक पहुंच जाती है।

गौरतलब है कि देश में जेनरिक दवाओं के इस्तेमाल को लेकर केंद्र सरकार ने डॉक्टरों को सख्त निर्देश जारी किया था । सरकार ने आदेश जारी कर सभी डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं पेशेंट्स के लिए लिखने को कहा था । साथ ही यह चेतावनी भी दी गई थी अगर डॉक्टर जेनरिक दवा नहीं लिखते तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य सेवा के डायरेक्टर जनरल ने आदेश जारी करते हुए इस बात की वार्निंग दी थी। केंद्र सरकार ने सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों के डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं ही लिखने के लिए निर्धारित नियमों का पालन करने की चेतावनी जारी की थी ।पर न जाने क्यों इस आदेश पर अमल नहीं हुआ। लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने और सरकारी नीतियों में बदलाव को लेकर काम कर रहे जन स्वास्थ्य अभियान के डॉ। इंद्रनील मुखोपाध्याय बताते हैं- जेनेरिक दवाओं को लेकर भारत और विदेशों में काफी अंतर है। 2007 के बाद से पेटेंट कानून में कोई प्रभावी संशोधन नहीं हुआ। दूसरी बड़ी बात यह है कि सरकारी अस्पतालों में मिलने वाली दवाओं की कीमतों में भी भारी अंतर होता है। खास तौर पर इनकी प्रिंट रेट और खरीद कीमत में भारी अंतर होता है। ऐसे में सरकार को इन दवाओं की एवरेज प्राइसिंग करनी चाहिए। इससे दवाओं की कीमतों में बड़ा फर्क आ जाएगा। अभी किसी भी मरीज का दवाओं पर औसत खर्च 180% ज्यादा है। दवा कीमतों पर नियंत्रण के बाद इसमें भारी कमी आ जाएगी। डॉ। मुखोपाध्याय बताते हैं कि जेनेरिक दवा ब्रांडेड भी होती है। एक ही कंपनी जेनेरिक और ब्रांडेड, दोनों दवाएं बनाती है, लेकिन उनकी कीमतों में काफी अंतर होता है। ऐसे में अगर सरकार लोगों को या मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाना चाहती है तो उनकी कीमतों पर नियंत्रण जरूरी है। जेनेरिक दवाओं के मामले में भी बड़ा खेल होता है, खासतौर पर सरकारी खरीद या अस्पतालों में खरीदी जाने वाली दवाओं के मामलों में। ऐसे में इनकी कीमतों पर नियंत्रण ही मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने का रास्ता खोल सकता है।

कई जानलेवा बीमारियों जैसे एचआईवी, लंग कैंसर, लीवर कैंसर जैसी बीमारियों में काम आने वाली दवाओं के ज्यादातर पेटेंट बड़ी-बड़ी कंपनियों के पास हैं। वे इन्हें अलग-अलग ब्रांड से बेचती हैं। अगर यही दवा जेनेरिक में उपलब्ध हो तो इलाज पर खर्च 200 गुना तक घट सकता है। जैसे- एचआईवी की दवा टेनोफिविर या एफाविरेज़ की ब्रांडेड दवा का खर्च करीब 1 लाख 75 हजार रुपए है, जबकि जेनरिक दवा में यही महज 840 रुपए महीने तक हो सकता है। इन बीमारियों का इलाज ज्यादातर सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में होता है। ऐसे में ये दवाएं इन अस्पतालों में या वहां के केमिस्ट के पास ही मिल पाती हैं।

नोवार्टिस की कैंसर की दवा ग्लीवियो- इमेटिनिब मिसाइलेट का एक महीने का खर्च करीब 1.51 लाख रुपए पड़ता है, जबकि जेनरिक रूप में इसी दवा का खर्च प्रति माह 12,180 रुपए है। यानी 92% से भी कम। ऐसे ही बेयर की कैंसर ड्रग सोराफेनिब टोसाइलेट, जिसे वह नेक्सावर के नाम से बेचती है, उसका एक महीने का खर्च करीब 4,17,490 रुपया है, जबकि जेनरिक दवा लेने पर यही खर्च महज 12,126 रूपये प्रति माह हो जाता है।

जर्नल ऑफ हेल्थ इकोनॉमिक्स के मुताबिक, एक पेटेंट इनोवेटर को उस उत्पाद पर रिसर्च के दौरान किए गए खर्च या लागत को वसूलने और उससे लाभ हासिल करने की अनुमति देता है।

ट्रंप के शब्दों से वैश्विक तनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे वैश्विक नेता जब सार्वजनिक मंच से बयान देते हैं, तो वह केवल शब्द नहीं होते बल्कि संकेत होते हैं, संदेश होते हैं और कभी-कभी युद्ध और शांति के बीच की दूरी भी तय करते हैं। ईरान को लेकर ट्रंप की हालिया भाषा ने यही चिंता फिर से जगा दी है कि क्या महाशक्तियों के नेता अब कूटनीति की मर्यादा भूलते जा रहे हैं? दुनिया के बड़े नेता निजी तौर पर तीखी भाषा बोल सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक बयान हमेशा सोच-समझकर दिए जाते हैं। इसलिए जब अमेरिका जैसा शक्तिशाली देश का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति किसी अन्य देश के सर्वोच्च नेता के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करता है, तो इसका असर केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहता। यह वैश्विक कूटनीतिक माहौल पर भी असर डालता है। ऐसी भाषा से न केवल सम्मान घटता है, बल्कि तनाव भी बढ़ता है। ट्रंप का बयान उस समय आया है जब पहले से ही यूएस और ईरान के बीच रिश्ते बेहद संवेदनशील चल रहे हैं। पिछले वर्षों में इजराइल और ईरान के बीच टकराव की घटनाओं ने पश्चिम एशिया को अस्थिर बना दिया है। ऐसे समय में यदि अमेरिका का नेतृत्व संयम की जगह उकसावे वाली भाषा अपनाता है, तो यह आग में घी डालने जैसा है। देखा जाए तो अमेरिका की पहचान केवल उसकी सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि उसकी लोकतांत्रिक परंपरा और कूटनीतिक संतुलन से है। ट्रंप के बयान इस स्थापित छवि के विपरीत हैं। दुनिया अमेरिका से नेतृत्व की उम्मीद करती है, उकसावे की नहीं। एक जिम्मेदार राष्ट्राध्यक्ष से अपेक्षा होती है कि वह तनाव कम करने की दिशा में पहल करे, न कि उसे और बढ़ाए। ट्रंप के शब्दों का असर केवल ईरान तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव अमेरिका के सहयोगी देशों और वहां रहने वाले लाखों ईरानी मूल के लोगों पर भी पड़ता है। इससे सामाजिक दूरी और राजनीतिक अविश्वास बढ़ता है। कूटनीति में भाषा का महत्व इसलिए भी ज्यादा होता है क्योंकि शब्द ही भविष्य की नीति का संकेत देते हैं। इतिहास गवाह है कि जब-जब वैश्विक नेताओं ने संयम खोया है, तब-तब दुनिया ने उसकी कीमत चुकाई है। शीत युद्ध के दौर से लेकर आज तक अनेक उदाहरण हैं कि बयानबाजी कभी-कभी वास्तविक संघर्ष का रास्ता तैयार कर देती है। ऐसे में यह आवश्यक है कि महाशक्तियों के नेता अपने शब्दों की जिम्मेदारी समझें। आज दुनिया को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो संघर्ष को कम करे, संवाद को बढ़ाए और विश्वास का वातावरण बनाए। वैश्विक राजनीति में ताकत का प्रदर्शन आसान है, लेकिन संयम दिखाना ही असली नेतृत्व की पहचान होती है। ट्रंप के हालिया बयान इस कसौटी पर कमजोर साबित होते हैं। आज विश्व नेतृत्व को यह समझना होगा कि आधुनिक दौर में युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि शब्दों से भी शुरू होते हैं। इसलिए जिम्मेदार नेताओं को अपनी भाषा में मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। अगर सत्ता के शिखर पर बैठे लोग ही संयम खो देंगे, तो वैश्विक शांति की उम्मीद किससे की जाएगी। .सत्ता की असली ताकत हथियारों में नहीं, बल्कि संतुलित शब्दों में होती है। यदि सत्ता में मर्यादा बनी रहेगी, तभी दुनिया में अमन-चैन का माहौल कायम रह सकता है।

पठन के साथ चिंतन भी आवश्यक

संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अतः मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार,संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो। उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्जवल करती हैं। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। 'पंचतंत्र'तथा 'हितोपदेश' इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है।

विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है।

अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

युद्ध की आग में तपती भारतीय अर्थव्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

- योगेश कुमार गोयल

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया है। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे?

विकल्प नहीं, अनिवार्यता है वैकल्पिक ऊर्जा

वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निर्भरता के इस दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री की मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत पहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसोई को इंडक्शन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा। लगभग 8 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली पर खाना बनाना एलपीजी की तुलना में किफायती है, वहीं कृषि अवशेषों से बनने वाला एथनॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे 'अन्नदाता' ही 'ऊर्जादाता' बन सकता है।

पश्चिम बंगाल की नई वोटर लिस्ट से 91 लाख बाहर

अजय कुमार

सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश के बाद चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी है। छह अप्रैल को शीर्ष अदालत ने 24 घंटे में आयोग को फाइनल वोटर लिस्ट जारी करने का आदेश दिया था। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन संक्षिप्त पुनरीक्षण के बाद अब यह बड़ा कदम उठा। 91 लाख वोटर्स के नाम हटा दिए गए। यह संख्या किसी भूकंप से कम नहीं। हर जिले की अलग सूची जारी की गई ताकि पारदर्शिता बनी रहे। आयोग ने स्पष्ट किया कि 60 लाख से अधिक मतदाता जांच के दायरे में थे। इनमें से 27 लाख से ज्यादा के नाम कट गए। ये पहले से संदिग्ध सूची में थे। मृतकों के नाम भी बड़ी संख्या में शामिल हैं। यह कदम लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने वाला है या राजनीतिक खेल का हिस्सा? गौरतलब हो, पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट लंबे समय से विवादों में थी। विधानसभा चुनावों के दौरान अवैध घुसपैठ के आरोप लगे। बांग्लादेश से आए कथित घुसपैठियों के नामों का मुद्दा गरमाता रहा। भाजपा ने बार-बार चेतावनी दी कि वोटर लिस्ट में फर्जी नाम भरे पड़े हैं। तृणमूल कांग्रेस ने इसे साजिश बताया। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई की। अदालत ने कहा कि स्वच्छ वोटर लिस्ट बिना लोकतंत्र अधूरा है। आयोग को निर्देश दिया कि तत्काल कार्रवाई हो। 24 घंटे में लिस्ट जारी करो, वरना अवमानना का सामना करो। यह आदेश आयोग के लिए चुनौती था। पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्य में लाखों नामों की जांच करना आसान नहीं। फिर भी आयोग ने कमर कस ली। विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया। क्षेत्रीय अधिकारियों को सक्रिय किया। परिणाम सामने आया 91 लाख नाम कट गए।

आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर साफ होती है। 60 लाख संदिग्ध मतदाता थे। जांच में 27 लाख कटे। बाकी 91 लाख में मृतक नाम प्रमुख हैं। आयोग ने कहा कि कई नाम ऐसे थे जो दशकों पुराने हैं। मालिक मर चुके, फिर भी लिस्ट में दर्ज। कुछ नाम डुप्लिकेट थे। एक ही व्यक्ति का कई जगह नाम। कुछ अवैध प्रवासियों के। जिले दर जिले सूची जारी हुई। कोलकाता में सबसे ज्यादा कटौती। उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जैसे सीमावर्ती जिलों में संख्या डरावनी। वहां घुसपैठ का खतरा हमेशा रहता है। आयोग ने दावा किया कि यह प्रक्रिया निष्पक्ष रही, राजनीतिक दबाव से मुक्त। हर नाम हटाने से पहले सत्यापन हुआ। जनप्रतिनिधियों को सूचना दी गई। फिर भी विपक्ष चिल्ला रहा है। तृणमूल का कहना है कि यह भाजपा की साजिश है। वोट बैंक कम करने का प्रयास। लेकिन आयोग के पास प्रमाण हैं। मृत्यु प्रमाण पत्र आधारित हटाए गए नाम। आधार कार्ड से जुटाई गई जानकारी। यह सफाई लोकतंत्र के लिए जरूरी थी। इस कदम के राजनीतिक निहितार्थ गहरे हैं। पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिये मतदान होना है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल का वर्चस्व है। ममता बनर्जी की सरकार पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप। भाजपा इसे बड़ा मुद्दा बनाएगी। 91 लाख नाम कटने से तृणमूल का वोट बैंक प्रभावित होगा, खासकर मुस्लिम बहुल इलाकों में। आयोग का यह फैसला भाजपा के पक्ष में जाता दिखता है।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप स्वागतयोग्य है। लेकिन सवाल उठता है कि इतना बड़ा सफाया पहले क्यों नहीं हुआ। चुनाव आयोग पर पहले आलोचना हुई कि वह निष्क्रिय है। अब सक्रियता की तारीफ हो रही। फिर भी चुनौतियां बाकी हैं। हटाए गए नामों वाले लोग क्या करेंगे। अपील का रास्ता खुला है। आयोग ने कहा कि वैध साबित करने पर नाम वापस आ सकते हैं। लेकिन समय कम है। चुनावी माहौल में यह विवाद और भड़केगा। राजनीतिक दल सड़कों पर उतरेंगे। शांति भंग होने का खतरा। सामाजिक प्रभाव भी कम नहीं। पश्चिम बंगाल में गरीबी और बेरोजगारी ज्यादा। कई परिवार वोटर कार्ड पर निर्भर। नाम कटने से राशन कार्ड प्रभावित हो सकता। सरकारी योजनाओं का लाभ रुक सकता। मृतकों के नाम हटना तो सही, लेकिन जीवितों का क्या। कुछ निर्दोष कट सकते हैं। जांच में चूक हो सकती। ग्रामीण इलाकों में जागरूकता कम। लोग नाम कटने की सूचना भी न पाएं। आयोग को अब प्रचार अभियान चलाना चाहिए। हर गली मोहल्ले में सूचना पहुंचानी चाहिए। डिजिटल माध्यमों का सहारा लें। वोटर हेल्पलाइन सक्रिय रखें।

यह प्रक्रिया पूरे देश के लिए मिसाल बने। अन्य राज्यों में भी ऐसा हो। उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में फर्जी वोटरों की भरमार है। वहां भी सफाई जरूरी। सुप्रीम कोर्ट का निर्देश राष्ट्रीय स्तर पर लागू हो। बहरहाल, चुनाव आयोग की यह कार्रवाई सराहनीय है। 91 लाख नाम हटाकर उसने विश्वास जीता। लेकिन पारदर्शिता बनाए रखनी होगी। हर कटे नाम का कारण सार्वजनिक करें। राजनीतिकरण न होने दें। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में आगे बढ़ें। पश्चिम बंगाल की जनता को लाभ मिलेगा। स्वच्छ वोटर लिस्ट से सच्चा जनादेश आएगा। लोकतंत्र मजबूत होगा।

अपनी अलग भगवद्गीता

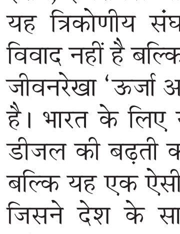

डॉ टी महादेव राव

चुनावी मैदान में खड़े होने के लिए सारे नेता लड़ रहे हैं। राजनीति में इसीलिए तो आते हैं। एक चुनाव क्षेत्र के लिए बहुत सारे लोग आवेदन कर रहे हैं। अब आप बताओ एक पदक के लिए बहुत सारे लोग दौड़ते हैं कि नहीं? इसी तरह यह भी है। अपनी किस्मत आजमाने का सभी को हक है न?

जनता की सेवा के लिए किस्मत के इम्तिहान? यह कोई लॉटरी तो नहीं है? राजनीति, चुनाव, परिणाम, पद सभी लॉटरी जैसे ही हैं। भाग्य की लक्ष्मी की मेहरबानी के लिए कोई भी दंगल में खड़ा हो सकता है। यह सब इस बात का सबूत है कि हमारा लोकतंत्र पूर्णतया विकसित होकर फूल बनकर अपनी सुगंध चारों तरफ फैला रहा है। लोकतंत्र का उत्सव मनाने जैसा क्या बचा हुआ है?

लोकतंत्र का मतलब ही स्वतंत्रता की पराकाष्ठा है। एक टिकट के लिए एक ही पार्टी से कई लोगों की कोशिश और अपने पार्टी के नेताओं को ही टिकट न देने और उन्हें पद बिल्कुल न देने जैसी राजनीतिक रक्त संबंध को बांटने वाले अनुयाई, स्वयं के कार्यकर्ता ही प्रत्यक्ष रूप से आवाज उठाने की जो चेष्टा कर रहे हैं, वह राजनीति में ही दिखाई देने वाला विचित्र विन्यास है। लोकतंत्र की परिणति शायद यही है। प्रजातंत्र बढ़कर नासूर बन विकसित होने पर ही इस तरह के स्वच्छ, स्वस्थ प्रगति के लक्षण बाहर आते हैं।

अपने स्वयं के नेताओं का विरोध करना पीठ में छुरा घोंपने जैसा नहीं है? वह सब अवसरों को हथियाना की आतुरता है। राजनीति में अवसर बहुत कम आते हैं। बहुत कम दरवाजा खटखटाते हैं। हमको ही चाहिए हम दरवाजा खोलकर ढूंढते जाएं। ऐसे सत्य को सारे नेताओं ने जान लिया है, जिस वजह से इस तरह की बातें हर दिन जहां कहीं आपको दिखाई पड़ती है।

लेकिन टिकट न मिलने पर राम लक्ष्मण जैसे भाई भी वाली और सुग्रीव या रावण और विभीषण जैसी शत्रुता निभाते हैं।ऐसे में मानवीय रक्त संबंधों में मधुरता का क्या होगा?

₹राजनीति में पद, पैसा और संपत्ति ही सबसे अधिक मायने रखती हैं। बाकी सारी तो बस मोह माया है। अकेले आए थे अकेले जाएंगे। ये बंधन तो मुट्ठी बांध के आने और हाथ पसार कर जाने के बीच बने रिश्ते हैं। सारी मोह माया हमारी अपनी बनाई हुई है। लेकिन पैसा,पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति भी तो बीच में ही आई हैं न तो क्या किसी भी चीज से मोह न रखें? नागा बाबा बनके घूमे? दर दर भटकें? थोड़ी बहुत संपत्ति बना लिए तो कौन सा पहाड़ टूट पड़ा?

लेकिन जिस गीता का ज्ञान आप बता रहे हो उसमें तो साफ लिखा है की सच बोलना चाहिए, झूठ बिल्कुल नहीं होना चाहिए। लगाव नहीं बिलगांव या अलगाव अपनाए संबंधों, धन, जायदाद या कामनाओं से। लेकिन ....? लेकिन गीता की तरह न होकर राजनीति ग्रंथ, जो भगवद्गीता के विपरीत सिद्धान्त अपनाता है, का पहला अध्याय है झूठ,असत्य और कुत्सितता, जिसकी बुनियाद पर आज सारी राजनीति का महल बना है। यही मोह माया है जो राजनीति के पृथ्वी को थामा हुआ शेषनाग है।

एसी या कूलर, क्या है गर्मियों के लिए ज्यादा बेहतर विकल्प

गर्मियों के मौसम में घर और ऑफिस में ठंडक बनाए रखना हर किसी की जरूरत बन जाती है। ऐसे में लोग अक्सर कूलर और एसी के बीच कन्फ्यूज हो जाते हैं। दोनों ही उपकरण गर्मी से राहत देने में मदद करते हैं, लेकिन उनके कार्य, फायदे और खर्च में बड़ा अंतर होता है।

एयर कूलर, पानी की सहायता से कमरे का तापमान कम करता है और हवा को ठंडा करता है। यह छोटे और मध्यम कमरे के लिए उपयुक्त होता है और बिजली की खपत कम करता है। वहीं, एसी पूरी तरह से कमरे का तापमान नियंत्रित करता है, नमी कम करता है और ज्यादा बड़ा क्षेत्र ठंडा कर सकता है, लेकिन इसकी लागत और बिजली खर्च ज्यादा होता है। इस लेख में हम कूलर और एसी के बीच अंतर, उपयोग के फायदे और नुकसान के बारे में विस्तार से बताएंगे। इससे आप अपनी जरूरत, बजट और कमरे के हिसाब से सही विकल्प चुन पाएंगे।

कूलर का कार्य और फायदे

कूलर पानी और हवा की मदद से ठंडी हवा फैलाता है।

यह सस्ता, हल्का और आसानी से पोर्टेबल होता है।

इसके उपयोग से कम बिजली खपत होती है।

मेनटेनेंस आसान होने के कारण छोटे कमरे या खुले स्थान के लिए उपयुक्त है।

कूलर के नुकसान

कूलर कमरे की नमी बढ़ा सकता है, इसलिए ज्यादा गर्म और नम वातावरण में इसकी क्षमता सीमित हो जाती है।

बड़े या पूरी तरह बंद कमरे को कूलर पूरी तरह ठंडा नहीं कर पाता।

AC का कार्य और फायदे

एसी कमरे के तापमान को पूरी तरह नियंत्रित करता है।

एसी कमरे में नमी कम करता है।

लंबे समय तक स्थिर ठंडक बनाए रखता है।

यह बड़े कमरे और ऑफिस के लिए आदर्श है।

AC के नुकसान

AC महंगा होता है।

एसी बिजली का अधिक उपयोग करता है।

इसकी इंस्टॉलेशन और मेनटेनेंस भी कूलर के मुकाबले जटिल होती है।

उपयोग और सही विकल्प

छोटे कमरे और कम बजट के लिए कूलर बेहतर है।

बड़े कमरे, अधिक गर्मी और स्थिर ठंडक के लिए AC उचित है।

उपयोग के हिसाब से दोनों का चयन करें और बिजली और पानी की बचत का ध्यान रखें।

घर में 2 से 12 साल की बेटी है तो ये बातें हर माता-पिता को जरूर जाननी चाहिए

बेटियां घर की खुशियों का सबसे खूबसूरत हिस्सा होती हैं। उनसे घर में रौनक होती है। एक बेटी पिता का नाज, मां की सहेली और भाई की हमराज होती है। लेकिन बेटी की परवरिश में सिर्फ प्यार नहीं, फिक्र भी होती है। खासकर जब बेटियां बड़ी होने लगती हैं।

2 से 12 साल की उम्र बच्चों के विकास का सबसे अहम समय होता है। इस दौरान सही परवरिश, सुरक्षा और भावनात्मक सपोर्ट देना बेहद जरूरी होता है, खासकर बेटियों को। अगर आपके घर में भी छोटी बेटी है, तो 5 बातें आपको जरूर ध्यान में रखनी चाहिए। अगर आप इन 5 बातों का ध्यान रखते हैं, तो आपकी बेटी न सिर्फ सुरक्षित रहेगी बल्कि आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भी बनेगी।

सही और गलत का फर्क सिखाएं

बचपन से ही बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में समझाना बहुत जरूरी है। वैसे तो ये लड़कों को भी पता होना चाहिए लेकिन बेटियों को इन चीजों के बारे में कम उम्र से ही सिखाना शुरू कर दें। उन्हें यह सिखाएं कि कोई भी असहज स्थिति हो तो तुरंत माता-पिता को बताएं।

सुरक्षा को प्राथमिकता दें

अपनी बेटी को को अजनबियों से दूरी बनाना सिखाएं। स्कूल और बाहर जाने पर सतर्क रहने की आदत डालें। जरूरी फोन नंबर याद करवाएं। सुरक्षा जागरूकता बच्चों के आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है।

खुलकर बात करने का माहौल बनाएं

बेटी को यह महसूस कराएं कि वह आपसे हर बात शेयर कर सकती है। डर या डांट की वजह से बच्चे अक्सर बातें छुपाने लगते हैं। उन्हें लोक लाज का भय नहीं, अपनत्व की भावना सिखाएं, ताकि खुलकर बेटी अपने दिल की बात आपसे कर सकें।

शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर ध्यान दें

बेटियों को उनकी रूचि के अनुरूप उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करें। हालांकि पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें लाइफ स्किल्स भी सिखाएं। उन्हें अपने फैसले लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

आत्मविश्वास बढ़ाएं

बेटी की छोटी-छोटी उपलब्धियों की तारीफ करें। उन्हें अपने विचार रखने का मौका दें। तुलना करने से बचें। आत्मविश्वासी बच्ची भविष्य में मजबूत इंसान बनती है।

किन बातों का रखें खास ध्यान?

ध्यान रखें कि बच्चे की परवरिश में डराना नहीं, समझाने की कला होनी चाहिए। उनका सोशल मीडिया और स्क्रीन टाइम सीमित करें। साथ ही बेटी के दोस्तों और माहौल पर नजर रखें।

सिर्फ जेंटल पेरेंटिंग ही काफी नहीं, परवरिश में समय-समय पर सख्ती भी है बेहद जरूरी

मैंने कई ऐसे मामले देखे हैं, जहां बच्चे गलत व्यवहार करते हैं और माता-पिता उन्हें टोकने से कतराते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसा करने से बच्चे पर कहीं बुरा असर न पड़ जाए। लेकिन एक डॉक्टर के रूप में मेरा मानना है कि बच्चों के बेहतर विकास के लिए सिर्फ स्नेह ही नहीं, बल्कि सही समय पर स्पष्ट सीमाएं तय करना और अनुशासन सिखाना भी उतना ही जरूरी है। यही संतुलन बच्चों में अच्छे व्यवहार और मजबूत व्यक्तित्व की नींव रखता है। आइए, इस विषय को और विस्तार से समझते हैं।

पॉजिटिव बॉन्ड बनाने में मिलती है मदद

आजकल कई माता-पिता बच्चों की परवरिश में जेंटल पेरेंटिंग अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस तरीके में बच्चों से प्यार और सम्मान के साथ बात करना, उनकी फीलिंग्स को समझना और अनावश्यक डांट-फटकार या कठोरता से बचना शामिल होता है। यह तरीका बच्चों के साथ एक सकारात्मक, सुरक्षित और भरोसेमंद रिश्ता बनाने में मदद करता है।

मगर नयिम स्पष्ट करना है जरूरी

माता-पिता को यह समझना जरूरी है कि जेंटल पेरेंटिंग का मतलब बच्चों को पूरी तरह छूट देना नहीं होता। बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए प्यार, समझ और संवाद जितने महत्वपूर्ण हैं, उतने ही जरूरी स्पष्ट नियम और सीमाएं भी हैं। जब पेरेंटिंग में प्यार, सम्मान और अनुशासन का संतुलन होता है, तभी बच्चा सही दिशा में सीख पाता है। इसलिए केवल नरमी ही नहीं, बल्कि समय-समय पर संतुलित दृढ़ता अपनाना भी जरूरी है।

वरना मनमानी कर सकता है बच्चा

अगर माता-पिता हर बार बच्चे की जिद मान लेते हैं या उसके गलत व्यवहार को नजरअंदाज कर देते हैं, तो बच्चा यह मानने लगता है कि उसका हर व्यवहार स्वीकार कर लयिा जाएगा। ऐसे में वह नियमों को गंभीरता से नहीं लेता, जिद्दी हो सकता है और जिम्मेदारियों से बचने की आदत भी विकसित कर सकता है। इसलिए बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि कुछ नियम परिवार और समाज में सभी के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण होते हैं। तभी वे सही-गलत का फर्क समझ पाते हैं और उनके व्यवहार में अनुशासन बना रहता है।

सख्ती का मतलब डांटना-मारना नहीं है

पेरेंट्स यह बात न भूलें कि सख्ती का मतलब गुस्से में बार-बार डांटना या मारना बिल्कुल भी नहीं होता। ऐसा करने से बच्चे का आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, और वह डर या असुरक्षित महसूस कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि सख्ती हमेशा सम्मानजनक और संतुलित हो, न कि कठोर या अपमानजनक।

शांत से समझाएं नयिम

सख्ती का सही है अर्थ है क बिच्चों को शांत और स्पष्ट तरीके से नियम समझाना और उनका पालन करवाना। उदाहरण के तौर पर, अगर बच्चा बार-बार खतरनाक चीजों से खेलता है, किसी को मारता है या लगातार नियम तोड़ता है, तो माता-पिता को उसे शांत लेकिन दृढ़ तरीके से रोकना चाहिए। इससे बच्चे को यह समझ आता है कि कुछ व्यवहार कसिी भी परस्थितिि में स्वीकार नहीं हैं।

पेरेंट्स ऐसे समझें कब सख्ती है जरूरी

पेरेंट्स को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हर स्थिति अलग होती है। अगर बच्चा केवल जिज्ञासा के कारण कुछ कर रहा है या उसे नियम ठीक से समझ में नहीं आया है, तो ऐसे में उसे शांत होकर समझाना बेहतर तरीका है। लेकिन अगर बच्चा जानबूझकर बार-बार नियम तोड़ रहा है या मामला किसी की सुरक्षा से जुड़ा है, तो माता-पिता को उसे दृढ़ और स्पष्ट तरीके से रोकना चाहिए।

जेंटल पेरेंटिंग के साथ ऐसे सखिाएं सही-गलत

माता-पिता जेंटल पेरेंटिंग अपनाते हुए बच्चों को सही-गलत का फर्क समझाने के लिए नीचे दिए गए कुछ उदाहरणों की मदद ले सकते हैं:

अगर बच्चा किसी को धक्का देता है, तो उसे शांत तरीके से समझाएं कि इससे दूसरे को चोट लग सकती है।

अच्छे व्यवहार पर उसकी तारीफ करें ताकि वह सकारात्मक व्यवहार दोहराए।

प्यार, संवाद और अनुशासन के बीच बैलेंस जरूरी

अंत में पेरेंट्स इस बात का ध्यान रखें क िबच्चों की परवरिश में केवल नरमी या केवल सख्ती दोनों ही अपने-आप में पर्याप्त नहीं होते। सबसे प्रभावी तरीका है प्यार, संवाद और अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखना। जब बच्चे यह महसूस करते हैं कि उनके माता-पिता उन्हें समझते भी हैं और सही दिशा भी देते हैं, तब वे धीरे-धीरे एक जिम्मेदार, आत्मविश्वासी और अनुशासित व्यक्ति के रूप में विकसित होते हैं।

किस उम्र के बच्चों को बताएं गुड टच और बैड टच, इन तरीकों से सिखाएं

बच्चों की सुरक्षा हर माता-पिता की पहली प्राथमिकता होती है। ऐसे में गुड टच और बैड टच के बारे में बच्चों को समय पर जानकारी देना उन्हें सुरक्षित रहने के लिए सशक्त बनाता है। कई माता-पिता सोचते हैं कि कब और कैसे इस विषय को बच्चों के लिए सहज और समझने योग्य तरीके से पेश किया जाए।

पर, अगर सही समय पर और सही भाषा में समझाया जाए, तो बच्चे किसी भी असुरक्षित स्थिति को पहचान सकते हैं और अपनी सुरक्षा खुद सुनिश्चित कर सकते हैं। ये जानकारी बच्चों को आत्मविश्वासी बनाती है और उन्हें अनजाने खतरे से बचाती है।

किस उम्र के बच्चों को गुड टच और बैड टच समझाना चाहिए और किन तरीकों से इसे सरल और असरदार बनाया जा सकता है।

2 से 4 साल के बच्चे को ये सिखाएं

दो से चार साल के बच्चों को सबसे पहले अपने शरीर के निजी हिस्सों का नाम सिखाना चाहिए। उन्हें यह समझाना जरूरी है कि कोई भी व्यक्ति उन्हें बिना उनकी अनुमति के छू नहीं सकता। यह उम्र बच्चों के लिए सबसे प्रारंभिक सुरक्षा शिक्षा का समय होती है।

5 से 7 साल के बच्चों को ये सिखाएं

पांच से सात साल के बच्चों को गुड टच और बैड टच का सरल उदाहरण देकर समझाया जा सकता है। उन्हें यह बताया जाए कि कौन सा टच सुरक्षित है और कौन सा असुरक्षित।

8 से 10 साल के बच्चे को ये सिखाएं

आठ से दस साल के बच्चों को सिखाएं कि कोई भी व्यक्ति डराने, धमकाने या चोट पहुंचाने के लिए टच कर सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे को तुरंत अपने माता-पिता या भरोसेमंद वयस्क को बताना चाहिए।

10 साल के ऊपर के बच्चों को ये सिखाएं

दस साल से ऊपर के बच्चों को डिजिटल और सोशल मीडिया पर सुरक्षित रहने के तरीकों की जानकारी देना भी जरूरी है। उन्हें ऑनलाइन खतरों और निजी जानकारी साझा न करने की आदत डालें।

ऐसे सिखाएं ये बातें

सिखाने के तरीकों में चित्र और कहानी के माध्यम से शिक्षा देना, खेल और रोल-प्ले के जरिए अभ्यास कराना और हमेशा सकारात्मक व भरोसेमंद माहौल बनाए रखना शामिल है। इसके अलावा यह आवश्यक है कि बच्चों को यह अहसास हो कि अपनी सुरक्षा के लिए "ना" कहना और मदद मांगना पूरी तरह ठीक है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे किसी भी असुरक्षित स्थिति का सामना कर सकते हैं।

नमक ही नहीं चीनी भी है आपके दिल की दुश्मन

हृदय रोग मौजूदा समय में सबसे तेजी से बढ़ती बीमारियों में से एक हैं। ये दुनियाभर में होने वाली मौतों का भी एक बड़ा कारण है। बच्चे, युवा, बुजर्ग सभी को इसका शिकार पाया जा रहा है। डॉक्टर जीवनशैली की दिक्कतों, गलत खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी को इसके लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार मानते हैं। भारतीय आबादी में भी ये बीमारी तेजी से बढ़ती जा रही है। भारत में भी हर साल लाखों लोग दिल की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं और बड़ी संख्या में इससे लोगों की मौत भी हो रही है।

हेल्थ एंड फिटनेस

विशेषज्ञों का कहना है कि हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा और तनाव जैसी स्थितियां दिल की सेहत पर सीधा असर डालती हैं। इसके अलावा जो लोग नमक का सेवन ज्यादा करते हैं उनमें दिल की बीमारियों का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। जरूरत से ज्यादा नमक दिल की धमनियों को नुकसान पहुंचता है और ब्लड प्रेशर बढ़ाकर हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ा देता है।

ज्यादा चीनी खाते हैं तो हो जाइए सावधान

डॉक्टर कहते हैं, दिल की सेहत को ठीक रखने के लिए संतुलित आहार बेहद जरूरी है। इसमें नमक की मात्रा सीमित रखें, ताजे फल-सब्जियों का सेवन अधिक करें। इसके साथ चीनी वाली चीजें भी खाना कम कर दें। ज्यादा चीनी खाने को आमतौर पर डायबिटीज का खतरा बढ़ाने वाला माना जाता रहा है, पर ये आदत आपके हार्ट के लिए भी मुश्किलें बढ़ाने वाली हो सकती है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि पैकेज्ड फूड, सॉफ्ट ड्रिंक और मिठाइयों में छिपी चीनी सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है।

ज्यादा चीनी खाने से शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जमा होती है, जिससे मोटापा बढ़ता है।

कई अध्ययनों में ये साफ होता है कि मोटापा डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों का बड़ा कारण है।

ज्यादा चीनी खाने से हृदय रोगों का भी खतरा

अध्ययनों के अनुसार, ज्यादा चीनी खाने से दिल की सेहत पर भी गंभीर असर पड़ता है। जब शरीर में अतिरिक्त चीनी जाती है, तो वह ट्राइग्लिसराइड्स के रूप में जमा होने लगती है, जिससे बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और गुड कोलेस्ट्रॉल कम होता है। यह स्थिति दिल की धमनियों में फैट जमा करने लगती है जिससे दिल तक खून का संचार ठीक तरीके से नहीं हो पाता है।

क्या है डॉक्टर की सलाह?

अमर उजाला से एक बातचीत में वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ अमित सचान बताते हैं कि दिल को सेहतमंद रखना है तो सिर्फ नमक कम करने से काम नहीं चलेगा, आहार से चीनी वाली चीजों की मात्रा भी कम कर दीजिए। लंबे समय तक अधिक चीनी का सेवन करने से कोरोनरी आर्टरी डिजीज और हार्ट फेलियर तक का खतरा बढ़ सकता है।

दिल के अलावा लिवर को भी खतरा

मीठे पेय पदार्थ कई तरह से हमारी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। अमर उजाला में प्रकाशित रिपोर्ट में हमने बताया था कि ये ड्रिंक्स लंबे समय में शरीर के अंदर खोखला बना सकते हैं।

नवजात शिशु की ये 6 आदतें डराती हैं नए माता-पिता को, लेकिन हैं बिल्कुल सामान्य

पहली बार माता-पिता बनना एक खूबसूरत अनुभव है, लेकिन इसके साथ कई तरह की चिंताएं भी जुड़ी होती हैं। खासकर जब नवजात शिशु कुछ ऐसी हरकतें करता है जो हमें असामान्य लगती हैं। नए माता पिता बच्चे की हर हरकत को पहली बार देखते, समझते हैं लेकिन कई बार उनकी हरकते माता पिता को डरा देती हैं।

शुरू-शुरू में नवजात शिशु की कई आदतें पहली नजर में अजीब लग सकती हैं, लेकिन ज्यादातर पूरी तरह सामान्य होती हैं। लेकिन आपको उनकी आदतों के बारे में समझना चाहिए ताकि बिना घबराए बच्चे को संभाल पाएं। सच्चाई यह है कि बच्चों की कई आदतें पूरी तरह सामान्य होती हैं और उनके विकास का हिस्सा होती हैं। सही जानकारी होने से आप बेवजह की चिंता से बच सकते हैं और अपने बच्चे की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

बार-बार हिचकी आना

नवजात बच्चों को अक्सर हिचकी आती है। यह सामान्य है। बच्चे को हिचकी आने का कारण है। यह डायफ्राम (सांस की मांसपेशी) के विकसित होने का संकेत है। हिचकी से बच्चे की ब्रीदिंग मसल्स मजबूत होती हैं। यानी यह बिल्कुल नॉर्मल, चिंता की जरूरत नहीं है।

लगातार छींकना

क्या आपका भी छोटा सा बच्चा बार-बार छींकता है? घबराएं नहीं, यह सर्दी का संकेत नहीं होता है, बल्कि नाक के छोटे रास्तों को साफ करने का नेचुरल तरीका है। बच्चे का छींकना एयरवे क्लीन करने की प्रक्रिया है।

अनियमित सांस लेना

अगर आपने गौर किया हो तो कभी आपका बच्चा तेज सांस लेता होगा, फिर कुछ सेकंड रुकता है। उसके दोबारा तेज सांस लेने लगता है। अगर आप उसकी सांस लेने की इस अनियमित प्रक्रिया से चिंतित हो रहे हैं तो पहले इसके बारे में समझिए। इसे पिरियोडिक ब्रीथिंग कहते हैं। बच्चे के फेफड़े अभी सांस लेना सीख रहे होते हैं। उनके सांस लेने का तरीका इस बात का संकेत है। शुरुआती महीनों में यह सामान्य होता है।

बार-बार दूध पीना

बच्चा बार-बार दूध मांगता है, खासकर रात में? दरअसल, ग्रोथ स्पर्ट के दौरान ज्यादा दूध की जरूरत होती है। ये मां के दूध की सप्लाई बढ़ाने में मदद करता है। ये संकेत है बच्चे के हेल्दी डेवलपमेंट का।

अचानक चौंक जाना

बच्चा अचानक हाथ-पैर फैलाकर चौंक जाता है? इसे मोरो रिफ्लैक्स कहते हैं। यह 3-4 महीने तक सामान्य रहता है। आसानी से समझें तो यह बच्चे की नर्वस सिस्टम के विकास का हिस्सा है।

सोते समय आवाजें करना

बच्चा सोते समय गुर्राता, कराहता या हल्की आवाजें करता है तो आप मत चौंक जाइएगा। छोटे बच्चे के एयरवे पूरी तरह से विकसित नहीं होते हैं। इसलिए सोते समय बच्चे ऐसी क्यूट आवाजें निकालते हैं। यह बिल्कुल सामान्य है।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?

सांस लेने में लंबे समय तक रुकावट होने पर,तेज बुखार

दूध पीने से इनकार

लगातार रोना या सुस्ती

ऐसे मामलों में तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

नई माओं के लिए जरूरी टिप्स

हर छोटी चीज पर घबराएं नहीं।

बच्चे के पैटर्न को समझें।

नियमित चेकअप कराते रहें।

खुद को भी आराम दें।

'है जवानी तो इश्क होना है' का सामने आया लुक, वरुण - पूजा का दिखा रोमांटिक अंदाज; जान्हवी ने ली चुटकी

वरुण धवन और पूजा हेगड़े की नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' कथित तौर पर मई महीने में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन रिलीज से पहले आज मंगलवार को वरुण धवन ने फिल्म की शूटिंग की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वरुण और पूजा नदी के किनारे रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। जिस पर जान्हवी कपूर ने एक खास कमेंट किया है।

वरुण ने शेयर की तस्वीर

वरुण ने आज अपनी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के सेट से एक खास रोमांटिक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वरुण अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ वरुण धवन ने कैप्शन में लिखा, 'इश्क सिर्फ एक बार होता है।'

वरुण की इस तस्वीर पर जान्हवी कपूर ने मजाकिया कमेंट किया। जान्हवी ने लिखा, 'लेकिन आप कैप्शन में क्यों चिल्ला रहे हैं?' जान्हवी कपूर और वरुण धवन पहले 'बवाल' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' जैसी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं।

क्या सलमान की फिल्म से है कनेक्शन?

'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म का शीर्षक फिल्म 'बीवी नंबर 1' के गाने 'इश्क सोना है' से लिया गया है, जिसमें सलमान खान और सुष्मिता सेन ने अभिनय किया था। तस्वीर के बैकग्राउंड में 1999 की पुरानी फिल्म 'इश्क सोना है' का गाना बज रहा है।

'है जवानी तो इश्क होना है' के बारे में

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की शूटिंग पिछले साल शुरू हुई थी। पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर ऋषिकेश से वरुण के साथ गंगा आरती की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे। फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी कर रहे हैं। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पूजा हेगड़े की आखिरी फिल्म 'देवा' थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। वरुण धवन आखिरी बार 'बॉर्डर 2' में नजर आए थे।

200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ठग सुकेश को जमानत, इसके बावजूद जेल में ही रहेंगे

दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर को जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि लंबे समय तक बिना वजह जेल में रखना व्यक्ति की आजादी और जल्द सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन है। लेकिन जमानत के साथ ही अदालत ने कुछ खास शर्तें भी रखी हैं।

अदालत का फैसला

अदालत के आदेश के अनुसार, सुकेश चंद्रशेखर को 5 लाख रुपये के मुचलके और उतनी ही जमानत राशि जमा करने पर रिहा किया जाए।

जमानत की शर्तें-

वह गवाहों से संपर्क नहीं करेगा और उन्हें प्रभावित नहीं करेगा।

जांच अधिकारी को अपना पता और मोबाइल नंबर देना होगा।

अपना पासपोर्ट अदालत में जमा करना होगा।

बिना अदालत की अनुमति के देश नहीं छोड़ सकेगा।

क्या है पूरा मामला?

यह केस 200 करोड़ रुपये की रंगदारी वसूलने और उसके पैसे को वैध बनाने (मनी लॉन्ड्रिंग) से जुड़ा है। सुकेश चंद्रशेखर, उनकी पत्नी लीना मारिया पॉल और कुछ लोगों पर संगठित अपराध (मोका कानून) के तहत भी आरोप लगे हैं। पुलिस के मुताबिक, सुकेश ने टीटीवी दिनाकरन के लिए बिचौलिए का काम किया। उन पर आरोप है कि उन्होंने चुनाव चिह्न हासिल करने के लिए भारतीय चुनाव आयोग के एक अधिकारी को रिश्वत देने की कोशिश की। इस काम के लिए 1.3 करोड़ रुपये नकद भी बरामद किए गए थे।

जमानत मिलने के बावजूद जेल से ही रहेंगे सुकेश

जमानत मिलने के बाद भी सुकेश अभी जेल में बाहर नहीं आ सकेंगे। दलअसल, सुकेश चंद्रशेखर को एक बड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत तो मिल गई है, लेकिन बाकी मामलों की वजह से वह अभी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। उनके खिलाफ कुल 31 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इनमें से 26 मामलों में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है। लेकिन 5 मामले अभी भी लंबित हैं, जिनमें वह जेल में हैं। इसलिए इस एक मामले में जमानत मिलने से उनकी रिहाई नहीं होगी।

पति से बहस के बाद फंदे पर लटकी साउथ की एक्ट्रेस सुभाषिनी!

जन्मदिन से छह दिन पहले क्यों दी जान? पुलिस ने शुरू की जांच

तमिल टीवी इंडस्ट्री से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। लोकप्रिय अभिनेत्री सुभाषिनी ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। पारिवारिक विवाद के बाद अभिनेत्री ने कथित तौर पर फांसी लगाकर जान दी है। उन्होंने अपने जन्मदिन से चंद दिन पहले यह कदम उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुभाषिनी ने अपने चेन्नई स्थित आवास पर सुसाइड की।

मूल रूप से श्रीलंका की थीं सुभाषिनी

सुभाषिनी के निधन की खबर ने फैंस और इंडस्ट्री को शॉक कर दिया है। सुभाषिनी ने सीरियल 'कयाल' के जरिए दर्शकों के बीच अच्छी पहचान बनाई। वे मूल रूप से श्रीलंका की रहने वाली थीं। उन्होंने साल 2012 में आई फिल्म 'इनी अवन' से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। उन्होंने कुछ शॉर्ट फिल्मों और सोशल अवेयरनेस वीडियो में भी काम किया था।

वीडियो कॉल पर पति से हुई थी बहस

श्रीलंकाई मूल की सुभाषिनी चेन्नई के इयप्पनथंगल में एक अपार्टमेंट में रह रही थीं। कथित तौर पर उन्हें इसी अपार्टमेंट में सुसाइड किया। पुलिस अधिकारियों ने उनके पार्थिव शरीर को मेडिकल जांच के लिए भेज दिया।

आगे की जांच चल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वीडियो कॉल पर सुभाषिनी की अपने पति से बहस हुई थी। अधिकारियों ने इशारा किया है कि मानसिक परेशानी की वजह से उन्होंने यह कदम उठाया होगा।

छह दिन बाद था अभिनेत्री का जन्मदिन

सुभाषिनी ने अपने जन्मदिन से चंद रोज पहले इस दुनिया को अलविदा कह दिया। 12 अप्रैल को वे अपना जन्मदिन मनाने वाली थीं। इतना ही नहीं, इसी महीने 21 अप्रैल को उनकी शादी की दूसरी सालगिरह थी। सुभाषिनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती थीं। इंस्टाग्राम पर उनके चार लाख से ज्यादा फॉलोवर्स थे।

जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में की खुलकर बातचीत

कहा- 'उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं'

जान्हवी कपूर हाल ही में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' फिल्म में नजर आईं थी। इनमें उनके साथ वरुण धवन, रोहित शरफ और सान्या मल्होत्रा भी अहम किरदार में नजर आए थे। एक इंटर्व्यू में जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में खुलकर बातचीत की, और बताया कि उन्हें बॉयफ्रेंड के साथ कितना सुरक्षित और अपनापन महसूस होता है।

कौन हैं जान्हवी कपूर के बॉयफ्रेंड?

जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया एक दूसरे को काफी वक्त से डेट कर रहे हैं। वे अक्सर पार्टी, फैमिली फंक्शन और इवेंट्स में साथ नजर आते हैं। हाल ही में राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में उन्होंने अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर चर्चा की।

उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं

जान्हवी ने शिखर के बारे में बात करते हुए कहा, 'प्यार की वजह से मैं उनके साथ खुद का सबसे सच्चा वर्जन बन पाती हूं। मुझे एक ऐसा सुरक्षित एहसास मिला है, जहां मैं अपने दिल की बात सुन सकती हूं और उस पर भरोसा कर सकती हूं। उनकी मौजूदगी हमेशा मुझे यही एहसास देती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं। यह एक ऐसी जगह है जहां मैं बिना किसी झिझक के खुद रह सकती हूं। उनके साथ मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है।'

शिखर पहाड़िया के बारे में

शिखर पहाड़िया, पूर्व गृह मंत्री सुशीलकुमार शिंदे के नाती हैं। उनकी मां स्मृति शिंदे एक एक्ट्रेस हैं। उनके बड़े भाई वीर पहाड़िया ने हाल ही में फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें अक्षय कुमार, निम्रत कौर और सारा अली खान भी नजर आए।

जाह्नवी कपूर का अगला प्रोजेक्ट

वर्क फ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर जल्द ही लक्ष्य और टाइगर श्रोफ के साथ धर्मा प्रोडक्शंस की अगली एक्शन फिल्म 'लग जा गले' में नजर आ सकती हैं। खबरों के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू हो चुकी है, जिसे राज मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं।

युवा फिल्म निर्देशक अंशुल सिन्हा की फिल्म मिलियन व्यूज का प्रीमियर शो संपन्न

अंशुल सिन्हा की फिल्म मिलियन व्यूज का प्रीमियर शो 4 अप्रैल को संपन्न हुआ जिसने कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। जिनमे देश के लिए तीन बार युद्ध लड़े कर्नल पंकज गोयल प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ रामांजुलु, शायर अंजनी कुमार गोयल, कादम्बिनी क्लब की संचालिका डॉ आशा मिश्रा मुक्ता, प्रसिद्ध महिला चिकित्सक डा रीता शुक्ला, प्रसिद्ध शिक्षा विद अविनाश कालेज के संस्थापक अविनाश, लोकप्रिय गायक भरत जसानी, अंग्रेजी की प्रसिद्ध लेखिका शिखा भटनागर, आई डी आर बी के प्रोफेसर डॉ वी एन शास्त्री और साहित्य कार अब्दुल हमीद खान आदि उपस्थित थे।

फिल्म की कथा मौजूदा समय के एडिक्शन पर आधारित है जिसमे मदिरा पान, सिगरेट पीना तथा पोर्न फिल्में देखना आदि शामिल है यह ज्वलंत विषय पर बनी प्रभावी फिल्म है जिसे फिल्म निर्देशक अंशुल सिन्हा ने बनाया है । पूर्व में वह चार फीचर फिल्में बना चुके हैं । मिलियन व्यूज उनके निर्देशन में बनी नई फिल्म है ।

'नेशनल कमिशन फॉर विमन' ने दी नोरा फतेही को आखिरी चेतावनी

आयोग के सामने खुद को पेश करने के दिए निर्देश; जिम्मेदारों को दी ये सजा

फिल्म 'केडी द डेविल' के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर मार्च में बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। इस गाने में नोरा फतेही और संजय दत्त नजर आए थे, लेकिन इसके बोल और डांस स्टेप्स को लेकर काफी विवाद हुआ। लोगों का कहना था कि गाना ज्यादा वल्गर और आपत्तिजनक है।

27 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

मामला इतना बढ़ गया कि 'नेशनल कमिशन फॉर विमन' ने नोरा फतेही, संजय दत्त और अन्य लोगों को नोटिस भेज दिया। आयोग ने गाने में अश्लीलता और महिलाओं की छवि को लेकर गंभीर सवाल उठाए।

आयोग ने अगली सुनवाई की तारीख 27 अप्रैल 2026 तय की है। इससे पहले 6 अप्रैल को इस मामले में सुनवाई हुई थी, जिसमें नोरा फतेही की ओर से उनके वकील पेश हुए थे। हालांकि, आयोग ने वकील की सफाई को स्वीकार नहीं किया और नोरा को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए।

'नेशनल कमिशन फॉर विमन' ने सुनाई ये सजा

सुनवाई के दौरान गीतकार

रकीब आलम, फिल्म के डायरेक्टर प्रेम और केवीएन प्रोडक्शंस के प्रतिनिधि गौतम के एम और सुप्रीथ आयोग के सामने पेश हुए। आयोग की सदस्य ने गाने के लिरिक्स पर चिंता जताते हुए कहा कि ये महिलाओं की गरिमा के खिलाफ हैं। साथ ही यह दलील भी खारिज कर दी गई कि उन्हें गाने के शब्दों का मतलब नहीं पता था।

'नेशनल कमिशन फॉर विमन' ने इस गाने के आपत्तिजनक लिरिक्स को लेकर खुद संज्ञान लिया था। आयोग की चेयरपर्सन विजया किशोर राहतकर की अध्यक्षता में हुई इस सुनवाई में साफ कहा गया कि अब नोरा फतेही को खुद आकर अपना पक्ष रखना होगा। '

नेशनल कमिशन फॉर विमन' के मुताबिक, सभी संबंधित लोगों ने लिखित में माफी मांगी और माना कि इस गाने का समाज पर गलत असर पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले तीन महीनों तक वे महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करेंगे और इसकी रिपोर्ट आयोग को सौंपेंगे।

'कॉकटेल 2' फिल्म में कूल लुक में नजर आए शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन

शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'कॉकटेल 2' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इससे पहले फिल्म से जुड़ी एक नई पोस्ट सामने आई है। इसमें शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन अलग-अलग लुक में नजर आ रहे हैं। साथ ही उन्होंने ये भी ऐलान किया कि फिल्म का गाना 'जब तलक' 8 अप्रैल को रिलीज होगा।

शाहिद कपूर

फिल्म से जुड़ी दो तस्वीरों में शाहिद काफी कूल लुक में नजर आ रहे हैं। जहां एक में वे शर्ट पहने नजर आ रहे हैं, तो वहीं दूसरी फोटो में उनका पूरी तरह पार्टी वाला लुक दिखाया गया है। फोटो से ऐसा लग रहा है कि मूवी में शाहिद कूल किरदार मं नजर आने वाले हैं।

रश्मिका मंदाना

रश्मिका की भी दो तस्वीरें सामने आईं हैं। जहां एक तरफ वे बीच लुक में नजर आ रही हैं, तो वहीं दूसरी तरफ वे एक चैयर पर बैठी हुईं नजर आ रही हैं, जिसमें वे काफी एलिगेंट नजर आ रही हैं।

कृति सेनन

कृति सेनन की बात करें तो उनकी भी दो तस्वीरें सामने आईं हैं। दोनों में वे काफी बॉल्ड अवतार में नजर आ रही हैं। जहां एक तरफ वे बीच वियर में नजर आ रही हैं, तो वहीं दूसरी ओर वे पार्टी वियर में नजर आ रही हैं।

फिल्म 'कॉकटेल 2' की रिलीज डेट

यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

इसका निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। 'कॉकटेल 2' साल 2012 में आई फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जैसे एक्टर लीड रोल में हैं।

भागवत बोले- संघ डंडा लेकर दरवाजे पर खड़ा रहेगा

संत भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए काम करें, वृंदावन में संत के पैर छुए

मथुरा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। संत मलूक दास की आज 452वीं जयंती है। वृंदावन के मलूक पीठ में उनका जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे। मंच पर संत रसिक माधव दास ने मोहन भागवत को शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। भागवत ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

संघ प्रमुख ने कहा- समाज को गो-भक्त बनाया जाए, तो गो-हत्या अपने आप रुक जाएगी। जो लोग आज सत्ता में हैं, उनके मन में भी यह बात है। वे करना चाहते हैं, लेकिन कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में साहसी कदम उठाने के लिए समाज का साथ जरूरी है। गो-जागृति को मजबूत करना होगा। जब जनभावना तैयार हो जाएगी, तो व्यवस्था को भी उसे मानना पड़ेगा।

उन्होंने कहा-अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया को एक सुंदर अनुभव कराए। संत और संघ मिलकर काम करेंगे। संत अपना कार्य करेंगे और हम डंडा लेकर दरवाजे पर खड़े रहेंगे। यही हमारी

ड्यूटी है।

सीएम योगी दोपहर ढाई बजे पहुंचेंगे। हालांकि, उनकी मोहन भागवत से मुलाकात नहीं होगी, क्योंकि तब तक संघ प्रमुख कार्यक्रम से जा चुके होंगे।

कृष्ण भक्त संत मलूक दास का जन्म कौशांबी में खत्री परिवार में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी साधना स्थली वृंदावन को बनाया। यहां उन्होंने यमुना किनारे वंशीवट पर अपनी कुटिया बनाई, जिसे मलूक पीठ के नाम से जाना जाता है। संत का गोलोक गमन (मृत्यु) वृंदावन में हुआ, जहां उनकी समाधि बनी हुई है।

संत मलूक दास का अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम, दास मलूका कह गए, सबके दाता राम दोहा सबसे मशहूर हुआ। इसका अर्थ है कि अजगर किसी की नौकरी नहीं करता, पक्षी काम नहीं करता, लेकिन भगवान पर विश्वास हो तो राम जी सबका भला करते हैं।

संघ प्रमुख ने सूर्य से जुड़ा हुआ किस्सा सुनाया

संघ प्रमुख ने कहा- सूरज (सूर्य) ने सोचा कि छुट्टी पर जाएंगे। वह दिन-रात काम करते हैं, कभी छुट्टी नहीं लेते। उन्होंने सभी देवताओं को बुलाया और कहा- भाई, मैं छुट्टी पर जा रहा हूं। मेरा चार्ज कौन लेगा? इस पर चंद्रमा का नाम आया। चंद्रमा ने कहा- महाराज, आप नहीं रहेंगे तो अमावस्या हो जाएगी, मैं आपका चार्ज नहीं ले सकता।

और भी लोग थे, लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ। इसके बाद सूरज ने प्रकाश और दूर के तारे का नाम लिया। उन्होंने कहा- मैं इतना दूर रहता हूं, मैं प्रकाश नहीं दे सकता। कोई भी सूरज का चार्ज लेने को तैयार नहीं था। आखिर में एक दीप खड़ा हुआ और बोला- मुझे नहीं पता कि मैं आपका चार्ज ले सकता हूं या नहीं। मुझे यह असंभव लगता है, लेकिन मैं आपको एक वचन देता हूं। जब तक मेरा तेल और बाती कायम है, तब तक मैं जलता रहूंगा।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, शिक्षक गिरफ्तार

पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया इनकार पर रिपोर्ट दर्ज कराई

कोंडागांव, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कोंडागांव जिले के धनोरा थाना क्षेत्र में एक युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता ने धनोरा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, उसकी पहचान उच्च माध्यमिक शाला तुर्की में पदस्थ शिक्षक हिमांशु मेश्राम से 7 जनवरी 2025 को हुई थी। आरोपी ने उसे फोन कर धनोरा बुलाया और प्रेम और शादी का झांसा दिया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी उसे अपने किराए के मकान में ले गया।

53 लाख का सरकारी गेहूं बाजार में बेचा

ट्रांसपोर्ट फर्म ने किया घोटाला मार्च के कोटे को फरवरी का बताया

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में सरकारी राशन वितरण में गड़बड़ी सामने आई है। 34 राशन दुकानों तक 1790 क्विंटल गेहूं पहुंचा ही नहीं। गेहूं को एक ट्रांसपोर्ट फर्म को राशन दुकानों तक सप्लाई करने की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन ट्रांसपोर्टर ने गेहूं को राशन दुकानों पर पहुंचाने की जगह बाजार में बेच दिया।

जब गड़बड़ी सामने आई तो ट्रांसपोर्ट फर्म ने मार्च के कोटे को फरवरी का बता दिया। इस तरह 34 ट्रकों से करीब 53 लाख रुपए का गेहूं चोरी हो गया। रसद अधिकारी ने बुधवार (1 अप्रैल) को सांगानेर सदर थाने में गबन की एफआईआर दर्ज करवाई है। सांगानेर सदर थाने के एसआई धर्मवीर ने बताया- मालवीय नगर के हरि मार्ग निवासी निशांत पंचोली (49) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। निशांत जयपुर रसद ऑफिस-सेकंड में प्रवर्तन अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जयपुर जिले में राशन वितरण का काम एम/एस भरत लाल शिव सहाय एण्ड संस द्वारा सीडब्लूसी सीतापुरा और अन्य डिपो से किया जा रहा था।

पत्नी फर्जी आईएएस, पति ने बॉडीगार्ड बनकर ठगे 34 लाख

सरकारी ठेका दिलाने के नाम पर ठगी वीआईपी कार में घुमते थे, पैसे मांगने पर मारपीट

मधेपुरा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मधेपुरा में आईएएस अधिकारी और उसका गार्ड बनकर ठगी करने वाले पति-पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि महिला खुद को आईएएस अधिकार और उसका पति बॉडीगार्ड बताकर लोगों को सरकारी ठेका दिलाने के नाम पर ठगी करते थे।

मामले का खुलासा तब हुआ, जब दंपती ने ठेका दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से करीब 34 लाख रुपए ठग लिए। इतना ही नहीं, पैसे वापस मांगने पर आरोपियों ने पीड़ित के साथ मारपीट भी की। जिसके बाद पीड़ित ने सदर थाना में मामला दर्ज कराया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी लंबे समय से फरार थे। सोमवार की रात उन्हें पटना से गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

दरअसल, 8 फरवरी को मधेपुरा के पश्चिमी बायपास रोड स्थित वार्ड संख्या-9 निवासी नारायण यादव ने सदर थाना में

ठगी की शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में फर्जी आईएएस बताई जा रही श्रद्धांजलि देवी और उसके पति सन्नी कुमार राय को आरोपी बनाया गया है।

नारायण यादव ने बताया कि वर्ष 2025 में सिंहेश्वर में आयोजित एक सत्संग समारोह के दौरान उनकी मुलाकात एक वीआईपी वाहन में सवार लोगों से हुई। वाहन पर 'प्रधान सचिव सह मिशन निदेशक, सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार' का बोर्ड लगा हुआ था। इसी दौरान सन्नी कुमार राय महिला को आईएएस अधिकारी बताया गया और खुद को उस महिला अधिकारी का बॉडीगार्ड।

बातचीत के दौरान जब नारायण यादव ने खुद को ठेकेदारी से जुड़ा बताया, तो आरोपियों ने उन्हें सरकारी विभाग में ठेका दिलाने का झांसा दिया।

इसके बाद सन्नी ने अलग-अलग माध्यमों से पीड़ित से कुल 34 लाख 74 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। काफी समय बीतने के बावजूद जब कोई काम नहीं हुआ, तो पीड़ित ने पैसे वापस मांगे।

आरोप है कि इसी दौरान मधेपुरा आने पर आरोपी ने पैसे लौटाने के बजाय पीड़ित के साथ मारपीट की, उसका आईफोन छीन लिया और फरार हो गया।

बंगाल चुनाव : बुलडोजर लेकर नामांकन दाखिल करने पहुंचे भाजपा उम्मीदवार, बताई वजह

कोलकाता, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव अपनी पूरी रफ्तार पर है। पूर्वी बर्दवान जिले की गलसी विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार राजू पात्रा मंगलवार को बुलडोजर पर सवार होकर नामांकन दाखिल करने पहुंचे। उनका संदेश स्पष्ट था। चुनाव जीतने पर वे बुलडोजर से अत्याचार, भ्रष्टाचार, माताओं और बहनों के साथ होने वाले उत्पीड़न से लेकर विकास की कमी तक सब कुछ मिटा देंगे। इसके साथ ही वे हिंदुओं के साथ खड़े रहेंगे।

मंगलवार को पूर्वी बर्दवान में चुनाव प्रचार की एक अनोखी रणनीति देखने को मिली। बुलडोजर पर सवार होकर नामांकन दाखिल करने आए भाजपा उम्मीदवार राजू पात्रा ने सबका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के 'बुलडोजर मॉडल' से प्रेरित होकर पश्चिम बंगाल में हत्या, दुष्कर्म और जबरन वसूली जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए 'बुलडोजर राज' लागू किया जाएगा। भाजपा उम्मीदवार ने स्थानीय मीडियाकर्मियों से कहा कि उत्तर प्रदेश से प्रेरणा लेकर पश्चिम बंगाल में हत्या, दुष्कर्म और जबरन वसूली जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए बुलडोजर मॉडल लागू किया जाएगा। मेरे चुने जाने के बाद मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि ऐसे अपराध न हों। पूर्वी बर्दवान जिले में भाजपा उम्मीदवार के नामांकन कार्यक्रम के लिए जोरदार तैयारियां की गईं। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस दिन, गलसी, औसग्राम, बर्दवान उत्तर, बर्दवान दक्षिण और भातर निर्वाचन क्षेत्रों के उम्मीदवार बर्दवान रेलवे स्टेशन पर नामांकन दाखिल करने के लिए एकत्रित हुए। मेमारी, खंडाघोष, जमालपुर और रैना निर्वाचन क्षेत्रों के उम्मीदवार भी बरनिलपुर चौराहे से जुलूस में शामिल हुए।

सरपंच ने अस्पताल कर्मचारी का सर दिवार पर पटका, मौत

कोरबा पुलिस की रिमांड में आरोपी, 7 दिनों तक अस्पताल में भर्ती था पीड़ित

कोरबा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरबा पुलिस ने अस्पताल कर्मचारी की मौत के मामले में एक सरपंच को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर कर्मचारी के साथ मारपीट करने का आरोप है, जिसके बाद कर्मचारी की मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने मंगलवार को यह कार्रवाई की।

यह घटना 30 मार्च को जिला मेडिकल अस्पताल के पोस्टमार्टम कक्ष में हुई थी। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी जी. बाल कृष्ण चनाइया (61) के साथ आरोपी सरपंच जयवीर सिंह तंवर उर्फ राजेश को शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए गाली-गलौज और मारपीट की। आरोपी ने चनाइया का कॉलर पकड़कर उन्हें दीवार पर पटक दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। घायल पीड़ित को तत्काल जिला मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान 6 अप्रैल को उनकी मृत्यु हो गई।

इस घटना के बाद अस्पताल कर्मचारियों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। पोस्टमार्टम कक्ष के कर्मचारियों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करते हुए पोस्टमार्टम करने से इनकार कर दिया और कक्ष में ताला लगा दिया। पुलिस के आश्वासन के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जा सका।

छत्तीसगढ़ में डीएसपी की बेटी को गैंगरेप की धमकी

आदिवासी संस्कृति पर बनाती हैं कंटेंट, किडनैपिंग-रेप की साजिश की चैट लीक हुई, 5 युवक अरेस्ट

रायपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की कंटेंट क्रिएटर निवेदिता मंडावी को सोशल मीडिया पर गैंगरेप और अपहरण की धमकी दी गई। इंस्टाग्राम के एक कथित नशा मुक्ति ग्रुप में लड़के निवेदिता की फोटो शेयर कर उससे गैंगरेप की बात कर रहे थे। इस साजिश की चैट निवेदिता तक पहुंची, जिससे मामला सामने आया। निवेदिता के पिता पुलिस विभाग में डीएसपी के पद पर हैं।

सोशल मीडिया इस घटना की चर्चा जोरों पर है। लोग निवेदिता के समर्थन में वीडियो बना रहे हैं। लड़कों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। इस मामले पर निवेदिता के भाई से बात की। उन्होंने बताया कि केशकाल थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, निवेदिता मंडावी को एक इंस्टाग्राम ग्रुप में जोड़ा गया था। ग्रुप को नशा मुक्ति के नाम पर संचालित किया जा रहा था। 2 महीने पहले लीक हुए चैट्स में सामने आया कि इस ग्रुप में शामिल कुछ लड़के उनके खिलाफ आपत्तिजनक, अश्लील और आपराधिक साजिश रच रहे थे।

चैट्स में आरोपियों ने न सिर्फ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, बल्कि उनके अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म की योजना बनाने जैसी गंभीर बातें भी लिखीं। मामले की जानकारी मिलने के बाद निवेदिता ने इसकी शिकायत पुलिस से की। उन्होंने इस मामले से जुड़ा वीडियो भी शेयर किया था। घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उनके समर्थन में बनाए गए वीडियो वायरल हो रहे हैं। आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। एक यूजर्स ने लिखा- निवेदिता मंडावी छत्तीसगढ़ की एक पावरहाउस हैं। एक अवार्ड-विनिंग क्रिएटर, जो अपने कंटेंट के जरिए बस्तर की रिच ट्राइबल कल्चर को गर्व से दिखाती हैं।

उन्हें एक सो-कॉल्ड 'नशा मुक्ति' (डी-एडिक्शन) इंस्टाग्राम ग्रुप में इनवाइट किया गया था। रिकवरी टॉक के बजाय? लीक हुई चैट से पता चलता है कि नाबालिग खुलेआम उनकी किडनैपिंग और गैंग रेप की प्लानिंग कर रहे थे। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

केशकाल थाना प्रभारी विकास बघेल ने बताया कि इंस्टाग्राम पर ग्रुप बनाकर अश्लील कमेंट करने के आरोप में 5 युवकों को गिरफ्तार किया गया है। युवक केशकाल, भानुप्रतापपुर और कोंडागांव के रहने वाले हैं।

पति के सामने बॉयफ्रेंड का हाथ थामा

जज के सामने पत्नी बोली- पति के साथ नहीं रहना, कोर्ट ने दी तलाक की सलाह

ग्वालियर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में हैबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका की सुनवाई के दौरान एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। कोर्ट में पेश हुई महिला ने पति के साथ रहने से साफ इनकार कर दिया और खुलेआम अपने बॉयफ्रेंड का हाथ थाम लिया। उसने जज के सामने कहा कि वह अपनी मर्जी से प्रेमी के साथ रह रही है।

पति ने याचिका में आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी को कुलदीप राठौर ने बंधक बनाकर रखा है। लेकिन कोर्ट में पेश होने पर महिला ने कहा कि वह पिछले 20 दिनों से कुलदीप के साथ रह रही है और उसी के साथ रहना चाहती है।

पत्नी का बयान सुनते ही पति ने भी कोर्ट में साफ कह दिया कि अब वह उसे स्वीकार नहीं करेगा। सुनवाई के दौरान ही एक रिश्ते के टूटने की पूरी कहानी सामने आ गई।

काउंसलिंग में भी नहीं बनी बात

काउंसलिंग में सामने आया कि पति ड्राइवर है और काम के सिलसिले में अक्सर बाहर रहता था। इसी दौरान महिला का दूसरे व्यक्ति से संबंध बना। आरोप है कि पति के बाहर रहने पर वह बॉयफ्रेंड को घर बुलाती थी, जिससे रिश्ते पूरी तरह टूट गए।

कोर्ट ने दोनों की काउंसलिंग कराई, लेकिन किसी तरह का समझौता नहीं हो सका। महिला ने अपनी मां के साथ रहने की इच्छा जताई, जबकि पति तलाक के लिए तैयार हो गया।

17 महीने में रिश्ते का अंत

दोनों की शादी नवंबर 2024 में हुई थी और महज 17 महीने में ही रिश्ता खत्म होने की कगार पर पहुंच गया। महिला करीब 20 दिन से लापता थी, जिसे पुरानी छावनी थाना पुलिस ने बरामद कर कोर्ट में पेश किया।

कोर्ट ने दी तलाक की सलाह

मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने दोनों को आपसी सहमति से तलाक लेने की सलाह दी। साथ ही महिला को उसकी मां के साथ जाने की अनुमति देते हुए याचिका को निरर्थक मानकर समाप्त कर दिया।

मां की गवाही से बेटे को 10 साल की सजा

बहू से रेप किया था, कोर्ट ने कहा- जो भाई की पत्नी पर गलत नजर डाले, वह दुष्ट है

जोधपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर की पॉक्सो कोर्ट ने रेप केस में मां की गवाही पर बेटे को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी ने एक सगे भाई की पत्नी से रेप किया। वहीं, दूसरे भाई की पत्नी से रेप की कोशिश की थी।

रेपिस्ट पर पर 85 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट के फैसले में 'श्रीरामचरितमानस', 'मनुस्मृति' और 'बृहस्पति-स्मृति' के श्लोकों का भी उल्लेख है। करीब 5 साल पुराने इस केस में 6 अप्रैल को जज डॉ दुष्यंत दत्त ने फैसला सुनाया। पीड़ित पक्ष के अनुसार- 10 मार्च 2021 को दोपहर करीब ढाई बजे पहली पीड़िता शौच के लिए घर से बाहर गई थी। तभी आरोपी जेठ ने उसके साथ रेप किया। पीड़िता ने शर्म के कारण यह बात किसी को नहीं बताई।

करीब चार महीने बाद 4 जुलाई की रात को आरोपी ने दूसरे छोटे भाई की पत्नी के साथ रेप की कोशिश की। पीड़िता अपनी सास (आरोपी की मां) के पास सो रही थी। तभी आरोपी पहुंचा और उसके साथ रेप की कोशिश करने लगा। पीड़िता के चिल्लाने पर उसकी सास ने तुरंत बीच-बचाव किया, जिससे घबराकर आरोपी वहां से भाग गया। इस दूसरी घटना के बाद 6 जुलाई 2021 को पीपाड़ शहर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। जज ने अपने 54 पन्नों के फैसले में लिखा- "दण्डः शास्ति प्रजाः सर्वाः दण्ड एवाभिरक्षति" (अर्थात दंड ही समस्त प्रजा पर शासन करता है और रक्षा करता है)। कोर्ट ने कहा कि जो व्यक्ति भाई की पत्नी पर कुदृष्टि डालता है, वह अत्यंत दुष्ट है। कोर्ट ने माना कि बिना दंड के समाज में 'मत्स्य-न्याय' (बड़ी मछली का छोटी मछली को खाना) व्याप्त हो जाएगा। कोर्ट ने आरोपी को पारिवारिक मर्यादा को तार-तार करने का दोषी माना। कोर्ट ने धारा 376(2)(एफ) में 10 साल का कठोर कारावास व 50,000 रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है। धारा 354 (लज्जाभंग) के तहत 3 साल का कठोर कारावास व 10,000 रुपए जुर्माना लगाया गया है। वहीं, धारा 376 सपठित धारा 511 (बलात्कार का प्रयास) के तहत 5 साल का कठोर कारावास व 25,000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है।

पाकिस्तान से बाड़मेर आई क्रिस्टल ड्रग, गुजरात जा रही थी

बाड़मेर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बाड़मेर में पाकिस्तान से आई 5 किलो क्रिस्टल ड्रग के मामले में पुलिस ने 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक आरोपी को पूछताछ के बाद डिटेन किया गया है। पुलिस ने दावा किया कि पहली बार ये ड्रग इस इलाके में आई है, जिसे पाकिस्तान से भेजा गया था।

गिरफ्तार किए गए दोनों तस्कर पहले भी पाकिस्तान से लाकर ड्रग भारत में सप्लाई कर चुके हैं। पुलिस और एटीएस को तस्करों से फोन से वॉट्सऐप चैटिंग, इंटरनेशनल कॉलिंग और वीडियो फुटेज मिले हैं। तस्करों ने पूछताछ में बताया कि उन्हें पाकिस्तान के एक हैंडलर ने ये ड्रग्स मुहैया करवाई थी।

तस्करी मामले में डिटेन किए तीसरे आरोपी को पकड़ने में पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी। ग्रामीणों ने पुलिस को आरोपी के गांव (खलीफा की बावड़ी) में घुसने ही नहीं दिया। इसके बाद समझाइश पर माना और अपनी स्कॉर्पियो में आगे बैठकर थाने पहुंचा। इस दौरान पुलिस की जीप उसके आगे और पीछे चलती रही।

लुटेरों ने पत्नी को बंधक बनाया कारोबारी को मार डाला

लाखों के जेवर लूट ले गए बदमाश, पुलिस बोली- ज्यादा खून बहने से पति की मौत

धार, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। धार जिले के सरदारपुर के गोंदीखेड़ा चारण गांव में मिर्च कारोबारी देवकृष्ण पुरोहित (28) की लूट के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार देर रात 1 से 2 बजे के बीच बदमाश घर में घुसे और वारदात को अंजाम दिया।

एएसपी पारुल बेलापुरकर के मुताबिक, बदमाश पूरी तैयारी के साथ आए थे। उन्होंने पहले कारोबारी की पत्नी प्रियंका को काबू कर मुंह दबाया, फिर हाथ-पैर बांधकर बंधक बना लिया। इसके बाद देवकृष्ण पर धारदार हथियार से हमला किया, जिससे ज्यादा खून बहने के कारण उनकी मौत हो गई।

पत्नी प्रियंका का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें वह बताती हैं कि 3-4 बदमाश घर में घुसे थे। उन्होंने मारपीट की, घसीटते हुए ले गए और धमकी दी—"जो कुछ है दे दो, नहीं तो मार डालेंगे।" बदमाशों ने अलमारी खंगाली, फिर उसके कहने पर सारा सामान निकलवाया।

प्रियंका के मुताबिक, करीब आधे घंटे तक वह बंधक रही। उसके हाथ-पैर बांध दिए गए थे और शोर मचाने पर पति को मारने की धमकी दी गई। उसने बताया कि बदमाशों के पास हथियार थे, लेकिन वारदात के दौरान उसे बेड पर बांध दिया गया था, इसलिए वह नहीं देख सकी कि पति पर हमला कैसे किया गया।

पुलिस के अनुसार, बदमाश घर का सामान अस्त-व्यस्त कर लाखों के जेवर लेकर फरार हो गए।

घटना के बाद इलाके में दहशत और गुस्से का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरदारपुर सिविल अस्पताल भेजा गया है।

देवकृष्ण की 4 साल पहले महाराष्ट्र के पन्नाखेड़ निवासी प्रियंका से शादी हुई थी। परिवार में उनकी मां और एक बहन हैं। वह हल्दी-मसाले का व्यापार करते थे। परिजनों के अनुसार, 4-5 बदमाश पड़ोसी मकान के साइड वाले चढ़ाव से चढ़कर घर के अंदर घुसे और वारदात को अंजाम दिया।

5-6 दिन पहले ही मायके से लौटी थी पत्नी

यह भी पता चला है कि पत्नी प्रियंका मायके से 5-6 दिन पहले ही वापस आई थी। प्रारंभिक पड़ताल में यह भी सामने आया है कि मृतक का मोबाइल परिजनों को नहीं मिला था। वहीं, हमले में उसके सिर मे 12 इंच गहरा घाव हुआ है।

ससुरालवालों ने करोड़ों की लालच में बहन को मारा

पूर्व मंत्री के दामाद बोले- पुलिस ने आरोपियों की मदद की, मेरी जान को खतरा, एसआईटी गठित हो

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री संजीव प्रसाद टोनी के दामाद और उद्यमी वर्धमान वरुण कुमार सिंह ने अपनी बहन खुश्बू सिंह की मौत को लेकर मंगलवार को पटना में न्याय और सुरक्षा की मांग उठाई।

इस दौरान उन्होंने पुलिस इन्वेस्टिगेशन पर सवाल खड़े किए। साथ ही मुजफ्फरपुर के कुछ रसूखदारों पर भी इन्वेस्टिगेशन को प्रभावित करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने दावा किया कि उन्हें कई बार जान से मारने की कोशिश की गई। लगातार धमकियां मिल रही हैं, यहां तक कि उपलब्ध सरकारी सुरक्षा कर्मी के सामने ही जानलेवा हमला किया गया ताकि वे इस मामले को आगे न बढ़ा सकें।

वरुण कुमार सिंह ने बताया, छोटी बहन खुश्बू सिंह की शादी 1 जून 2025 को पूरे रीति-रिवाज और धूमधाम के साथ मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा इलाके के श्याम कुटीर, ज्ञानलोक मार्ग निवासी एनआरआई ई. सुधांशु सिंह से हुई थी। उनका आरोप है कि शादी के दौरान ही लड़के पक्ष की ओर से फॉर्च्यूनर गाड़ी, लगभग एक करोड़ रुपये के गहने और 51 लाख रुपये कैश की मांग की गई।

कहा, गाड़ी को छोड़कर परिवार ने बाकी अधिकांश मांगें पूरी कीं, लेकिन शादी के बाद से ही बहन को गाड़ी और बाद में दिल्ली में फ्लैट की मांग को लेकर लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा।

वरुण के अनुसार, मुजफ्फरपुर में 26 दिसंबर 2025 को उनके बहनोई के पिता संजीव सिंह ने फोन कर सूचना दी कि खुश्बू की मौत जलने और दम घुटने से हो गई है। वरुण कुमार सिंह ने कहा कि निष्पक्ष, समयबद्ध और उच्चस्तरीय जांच नहीं हुई, तो न्याय मिलना कठिन हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यदि उन्हें या उनके परिवार को कोई नुकसान होता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बता दें कि फिलहाल या मामला न्यायालय में विचाराधीन है। वरुण सिंह के बहनोई सुधांशु सिंह जेल में है। पुलिस की ओर से कोर्ट में फर्स्ट चार्ज शीट दाखिल कर दी गई है।

वरुण ने कहा कि सामाजिक दबाव बढ़ने के बाद पुलिस ने खुश्बू के पति सुधांशु सिंह को गिरफ्तार तो कर लिया, लेकिन सास ममता सिंह, ससुर संजीव सिंह और अन्य आरोपियों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

ईरान युद्ध से पहले फ्रांस ने अमेरिका से निकाल लिया अपना सारा सोना

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले सोने की कीमत में काफी तेजी आई थी और यह 5,600 डॉलर प्रति औंस के पीक पर पहुंचा था। फ्रांस ने इसका फायदा उठाते हुए अमेरिका में रखा अपना सारा सोना बेच दिया और यूरोप में अपनी होल्डिंग फिर से बनाई है। फ्रांस लंबे समय से अपना सोना न्यूयॉर्क में फेडरल रिजर्व बैंक में रखा करता था। लेकिन फ्रांस के सेंट्रल बैंक ने जुलाई 2025 से जनवरी 2026 के बीच वहां रखा सारा सोना बेच दिया। इससे उसके करीब 14.7 अरब डॉलर का फायदा हुआ।
मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक फ्रांस ने सोने की बिक्री ऐसे समय की जब यह पीक पर था। इसकी कीमत 5600 डॉलर प्रति औंस के आसपास ट्रेड कर रही थी। फ्रांस के सेंट्रल बैंक ने करीब सात महीनों के दौरान 26 किस्तों में अमेरिका में रखे सोने की बिक्री की। इससे उसकी वित्तीय स्थिति भी सुधर गई। 2024 में उसके 8.8 अरब डॉलर का घाटा हुआ था।

एअर इंडिया की घरेलू उड़ानें 899 रुपये तक महंगी

जेट फ्यूल के दाम बढ़ना इसकी वजह, बढ़ा किराया आज से लागू होगा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। एअर इंडिया ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अपने फ्यूल सरचार्ज को बढ़ा दिया है। इससे आने वाले दिनों में हवाई सफर महंगा हो जाएगा। ग्लोबल मार्केट में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में आई तेजी के बाद एयरलाइन ने यह फैसला लिया है। नई दरें कल यानी 8 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगी।
एयरलाइन के मुताबिक, पिछले कुछ हफ्तों में जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं, जिससे लागत बढ़ गई है। मार्च के अंत तक जेट फ्यूल की औसत कीमत 195.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है, जो फरवरी के अंत में 99.40 डॉलर थी। इससे पहले हाल ही में इंडिगो ने भी फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया था।

फ्यूल सरचार्ज क्या होता है

फ्यूल सरचार्ज वो अतिरिक्त चार्ज है, जो एयरलाइन कंपनी आपको पेट्रोल/डीजल की महंगाई के कारण लगाती है। मान लीजिए हवाई यात्रा का किराया 5000 रुपए है। अगर पेट्रोल बहुत महंगा हो जाए, तो कंपनी 5000 + फ्यूल सरचार्ज (जैसे 500 रुपये) लगाकर कुल 5500 रुपए लेगी। क्योंकि ईंधन की कीमत बढ़ने से कंपनी का खर्च बढ़ जाता है। ये खर्च सीधे यात्रियों पर डाल दिया जाता है, जिसे फ्यूल सरचार्ज कहते हैं।

घरेलू रूट्स पर दूरी के हिसाब से लगेगा सरचार्ज

एयर इंडिया ने घरेलू उड़ानों के लिए एक फ्लैट सरचार्ज व्यवस्था को खत्म कर दिया है। अब यात्रियों को दूरी के आधार पर पैसे देने होंगे। यह सरचार्ज प्रति यात्री, प्रति सेक्टर 299 रुपये से शुरू होकर 899 रुपये तक जाएगा। यह नियम एयर इंडिया के साथ-साथ उसकी सहयोगी एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस पर भी लागू होगा।

एअर इंडिया सीईओ कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दिया

> अहमदाबाद प्लेन क्रैश की रिपोर्ट आने के बाद पद छोड़ेंगे > सितंबर 2027 तक कार्यकाल था

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। एअर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। मंगलवार को सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। कई मीडिया रिपोर्ट्र्स में कहा गया है कि एयर इंडिया ने नए सीईओ की तलाश भी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, विल्सन सितंबर में अपना पद छोड़ सकते हैं। पिछले हफ्ते हुई कंपनी की बोर्ड बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। विल्सन को 2022 में एअर इंडिया का सीईओ और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया गया था। उनका कॉन्ट्रैक्ट 5 सालों के लिए, जुलाई 2027 तक था। रिपोर्ट्र्स के अनुसार, एयरलाइन अहमदाबाद प्लेन क्रैश की फाइनल जांच रिपोर्ट आने के बाद नए सीईओ की नियुक्ति करेगी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जुलाई 2025 को हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। अंतिम रिपोर्ट जून 2026 में आ सकती है।

एअर इंडिया जनवरी से नए सीईओ की तलाश में जुटी

विल्सन के इस्तीफे पर एअर इंडिया ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एअर इंडिया नए सीईओ के लिए संभावित उम्मीदवारों के साथ हाई लेवल बातचीत कर रही है। इस संबंध में अगले हफ्ते एक अहम बैठक भी होने वाली है। दावे के मुताबिक, कंपनी ने नए सीईओ की तलाश जनवरी में ही शुरू कर दी थी, जब विल्सन ने कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद पद छोड़ने के संकेत दिए थे। विल्सन के पास विमानन क्षेत्र में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है और उन्होंने फुल-सर्विस और लो-कॉस्ट दोनों तरह की एयरलाइनों में काम किया है।

विल्सन ने 1996 में मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में शुरुआत की थी

एअर इंडिया से जुड़ने से पहले विल्सन लो कॉस्ट एयरलाइन स्कूट के सीईओ थे। यह कंपनी सिंगापुर एयरलाइंस की लो-कॉस्ट सहायक कंपनी है। विल्सन ने न्यूजीलैंड में कैंटरबरी यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर ऑफ कॉमर्स (फर्स्ट क्लास ऑनर्स) किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1996 में न्यूजीलैंड में सिंगापुर एयरलाइंस के साथ मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने कनाडा, हॉन्ग कॉन्ग और जापान में एसआईए के लिए काम किया। सिंगापुर लौटकर 2011 में स्कूट के फाउंडिंग सीईओ के रूप में काम किया। 2016 तक वो इस पद पर रहे। इसके बाद एसआईए में सेल्स और मार्केटिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के रूप में काम किया। फिर अप्रैल 2020 में दोबारा स्कूट के सीईओ बने। दो साल बाद उन्होंने एअर इंडिया जॉइन की थी।

बागडोर सौंपने का सही समय : सीईओ विल्सन

टाटा समूह के स्वामित्व वाली विमानन कंपनी एअर इंडिया में एक बड़े बदलाव की घोषणा हुई है। भारी वित्तीय घाटे और पिछले साल हुए एक बड़े विमान हादसे के बाद बढ़ी विनियामक सख्ती के बीच, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। विल्सन ने अपने इस कदम को एअर इंडिया के विकास के अगले चरण के लिए सही समय बताया है।

अमेरिका-ईरान तनाव : ट्रंप की चेतावनी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल

> एमसीएक्स पर क्रूड रिकॉर्ड हाई पर

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई मंगलवार की समयसीमा (डेडलाइन) के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई है।

इस तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान के लिए फिर से खोलने की समयसीमा के सीधे असर से मंगलवार को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से अधिक का भारी उछाल दर्ज किया गया, जिससे कीमतें नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। एमसीएक्स पर भी क्रूड 300 रुपये बढ़कर 10,888 रुपये प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि

कच्चे तेल के बाजार में दर्ज किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स 3 प्रतिशत या 4.15 डॉलर से अधिक बढ़कर 116.56 डॉलर पर पहुंच गया है। वहीं, सुबह 9:57 बजे तक ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 1.69 प्रतिशत या 1.86 डॉलर की बढ़त के साथ 111.63 डॉलर के इंट्राडे उच्च स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रेंट क्रूड ने इस संघर्ष की शुरुआत के बाद से 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है, जो 27 फरवरी के 72.48 डॉलर के स्तर से उछलकर 9 मार्च तक 119.50 डॉलर तक पहुंच गया था। मंगलवार को वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतें 300 रुपये बढ़कर 10,888 रुपये प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर, अप्रैल डिलीवरी के लिए कच्चे तेल की कीमत में 300 रुपये या 2.83 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 10,888 रुपये प्रति बैरल के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।इसी तरह, मई अनुबंध में भी 170 रुपये या 1.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह एमसीएक्स पर 9,485 रुपये प्रति बैरल के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

कीमतों में यह ताजा तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के संबंध में ईरान के प्रति दिखाए गए नए आक्रामक रुख के बाद आई है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि तेहरान जलडमरूमध्य को खोलने की मंगलवार रात की समयसीमा का अनुपालन नहीं करता है, तो उस पर कहर बरपाया जाएगा ।

नए कारोबार से टाटा को लग सकती है 29,000 करोड़ रुपये की चपत

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप को अपने नए कारोबार से फाइनेंशियल ईयर 2026 में 29,000 करोड़ रुपये तक का घाटा हो सकता है जो अनुमानों से पांच गुना अधिक है। ग्रुप के नए कारोबार में एयर इंडिया, टाटा डिजिटल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और तेजस नेटवर्क्स शामिल है। वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में ही इन कंपनियों का घाटा 21,700 करोड़ रुपये पहुंच चुका है जो फाइनेंशियल ईयर 2025 में पूरे साल के लिए 16,550 करोड़ रुपये था। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने हाल में नए कारोबार से हो रहे नुकसान पर चिंता जताई थी।
एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा संस के आंतरिक अनुमानों में फाइनेंशियल ईयर 2026 में नए कारोबार से 29,000 करोड़ रुपये तक का घाटा होने की बात कही गई है। शुरुआत में इसके 5,700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान था। फाइनेंशियल ईयर 2023 में इनका कुल घाटा 16,550 करोड़ रुपये था जो 2024 में 11,800 करोड़ रुपये रह गया था। लेकिन 2025 में यह घाटा फिर बढ़ गया। इसी कारण फरवरी में बोर्ड की बैठक में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने का फैसला टाल दिया गया था।

सेंसेक्स 510 अंक बढ़कर 74617 पर बंद-निफ्टी 155 अंक चढ़कर 23124 पर पहुंचा

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 7 अप्रैल को बढ़त रही। सेंसेक्स 510 अंक की बढ़त के साथ 74,617 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 155 अंक की बढ़त रही, ये 23,124 पर बंद हुआ। आज आईटी, मेटल और रियल्टी शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.80% चढ़कर 5,494 पर बंद हुआ। जापान का निक्केई 0.03% चढ़कर 53,42 पर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.26% बढ़कर 3,890 पर बंद हुआ। आज कच्चा तेल करीब 2% ऊपर है। ये 112 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। 28 फरवरी को ईरान जंग शुरू होने से पहले कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास थे।

सोना 2 हजार रुपये गिरकर 1.47 लाख रुपये पर आया

चांदी की कीमत 3 हजार रुपये कम होकर 2.31 लाख रुपये हुई

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज 7 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2 हजार रुपए घटकर 1.47 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.49 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 3 हजार रुपए घटकर 2.31 लाख रुपए रह गई। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है-AZ4524।

आम आदमी की थाली पर गैस संकट का क्या असर?

टमाटर ने बिगाड़ा बजट, प्याज-आलू से राहत रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बढ़ती महंगाई के बीच आम आदमी की रसोई और उसके बजट से जुड़ी एक अहम खबर सामने आई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल इंटेलिजेंस की रोटी राइस रेट नाम की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2026 में घर पर पकाई जाने वाली खाने की थाली की कीमतों में मिला-जुला रुख देखने को मिला है।

उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत की कीमतों के आधार पर तैयार की गई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि किन चीजों ने आपकी थाली को महंगा किया और किनसे आपको राहत मिली। रिपोर्ट के मुताबिक, सालाना आधार पर मार्च 2026 में मांसाहारी थाली की कीमत में 1 प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं, शाकाहारी थाली की कीमत पिछले साल के मुकाबले पूरी तरह स्थिर रही है। हालांकि, यदि मासिक आधार पर तुलना करें, तो शाकाहारी थाली 3 प्रतिशत और मांसाहारी थाली 2 प्रतिशत सस्ती हुई है।
सब्जियों के मोर्चे पर प्याज और आलू ने आम आदमी को बड़ी राहत दी है। सालाना आधार पर प्याज की कीमतों में 25 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसका मुख्य कारण रबी और लेट खरीफ फसल की एक साथ बंपर पैदावार, कमजोर निर्यात और ज्यादा सप्लाई है।

इसी तरह, होटल और रेस्टोरेंट सेक्टर से मांग कम होने के कारण आलू की कीमतें भी 13 प्रतिशत गिर गई हैं। शाकाहारी थाली का बजट मुख्य रूप से टमाटर ने बिगाड़ दिया है। मार्च 2025 में जो टमाटर 21 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, वह मार्च 2026 में 33 प्रतिशत महंगा होकर 28 रुपये प्रति किलो हो गया है।

रानी कपूर ने प्रिया कपूर को पद से हटाया, कानूनी कार्रवाई करने की दी कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर से जुडे विवाद में आरके फैमिली ट्रस्ट पर नियंत्रण को लेकर चल रहा पारिवारिक और कानूनी विवाद अब और गहरा गया है। सोना कॉमस्टार के दिवंगत चेयरमैन संजय कपूर की बुजुर्ग मां रानी कपूर ने प्रिया कपूर को एक नया सीज-एंड-डेसिस्ट (काम रोकने का) नोटिस जारी किया है। 6 अप्रैल को जारी इस सूचना में रानी कपूर ने साफ किया है कि प्रिया कपूर अब ट्रस्टी के पद पर नहीं हैं और उन्हें तत्काल प्रभाव से इस हैसियत से काम करना बंद कर देना चाहिए।
यह नया पत्र 21 मार्च को भेजे गए एक पूर्व नोटिस के बाद उठाया गया कदम है। इस नोटिस में रानी कपूर ने 26 अक्टूबर, 2017 के ट्रस्ट डीड के प्रावधानों का इस्तेमाल करते हुए प्रिया कपूर को हटाने की प्रक्रिया शुरू की थी। 15 दिनों का नोटिस पीरियड समाप्त होने के बाद, 6 अप्रैल से प्रिया कपूर का ट्रस्टी बने रहना अवैध हो गया है। रानी कपूर ने अपने फैसले के समर्थन में ट्रस्ट डीड के 'क्लॉज 8.12(i)' का विशेष रूप से हवाला दिया है। उनका दावा है कि यह क्लॉज उन्हें बिना कोई कारण बताए किसी भी ट्रस्टी को हटाने की शक्ति देता है, और इसी शक्ति का प्रयोग करते हुए प्रिया कपूर को हटाना पूरी तरह से वैध और बाध्यकारी है। इस विवाद में दोनों ओर से कार्रवाई की गई है, लेकिन रानी कपूर ने प्रिया कपूर के उन पत्रों (24 मार्च और 4 अप्रैल, 2026) को दृढ़ता से खारिज कर दिया है, जिनमें प्रिया ने रानी कपूर को ही ट्रस्टी पद से हटाने का प्रयास किया था। रानी कपूर के अनुसार, प्रिया की ये कार्रवाइयां कानूनी रूप से अस्थिर हैं और ट्रस्ट में उनके (रानी कपूर के) अधिकार या स्थिति पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
इसके अलावा, प्रिया कपूर के इस दावे को भी खारिज कर दिया गया है कि रानी कपूर ट्रस्टी के रूप में काम करने में 'असमर्थ' हैं। रानी कपूर ने स्पष्ट किया है कि अदालत (न्यायिक हस्तक्षेप) का दरवाजा खटखटाने को अक्षमता नहीं माना जा सकता, बल्कि यह लाभार्थियों के हितों की रक्षा करने के उनके कर्तव्य का एक हिस्सा है। इस पूरे विवाद की जड़ें ट्रस्ट के अस्तित्व और संपत्तियों के अधिकार से जुड़ी हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	मीन	मे
चंद्र	धनु	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

मीन....	04-53	बजे
मेष.....	06-29	बजे
वृष....	08-13	बजे
मिथुन..	10-14	बजे
कर्क....	12-26	बजे
सिंह---	14-38	बजे
कन्या--	16-45	बजे
तुला----	18-50	बजे
वृश्चिक..	21-00	बजे
धनु.....	23-14	बजे
मकर....	01-21	बजे
कुंभ....	03-11	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
सूर्योदय **06-09**
सूर्यास्त. **18 -26**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष बुधवार **08 April 2026**
तिथि - षष्ठी **19-01** तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - मूल **08-47** पूर्ण अहोरात्र
योग - वरियान **17-09** तक उप परिघ
करण - वणिज **19-01** तक उप विष्टी

विशेष: गण्ड मूल नक्षत्र शांति

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-18 से 13-51 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया

लाभ	06-09 - 07-40	शुभ
अमृत	07-40 - 09-12	शुभ
काल	09-12 - 10-45	अशुभ
शुभ	10-45 - 12-18	शुभ
रोग	12-18 - 13-51	अशुभ
उत्पात	13-51 - 15-24	अशुभ
चंचल	15-24 - 16-57	शुभ
लाभ	16-57 - 18-26	शुभ

रात का चौघड़िया

उत्पात	18-26 - 19-57	अशुभ
शुभ	19-57 - 21-24	शुभ
अमृत	21-24 - 22-51	शुभ
चंचल	22-51 - 00-18	शुभ
रोग	00-18 - 01-45	अशुभ
काल	01-45 - 03-12	अशुभ
लाभ	03-12 - 04-39	शुभ
उत्पात	04-39 - 06-09	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन मौज मस्ती के नाम रहेगा आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है ,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है वर्त्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है दिन के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां अपने आप दूर होती जायेंगी।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें।

मिथुन — का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपकी किस्मत आपके साथ है आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें आज कोई दोस्त मिल सकता है दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

राजनीतिक नियुक्तियां कब? राधा मोहन दास अग्रवाल और वसुंधरा राजे के बयान से बढ़ी हलचल

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा सरकार की ओर से राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार लम्बे समय से नेता-कार्यकर्ता कर रहे है। इस मामले में नया मोड़ आ गया। भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के बयानों से जयपुर से लेकर सीकर सहित पूरे प्रदेश में राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा चल पड़ी है कि आखिरकार कब तक राजनीतिक नियुक्तियों के लिए इंतजार करना पड़ेगा।

हालांकि, राजस्थान का राजनीतिक इतिहास देखा जाए तो प्रदेश में दस-बारह बोर्ड-आयोगों को छोड़कर ज्यादातर में नियुक्तियां सरकार बनने के दो-ढाई साल बाद ही होती है। पार्टी स्थानीय चुनावों और राजनीतिक परिस्थितियों को देखकर नियुक्तियां करती है। एक तरफ जहां सत्ता धारी पार्टी के कार्यकर्ता सरकार बनते ही उम्मीद लगाए बैठे रहते हैं, वहीं सत्ता में बैठे लोग नियुक्तियों को टालते रहते हैं।

हजारों-नेता कार्यकर्ता हो सकते हैं एडजस्ट

मोटे अनुमान के अनुसार 12 हजार से ज्यादा नेता-कार्यकर्ताओं को सरकार में विभिन्न जगहों पर एडजस्ट किया जा सकता है। 110 से ज्यादा बोर्ड-निगमों-आयोग यूआइटी अध्यक्षों की नियुक्तियां भी होनी हैं। इन नियुक्तियों में उन बड़े नेताओं को एडजस्ट किया जाना है, जिनको सरकार मंत्री स्तर का दर्जा देगी। प्रदेश में अब तक मात्र 9 बोर्ड-आयोगों में ही राजनीतिक नियुक्तियां हो सकी हैं। लोकायुक्त का पद भी रिक्त चल रहा है। आखिरी नियुक्ति राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी के रूप में हुई थी।

सीएम तय नहीं करते, सहमति से लेते हैं फैसले: राधा मोहन दास अग्रवाल

सीकर में भाजपा के कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि हमारे यहां एक व्यक्ति सरकार नहीं चलाता। यहां फैसले पूरी तरह सामूहिक होते हैं। राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर कहा कि मैं मानता हूं इसमें देरी हुई है, लेकिन अब ज्यादा देर नहीं होगी। मुख्यमंत्री अकेले राजनीतिक नियुक्ति तय नहीं करते। मुख्यमंत्री को प्रदेश के सभी नेताओं से बातचीत करनी होती है और इसके बाद संगठन की सहमति लेनी होती है। इसके बाद भी केन्द्रीय नेतृत्व की सहमति लेनी होती है।

वफादारों को ही मिले राजनीतिक नियुक्तियां

भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने कहा कि कई लोगों ने दल बदला, तो कई लोगों ने दिल। कई लोग ऐसे भी हैं जो दल तो बदल लेते हैं, पर दिल नहीं। इसलिए जरूरी है कि हम हमारी मूल विचारधारा के वफादार कार्यकर्ताओं को सम्मान दें। राजनीतिक नियुक्तियां और दायित्व उन्हीं कार्यकर्ताओं को दें जो मूल भाजपा के हैं। जिनमें संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण के भाव हों। जिन्होंने पार्टी के लिए संघर्ष किया है। जो पार्टी विचारधारा के हैं। ऐसे कार्यकर्ताओं को ही मौका मिले, अवसरवादियों को नहीं।

डिजिटल डकैती का 'दुबई' कनेक्शन

400 फर्जी सिग्नेचर से सिस्टम हैक, सिर्फ 1 लॉगिन से 400 करोड़ ठगे

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने डीजीएफटी-आइसीईगेट स्क्रिप घोटाले का सनसनीखेज खुलासा किया है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन सामने आया है। पुलिस ने संगठित साइबर ठगी के इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि गिरोह का संचालन दुबई से होने के संकेत मिले हैं।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने फर्जी आधार और पैन कार्ड के जरिए डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) तैयार किए। इनके जरिए डीजीएफटी-आइसीईगेट के सुरक्षित पोर्टल में अनधिकृत लॉगिन कर निर्यातकों के खातों तक पहुंच बनाई गई। इसके बाद ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्स को फर्जी खातों में ट्रांसफर कर भुना लिया गया। रकम छिपाने के लिए म्यूल खातों के जरिए कई बार ट्रांजैक्शन किए गए।

मोबाइल और ईमेल आइडी बदलकर करते खेल

स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश ने बताया कि यह मामला 'मरुधर क्वाट्र्ज सर्फेसेस प्रा. लि.' के निदेशक सौरभ बाफना की शिकायत पर दर्ज हुआ। उन्होंने बताया कि 17 दिसंबर 2025 के बाद लॉगिन नहीं करने के बावजूद 18 दिसंबर को उनकी आइईसी आइडी से 17.88 लाख रुपए की पांच स्क्रिप्स ट्रांसफर कर दी गईं।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि अप्रेल 2025 में भी इसी तरह 15.80 लाख रुपए की स्क्रिप्स निकाली गई थीं। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने पहले कंपनी की प्रोफाइल में मोबाइल नंबर और ईमेल आइडी बदलकर नियंत्रण हासिल किया, फिर फर्जी डिजिटल हस्ताक्षरों से सिस्टम में प्रवेश किया। विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से 400 से अधिक फर्जी डिजिटल सर्टिफिकेट बनाए गए, जिनका उपयोग अलग-अलग कंपनियों के खातों में सेंध लगाने के लिए किया गया। कमिश्नर के अनुसार इस रैकेट के माध्यम से लगभग 400 करोड़ रुपए की ठगी की गई है, हालांकि जांच अभी जारी है।

ये आरोपी गिरफ्तार

गिरोह के तार जोधपुर, पाली सहित कई शहरों से जुड़े हैं। अब तक 13 संदिग्धों की पहचान की जा चुकी है, जिनमें से पांच को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में जोधपुर निवासी सुल्तान खान, नंद किशोर, अशोक कुमार भंडारी, प्रमोद खत्री और पाली निवासी निर्मल सोनी शामिल हैं।

गिरोह के सदस्यों की तलाश में सीकर में भी दबिश दी जा रही है। जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क के संचालन के लिए राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली के साथ-साथ दुबई के आईपी एड्रेस का उपयोग किया गया। राहत की बात यह रही कि पुलिस ने समय रहते पूरी राशि फ्रीज कर मूल खाते में वापस करवा दी।

गारनेट अवैध वसूली कांड: सीएम भजनलाल के सख्त एक्शन से मची खलबली; चार गिरफ्तार; प्रशासन और जिलाध्यक्ष से मांगा सीधा जवाब

भीलवाड़ा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटड़ी-जहाजपुर क्षेत्र में गारनेट (रेत का सोना) माफिया से अवैध वसूली के मामले ने राजस्थान की सत्ता के गलियारों में भूचाल ला दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए सीधे भीलवाड़ा भाजपा संगठन से जवाब-तलब किया है। आईपीएस माधव उपाध्याय के एपीओ होने और जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा का नाम सुर्खियों में आने के बाद अब जांच की आंच सत्ता की ऊपरी सीढ़ियों तक पहुंच गई है। माना जा रहा है कि भीलवाड़ा पुलिस महकमे में जल्द ही एक बड़ी 'सर्जिकल स्ट्राइक' देखने को मिल सकती है। सरकार से लेकर पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। आईपीएस माधव को एपीओ किया और जहाजपुर विधायक गोपीचंद की कुंडली खंगालने का काम शुरू हुआ।

सीएम का सीधा दखल, जिलाध्यक्ष से मांगा कच्चा-चिट्ठा

जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा के आरोपी अजय पांचाल से नजदीकियां और आईपीएस की संदिग्ध भूमिका पर मुख्यमंत्री शर्मा स्वयं नजर रख रहे हुए हैं। सीएम ने भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा से लगातार दो दिन संपर्क कर विधायक की भूमिका और जिले के समीकरणों पर फीडबैक लिया। विधायक मीणा के पास भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष की अहम जिम्मेदारी होने के कारण सीएमओ इस मामले के हर पहलू को बारीकी से खंगाल रहा है। आईपीएस माधव को लेकर भी कई सवाल जिला संगठन से मुख्यमंत्री ने किए हैं।

रिमांड पर वसूली के आरोपी, उगलेंगे राज

जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा के विधायक प्रतिनिधि एवं अवैध वसूली के मुख्य आरोपी अजय पांचाल समेत नंद सिंह, कालू गुर्जर और नारायण गुर्जर को पुर थाना पुलिस ने सिविल न्यायाधीश (कोटड़ी) वर्षा आमेरा के समक्ष पेश किया। कोर्ट ने चारों आरोपियों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। अब रिमांड के दौरान पुलिस यह कबूल करवाने की कोशिश करेगी कि वसूली के तार महकमे में और राजनीति में कहां-कहां जुड़े हैं। अब तक कितनी वसूली की गई और कहां से वसूली के तार जुड़े हुए हैं, पता लगाया जाएगा। पुलिस आरोपियों के मोबाइल की कॉल डिटेल, व्हाट्सएप चैट व वसूल की गई राशि के बारे में पता लगाएगी।

सीएमओ को भेजेंगे तथ्यात्मक रिपोर्ट

भाजपा जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा ने समूचे मामले को लेकर उनसे बातचीत की। सीएम ने जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा और आईपीएस माधव उपाध्याय को लेकर फीडबैक लिया। इसी प्रकार उन्होंने समूचे मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट चाही है। यह रिपोर्ट जल्द भिजवा दी जाएगी।

अवैध वसूली मामले में आईपीएस माधव एपीओ

भीलवाड़ा के कोटड़ी क्षेत्र में गारनेट माफिया से अवैध वसूली मामले में संदिग्ध भूमिका सामने आने पर एएसपी वृत्त भीलवाड़ा सदर (आईपीएस) माधव उपाध्याय को एपीओ कर दिया है। इसके आदेश संयुक्त शासन सचिव डॉ. धीरज कुमार सिंह ने जारी किए। उल्लेखनीय है कि गारनेट माफिया से अवैध वसूली मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था और इसमें आईपीएस अधिकारी माधव उपाध्याय की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी। वहीं, गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है।

विधायक ने कराई थी मुलाकात

गिरफ्तार चार लोगों में से एक अजय पांचाल जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा का खास है। विधायक गोपीचंद ने ही अजय की मुलाकात पुलिस अधिकारियों से करवाई थी। आरोपी पांचाल की गिरफ्तारी के बाद विधायक गोपीचंद मीणा पर भी सवालों के घेरे में हैं। भीलवाड़ा में गारनेट माफिया से अवैध वसूली और और उसमें एक आईपीएस अधिकारी की संदिग्ध भूमिका ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खाकी पर भरोसा तब ही डगमगाता है, जब वही तंत्र संरक्षण देने के आरोपों से घिर जाए। आईपीएस माधव उपाध्याय को एपीओ किया जाना स्पष्ट रूप से सिस्टम के भीतर पनप रहे उस गठजोड़ की स्वीकारोक्ति है, जिसे अब तक नजरअंदाज किया जाता रहा। हालांकि, एपीओ करना भी कोई सजा नहीं है, इस मामले में अधिकारी उपाध्याय पर आपराधिक कार्रवाई की जानी चाहिए। यह प्रकरण साफ बताता है कि माफिया और सत्ता के बीच की दूरी खतरनाक रूप से कम हो चुकी है।

सचिवालय में 'सरप्राइज़ चेक', लाइब्रेरी बिल्डिंग में 59% कर्मचारी मिले नदारद- मचा हड़कंप

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित शासन सचिवालय में अनुशासन की धज्जियां उड़ती नजर आईं। मंगलवार सुबह प्रशासनिक सुधार विभाग की टीम ने लाइब्रेरी बिल्डिंग में औचक निरीक्षण किया, जिसमें चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। एसीएस दिनेश कुमार के सख्त निर्देशों पर हुई इस कार्रवाई ने सचिवालय के गलियारों में खलबली मचा दी है। टीम ने पहुँचते ही सबसे पहले हाजिरी के 5 रजिस्टर अपने कब्जे में ले लिए, ताकि कोई पीछे से साइन न कर सके।

अनुशासन की खुली पोल- 61 में से 36 कर्मचारी गायब

निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था की बेहद चिंताजनक स्थिति सामने आई। लाइब्रेरी बिल्डिंग में तैनात कुल 61 नॉन-गजेटेड (अराजपत्रित) कर्मचारियों में से 36 कर्मचारी अपनी सीट पर मौजूद नहीं थे।

आंकड़ों के लिहाज से करीब 59 फीसदी कर्मचारी ड्यूटी समय शुरू होने के बाद भी दफ्तर नहीं पहुँचे थे। राहत की बात यह रही कि बिल्डिंग में तैनात एकमात्र गजेटेड ऑफिसर समय की पाबंदी दिखाते हुए अपने दफ्तर में मौजूद मिले।

यह पूरी कार्रवाई प्रशासनिक सुधार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार के आदेश पर की गई। टीम का नेतृत्व सुनील शर्मा और रामस्वरूप बिश्नोई ने किया। टीम ने सुबह कार्यालय समय शुरू होते ही रेड मारी, जिससे कर्मचारियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

'बाबू' और नॉन-गजेटेड स्टाफ रडार पर

निरीक्षण रिपोर्ट में साफ हुआ है कि जहां अधिकारी समय पर आ रहे हैं, वहीं सचिवालय का सहायक स्टाफ और बाबू श्रेणी के कर्मचारी समय पालन को लेकर गंभीर नहीं हैं। ARD टीम ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता माना है और गैरहाजिर मिले सभी 36 कर्मचारियों की सूची तैयार कर ली है।

अब होगी सख्त कार्रवाई

एआरडी की टीम ने इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को सौंप दी है। विभाग ने अनुपस्थित पाए गए सभी 36 कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को पत्र लिख दिया है। सूत्रों की मानें तो इन कर्मचारियों के खिलाफ चार्जशीट जारी करने के साथ-साथ वेतन कटौती जैसे सख्त कदम भी उठाए जा सकते हैं।

सचिवालय में 'बायोमेट्रिक' के दावों पर सवाल

सचिवालय जैसी महत्वपूर्ण जगह पर इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों का गायब मिलना प्रशासन की साख पर सवाल खड़े करता है। इस रेड के बाद अब सचिवालय की अन्य बिल्डिंग्स (मेन बिल्डिंग, एसएसओ बिल्डिंग) में भी कर्मचारियों के बीच हड़कंप है और हाजिरी को लेकर सख्ती बढ़ा दी गई है।

पांच दिन में पांच बच्चों की रहस्यमयी मौत

उल्टी-दस्त और बुखार से फैली दहशत; मांगी गई सर्वे रिपोर्ट

सलूंबर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सलूंबर जिले के लसाड़िया ब्लॉक में पांच दिनों के भीतर पांच नाबालिग बच्चों की मौत ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना दिया है। सभी मृत बच्चों की उम्र महज दो से चार साल के बीच थी। बच्चों में तेज बुखार, उल्टी-दस्त और ऐंठन जैसे लक्षण अचानक उभरे और इलाज के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इन मौतों ने न सिर्फ परिवारों को तोड़ दिया, बल्कि पूरे क्षेत्र में भय और बेचैनी का माहौल पैदा कर दिया है।

ये सभी घटनाएं लसाड़िया ब्लॉक के घाटा और लालपुरा गांवों में सामने आई हैं। परिजनों का कहना है कि बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ी और पहले स्थानीय स्तर पर उपचार कराया गया। हालत बिगड़ने पर उन्हें धरियावद अस्पताल ले जाया गया, जहां से जिला चिकित्सालय प्रतापगढ़, सलूंबर जिला अस्पताल और अंत में एमबी अस्पताल उदयपुर रेफर किया गया। इनमें से दो बच्चों की रास्ते में ही मौत हो गई, जबकि तीन ने अस्पताल में दम तोड़ा। मृतक बच्चों में दीपक मीणा, सीमा, लक्ष्मण मीणा, काजल मीणा और राहुल मीणा शामिल हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर मोहम्मद जुनैद पीपी और एसडीएम दिनेश आचार्य खुद गांव पहुंचे और हालात का जायजा लिया। कलेक्टर ने चिकित्सा टीम को पूरे क्षेत्र का व्यापक सर्वे कर जल्द रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। बीसीएमओ डॉ. सिंटू कुमावत के नेतृत्व में एक विशेष मेडिकल टीम गांव में डेरा डाले हुए है। टीम घर-घर जाकर बच्चों की जांच कर रही है और रक्त के नमूने ले रही है। ग्रामीणों को साफ-सफाई रखने और पानी उबालकर पीने की सलाह दी जा रही है। हालांकि, अभी तक मौतों की सटीक वजह सामने नहीं आई है। चिकित्सा विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि यह किसी वायरल संक्रमण का असर है या मौसमी बीमारी का प्रकोप। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से बचने और किसी भी लक्षण पर तुरंत अस्पताल जाने की अपील की है।

मंत्री का बंदूकों और 'तोप' से स्वागत

डीएसपी साहब खड़े-खड़े देखते रहे, अब होगा सख्त एक्शन!

दौसा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले के समलेटी गांव से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने कानून और व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के स्वागत में ग्रामीणों ने उत्साह की सारी हदें पार करते हुए न केवल देसी बंदूकों से हर्ष फायरिंग की, बल्कि 'तोपें' भी दाग दीं। हैरान करने वाली बात यह रही कि जिस समय बारूद के धमाके हो रहे थे, उस वक्त पुलिस के आला अधिकारी वहां मूकदर्शक बनकर खड़े तमाशा देखते रहे।

जब कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा और महवा विधायक राजेंद्र मीणा समलेटी गांव में विद्युत निगम के जीएसएस का लोकार्पण करने पहुंचे थे। मंत्री के पहुंचते ही ग्रामीणों ने उनका अभूतपूर्व स्वागत किया। इस दौरान कुछ युवकों ने टोपीदार बंदूकों से हवा में गोलियां चलाईं और स्थानीय भाषा में 'रेकड़ा' कही जाने वाली तोपें भी दागीं। इसके बाद स्वागत से गदगद मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने मंच से संबोधित करते हुए कहा- आज समलेटी में ऐतिहासिक स्वागत हुआ है। जब तोपें चल रही थीं, तो ऐसा लग रहा था जैसे ईरान की मिसाइलें छूट रही हों और अमेरिका-इजरायल के बम चल रहे हों। हमारे जवान साथी देसी बंदूकें लेकर स्वागत कर रहे थे, डीजे बज रहा था और महिलाएं नाच रही थीं। वाकई जोरदार स्वागत था।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि जब सरेआम हर्ष फायरिंग की जा रही थी, तब महवा डीएसपी मनोहर लाल मीणा और सलेमपुर थानाधिकारी संत चरण मौके पर ही मौजूद थे। कानूनन किसी भी सार्वजनिक उत्सव या समारोह में हर्ष फायरिंग करना जानलेवा और दंडनीय अपराध है, लेकिन अधिकारियों ने बारूद उड़ाने वाले युवकों को रोकने की जहमत तक नहीं उठाई।

वीडियो के उच्चाधिकारियों तक पहुंचने और किरकिरी होने के बाद पुलिस महकमा हरकत में आया है। महवा थानाधिकारी राजेंद्र मीणा ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई है।

ट्रक की भीषण टक्कर ने छीनी तीन जिंदगियां

चालक मौके से फरार; एक की हालत गंभीर

चूरू, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। चूरू जिले के छापर थाना क्षेत्र में सुजानगढ़-छापर मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल है। हादसा इतना भीषण था कि सामने से ट्रक की टक्कर में दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि, तीसरे की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस चालक की तलाश में जुट गई है। बाइक सवार छापर निवासी भागीरथ उम्र 27, सांवरमल उम्र 23 साल, बीरबल मेघवाल उम्र 24 साल और ईश्वर छापर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। ईश्वर की हालत अभी गंभीर बनी हुई है। उसे इलाज के लिए जयपुर रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही बीदासर डीएसपी नेमीचंद और छापर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। थानाधिकारी इंद्रलाल महर्षि ने बताया कि ट्रक में एफसीआई का गेहूं भरा हुआ था। पुलिस ने शवों को शवागृह में रखवाकर परिजनों को सूचना दे दी है। पुलिस ने फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

एक्शन मोड में नजर आए कलेक्टर, ठेकेदार पर लगाई 25 हजार की पेनल्टी; सफाई कार्य में बरती थी लापरवाही

सिरोही, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सिरोही जिला कलेक्टर रोहिताश्वसिंह तोमर ने अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, पार्किंग, लैब, आईसीयू, दवा वितरण केंद्र, भंडार और विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर में साफ-सफाई में लापरवाही मिलने पर संबंधित ठेकेदार पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने परिसर में गंदगी फैलाने वालों पर भी सख्त कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाने के आदेश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एनीमिया की रोकथाम के लिए दो चरणों में विशेष अभियान चलाने की बात कही। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को साफ-सफाई व्यवस्था मजबूत करने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पीएसए प्लांट को एक माह के भीतर शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही बीपी और शुगर के मरीजों की जांच निर्धारित कक्ष में ही सुनिश्चित करने को कहा। पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए गार्ड तैनात करने के निर्देश भी दिए गए। गर्मी को देखते हुए कूलर और पंखों की उचित व्यवस्था, नियमित सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। दवा वितरण केंद्र और भंडार के निरीक्षण के दौरान अनुपलब्ध दवाओं की सूची तैयार करने और खरीदी गई दवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

शिकार गन हाउस कांड: टाइगर की खाल असली या नकली? हथियारों के जखीरे ने सुरक्षा एजेंसियों को किया अलर्ट

जयपुरः गुलाबी नगरी जयपुर के 'शिकार गन हाउस' से जुड़ी परतों ने राजस्थान पुलिस और वन विभाग की नींद उड़ा दी है। एक मामूली हेड कांस्टेबल की गिरफ्तारी से शुरू हुआ यह मामला अब टाइगर की खाल की तस्करी और अवैध हथियारों के अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट की ओर मुड़ता दिख रहा है। एटीएस और वन विभाग की संयुक्त टीम अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी है कि जयपुर के एक प्रतिष्ठित गन हाउस के मालिक के पास आखिर 'बाघ की खाल' और 'छेड़छाड़ किए हुए हथियार' क्या कर रहे थे? छापेमारी के दौरान गन हाउस मालिक के ठिकाने से टाइगर की खाल बरामद हुई है। आरोपी पक्ष का दावा है कि यह खाल उनके पास तीन पीढ़ियों से है और यह खानदानी विरासत है। हालांकि, वन विभाग के जानकारों को पहली नजर में यह खाल संदिग्ध लगी है। खाल पर रगड़ के निशान मिले हैं, जो संकेत देते हैं कि इसे हाल ही में 'प्रोसेस' किया गया हो सकता है।

'ड्रग वाली गर्लफ्रेंड' से पुलिस ने की दोस्ती फिर विश्वास जीतकर पलट दिया 'गेम'

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर के शास्त्री नगर इलाके में पुलिस ने एक ऐसी 'लेडी डॉन' का पर्दाफाश किया है, जिसका काम करने का तरीका किसी बॉलीवुड क्राइम थ्रिलर फिल्म से कम नहीं है। जयपुर कमिश्नरेट के 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' के तहत पुलिस ने एक ऐसी महिला तस्कर को दबोचा है, जो पहले युवाओं को अपने हुस्न के जाल में फंसाती थी और फिर उन्हें ब्लैकमेल कर ड्रग्स तस्कर बना देती थी।

गिरफ्तार आरोपी महिला की पहचान मीनू गुप्ता के रूप में हुई है। उसके साथ उसके सहयोगी सिकंदर को भी झोटवाड़ा से गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी करण शर्मा ने बताया कि मीनू का नेटवर्क बहुत ही शातिर था। वह खुद को होमगार्ड बताकर युवाओं से दोस्ती करती थी। एक बार जब कोई युवक उसके प्रेमजाल में फंस जाता, तो वह उसे डरा-धमकाकर नशीले पदार्थों की तस्करी के दलदल में धकेल देती थी। शास्त्री नगर पुलिस को इनपुट मिला था कि मीनू युवाओं को ब्लैकमेल कर रही है। उसे रंगे हाथों पकड़ने के लिए पुलिस ने 'लोहे को लोहा काटता है' वाली रणनीति अपनाई। आरपीएस विमला के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम बनाई गई, जिसमें पुलिस के जवान सादा वर्दी में 'दोस्त' बनकर मीनू के संपर्क में आए। पुलिस के जवानों ने मीनू से दोस्ती बढ़ाई और धीरे-धीरे विश्वास जीता। जैसे ही मीनू को भरोसा हुआ कि ये नए 'दोस्त' उसके काम आ सकते हैं, उसने उन्हें ड्रग्स की डिलीवरी और तस्करी के ऑफर देने शुरू कर दिए। जैसे ही सौदा तय हुआ और मीनू ड्रग्स लेकर पहुंची, पहले से जाल बिछाए बैठी पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

डंपिंग यार्ड के विरोध में विधायक कौशिक रेड्डी की दीक्षा

करीमनगर, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूरबाद के अंबेडकर चौक के पास बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने सिरसापल्ली गांव के पास प्रस्तावित डंपिंग यार्ड के विरोध में एक दिवसीय दीक्षा शुरू की। पुलिस की पाबंदियों के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण विभिन्न गांवों से पहुंचकर दीक्षा में शामिल हुए। बढ़ती भीड़ के बीच पुलिस ने अतिरिक्त तंबू लगाने की अनुमति नहीं दी और कुछ तंबू हटवा दिए, जिससे लोगों को तेज धूप में विरोध करना पड़ा। दीक्षा के दौरान कौशिक रेड्डी ने पुलिस पर पिछले दिनों से विरोध कार्यक्रमों में बाधा डालने का आरोप लगाया और सरकार से अपील की कि आंदोलन को न रोका जाए। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष व्यक्तिगत नहीं बल्कि क्षेत्र के लोगों के भविष्य के लिए है।

विधायक ने स्पष्ट कहा कि सरकार को डंपिंग यार्ड स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और जब तक इस संबंध में जारी आदेश वापस नहीं लिया जाता, आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि करीमनगर और वारंगल का कचरा सिरसापल्ली में डाला गया तो आसपास के कई मंडलों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ेगा।

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. सीएओ/निर्माण/आरएसपी/एससी/02/2026-कैपिटल (वर्क्स)/डिपाजिट, दि.01-04-2026 & 02-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.24-04-2026 के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, ई-निविदा सं. निर्माण-सीएओ-आरएसपी-26-003, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः (1) बीजेडए-जीडीवी सेक्शनः नीडामनुरु तथा उप्पलुरुट स्टेशनों के बीच एलसी नं.16 के स्थान पर 2 लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। (2) बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः गन्नावरम तथा पेद्दा आउटापल्ली स्टेशनों के बीच एलसी नं.324 के स्थान पर 2 लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। & (3) बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः पेद्दा आउटापल्ली तथा तेलाप्रोलु स्टेशनों के बीच एलसी नं.328ए के स्थान पर 2 लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.128,28,37,926.53
अग्रधन रु.2,56,56,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 18 महिने, त्रुटि उत्तरदायित्व अवधिः 48 महिने, मानक पात्रता मानदंड की ओर प्रकृति में समान माने गए कार्यः बी.॥ (डी) कोई भी स्टील कम्पोजिट/बोस्ट्रीन्ग गिर्डर युक्त रेलवे/मेट्रो/रोड ब्रिज का कार्य तथा/या सुपर स्ट्रक्चर में पीएससी गिर्डर कार्य।

क्रम सं.2, ई-निविदा सं. निर्माण-सीएओ-आरएसपी-26-004, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः मेडापाडु तथा सामलकोट स्टेशनों के बीच एलसी नं.422 के स्थान पर तथा सामलकोट और पीठापुरम स्टेशनों के बीच एलसी नं.426 के स्थान पर & रविकामपाडु तथा अन्नावरम स्टेशनों के बीच एलसी नं. 439 के स्थान पर 2 लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.168,93,61,889.66
अग्रधन रु.3,37,87,300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 18 महिने, त्रुटि उत्तरदायित्व अवधिः 48 महिने, मानक पात्रता मानदंड की ओर प्रकृति में समान माने गए कार्यः बी.॥ (डी) कोई भी स्टील कम्पोजिट/बोस्ट्रीन्ग गिर्डर युक्त रेलवे/मेट्रो/रोड ब्रिज का कार्य तथा/या सुपर स्ट्रक्चर में पीएससी गिर्डर कार्य।

क्रम सं.3, ई-निविदा सं. निर्माण-सीएओ-आरएसपी-26-006, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजनः काजीपेट--बल्लारशाह सेक्शनः उप्पल तथा हसनपर्ती स्टेशनों के बीच एलसी नं.13 के स्थान पर दोनों ओर रैम्प्स सहित (पैदल चलनेवालों तथा दुपहिया /तिपहिया वाहनों की आवाजाही हेतु) पब्लिक फूट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.11,01,76,703.42
अग्रधन रु.22,03,500.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, त्रुटि उत्तरदायित्व अवधिः 48 महिने, मानक पात्रता मानदंड की ओर प्रकृति में समान माने गए कार्यः बी.5 - स्टील फैब्रिकेशन युक्त तथा एफओबी के इरेक्शन या स्टील/कम्पोजिट गिर्डर पुलों या स्टील कम्पोजिट गिर्डर युक्त आरओबी या इण्डस्ट्रीयल शेड या पीएफ शेल्टर (स्टील) या माइक्रोवेव/एचटी टावर या स्टील मेम्बर्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट/ स्टील गिर्डर पुलों की मरम्मत या गिर्डर पुलों पर स्टील स्लीपर्स का कोई भी कार्य।

क्रम सं.4, ई-निविदा सं. निर्माण-सीएओ-आरएसपी-26-007, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः रेणिगुन्टा (आरयु)-गूटी सेक्शनः गूटी स्टेशन यार्ड पर एलसी नं.179 के स्थानपर, पुल के नीचे नई सडक (रोड अंडर ब्रिज) का प्रस्तावित निर्माण कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.27,77,93,553.89
अग्रधन रु.55,55,900.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, त्रुटि उत्तरदायित्व अवधिः 48 महिने, मानक पात्रता मानदंड की ओर प्रकृति में समान माने गए कार्यः ए3-बाक्स पुशिंग/पाइप जैकिन्ग तकनीकी से युक्त कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य या कास्टीन्ग तथा लान्चिंग युक्त पीएससी स्लैब/पीएससी गिर्डर/पीएससी बाक्स का पुल कार्य।

क्रम सं.5, ई-निविदा सं. निर्माण-सीएओ-आरएसपी-26-008, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः काटपाडी-तिरुपति सेक्शनः काटपाडी तथा बोम्मासमुद्रम स्टेशनों के बीच 2 लेन रोड ओवर ब्रिज (रेलवे पोर्शन) का निर्माण कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.6,05,86,697.16
अग्रधन रु.12,11,700.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, त्रुटि उत्तरदायित्व अवधिः 48 महिने, मानक पात्रता मानदंड की ओर प्रकृति में समान माने गए कार्यः बी-1ए. स्टील कम्पोजिट सुपरस्ट्रक्चर युक्त मेजर ब्रिजेस या प्रमुख पुलों का कार्य व स्टील के निर्माण तथा /या सबस्ट्रक्चर युक्त कम्पोजिट गिर्डर्स पुल (ए) ओपन/पाइल/उत्तम नींव सहित या (बी) पाइल /उत्तम नींव या (सी) उत्तम नींव से जुडा कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

*निविदाकार, केवल ई-टेंडरिंग द्वारा ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। *आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध हैं, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देखा जा सकता है तथा उपरोक्त वेबसाइट द्वारा भाग लिया जा सकता है। *सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, अग्रधन का भुगतान, केवल आनलाइन पेमेन्ट्स/बीजी द्वारा ही करें। *यह निविदा सूचना, सीएओ/निर्माण/आरएसपी का कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की गयी है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनो में देखा जा सकता है। *रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। *सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआईएन पहचान संख्याएं प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर सहित प्रस्तुत करें।

हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

डीवाय. सीई/निर्माण/आरएसपी/ सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. 41_ डीआरएम_ डब्ल्यू_एचवायबी _ 26 दि.02-04-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे- दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से दि.30-04-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. 41_ डीआरएम_ डब्ल्यू_एचवायबी_26 कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः 1) तत्संबंधित हैदराबाद डिवीजन में हैदराबाद भवन कम्पाउण्ड पर नये कंट्रोल आफिस तथा एससीडीए बिल्डिंग का प्रस्तावित निर्माण कार्य। 2) डिवीजनल हेडक्वार्टर्स पर 24x7 सेन्ट्रल मानिटरिंग सिस्टम सेटअप का प्रावधान तथा 3)एचवायबी भवन के नई एससीडीए बिल्डिंग पर एससीडीए सहित सेन्ट्रलाइज्ड कन्ट्रोल सेन्टर हेतु सुविधाओं का प्रावधान।
अनुमानित मूल्य रु.20,64,18,272.00, अग्रधनः रु.41,28,400.00

अधिक जानकारी हेतु हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/हैदराबाद

निविदा सं.01-ओडब्ल्यू-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी, 02-एसटी-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी, 03-पीए-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी के लिए निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/एम/एचवायबी द्वारा अधोलिखित निविदाएं, संबंधित बंद करने की तिथि 30-04-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः निविदा सं.01-ओइडब्ल्यू-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजनः एसएलजीडी, एमएलवाय, एनएलजीडी क्षेत्राधिकार में सर्विस बिल्डिंग्स/कालोनियों आदि युक्त युजी केबुल्स सहित एलटी ओएच लाइनों का रिप्लेसमेन्ट या प्रतिस्थापन।
अनुमानित मूल्य रु.3,42,51,845.00 अग्रधन रु. 6,85,000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बन्द करने की तिथिः30-04-2026

क्रम सं.2, कार्य विवरणः निविदा सं.02-एसटी-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजनः डिवीजनल हेडक्वार्टर्स पर दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे का कार्य से संबंधित 24x7 सेंट्रल मानिटरिंग सिस्टम सेटअप का प्रावधान-मौजूदा कवच क्षेत्र के कम घनत्व रास्तों या लो डेन्सिटी रूट्स में कवच वर्शन 3.2 से 4.0 तक उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य-बिजली व्यवस्थाएं।
अनुमानित मूल्य रु. 1,50,00,514.00 अग्रधन रु. 3,00,000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, बंद करने की तिथिः 30-04-2026

क्रम सं.3, कार्य विवरणः निविदा सं.03-पीए-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजनः17 गूड्स शेड्स पर सीसीटीवी सर्वेइल्लन्स सिस्टम का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं।
अनुमानित मूल्य रु. 91,93,939.00 अग्रधन रु.1,83,900.00 पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 30-04-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर.डीईई/एम/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500071

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/हैदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/ 13/2026 दि.06-04-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु विवरित तत्संबंधित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1 निविदा सं. ई-08-पूर्व-बीजेडए-2026 कार्य विवरणः कार्य का नामः बीजेडए डिवीजनः जीडीआर-बीजेडए & बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन्सः विजयवाडा डिवीजन में रि-रेलिन्ग रैम्प्स हेतु पीएससी स्पेशल स्लीपर्स-8 सेट्स का प्रापण या प्रोक्योरमेन्ट कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 04 (चार महिने) निविदा मूल्य रु.38,72,678.00 अग्रधन रु.77,500.00 बंद करने की तिथिः 17-04-2026

क्रम सं.2 निविदा सं. ई-09-पूर्व-बीजेडए-2026 कार्य विवरणः कार्य का नामः एसडब्ल्यू-।- एसएसवी/वर्क्स/जीडीवी सेक्शन के तहत कोरोंडेड रेन वाटर गट्टर्स, सीओपीज के रूफ शीट्स, सीओपीज, एफओबीज तथा सर्विस बिल्डिन्स की पेन्टिंग एवम् स्टेशनों पर वाटर पाइप लाईनों, वाटर पेडेस्टल्स की मरम्मत। एसडब्ल्यू-॥ - एसएसवी/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन के तहत स्टेशनों पर सीओपीज की मरम्मत, सीओपीज, एफओबीज तथा स्टेशन नेम बोर्ड्स को चमकाना या ब्राइटनिंग कार्य।
कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने), निविदा मूल्य रु.4,34,27,782.00 अग्रधन रु.8,68,600.00 बंद करने की तिथिः 28-04-2026

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य का नाम, उपरोक्त कार्यो की समान प्रकृति का कार्य, पात्रता मानदंड आदि दिया गया है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनो/शुद्धिपत्रो को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in देखें।

यह निविदा सूचना, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) का कार्यालय, द.म. रेलवे, विजयवाडा तथा विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल आफिसों पर भी दर्शाई गयी है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया **वेबसाइट्सः** https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक फोरम को आर्थिक प्रगति से अवगत कराया गया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में बीमा, वित्तीय सेवाओं, कृषि और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे। मुख्य सचिव ने तेलंगाना की विकास यात्रा का समग्र अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि देश का सबसे युवा राज्य, जो 2014 में बना, ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की है।

राज्य ने सकल राज्य घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों के बड़े निवेशों से प्रेरित है। मुख्य सचिव ने तेजी से हो रहे शहरीकरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तेलंगाना भारत के सबसे तेजी से शहरीकरण वाले राज्यों में से एक है, जिसमें लगभग एक-तिहाई आबादी हैदराबाद और उसके आसपास निवास करती है। उन्होंने हैदराबाद को देश की फार्मा राजधानी और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बताया।

शहर की बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की उपक्रमों की विरासत ने रक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप्स के विकास में भी योगदान दिया है। मुख्य सचिव ने यह भी बताया कि हैदराबाद ने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स में बड़े निवेश आकर्षित किए हैं और यह कई राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं और मजबूत फिनटेक इकोसिस्टम का घर है। तेलंगाना की ताकतों को उजागर करते हुए उन्होंने राज्य के अनुकूल जलवायु, कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रसिद्ध व्यंजनों को निवेश के लिए प्रमुख आकर्षक तत्व बताया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना भारत के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है और 2047 तक \$3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुख्य सचिव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और तेलंगाना को वैश्विक निवेश का पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। इस अवसर पर उद्योग निदेशक निखिल चक्रवर्ती, मलाची ब्रायन नगेंट, आर दीपक जोशी, दिव्दृष्ट सिंह और विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

'रैतु नेस्तम' कार्यक्रम में शामिल हुए कृषि मंत्री

यूरिया ऐप को किसानों ने सराहा

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने मंगलवार को आयोजित 'रैतु नेस्तम' कार्यक्रम में भाग लेते हुए किसानों से सीधा संवाद किया। सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े मंत्री ने यूरिया ऐप और उर्वरक उपयोग पर किसानों के विचार जाने। इस दौरान किसानों ने यूरिया ऐप की जमकर सराहना की। किसानों ने बताया कि अब उन्हें लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ता और वे घर बैठे ही यूरिया बुक कर अपनी सुविधा अनुसार प्राप्त कर सकते हैं, जिससे समय की बचत हो रही है। किसानों ने भविष्य में भी इसी ऐप के माध्यम से यूरिया बिक्री जारी रखने की मांग की। मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की राय के आधार पर ही निर्णय ले रही है और आगे भी उनकी जरूरतों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 'रैतु नेस्तम' कार्यक्रम में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि आधुनिक कृषि पद्धतियों के बारे में उन्हें जागरूक किया जा सके। इस अवसर पर मंत्री ने यूरिया के अत्यधिक उपयोग पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तेलंगाना देश के उन राज्यों में शामिल है जहां यूरिया का अधिक उपयोग हो रहा है, जो चिंता का विषय है। अधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता घटती है, फसल उत्पादन कम होता है और कीट-रोगों का प्रकोप बढ़ता है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक तरीके से ही उर्वरकों के उपयोग की अपील की। मंत्री ने फसल कटाई के बाद अवशेषों को न जलाने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। इसके बजाय फसल अवशेषों का सही उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने किसानों को पाम ऑयल की खेती अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। मंत्री के अनुसार पाम ऑयल के साथ धान, कपास और मक्का जैसी फसलें भी उगाई जा सकती हैं, जिससे किसानों को स्थिर और अधिक आय प्राप्त होगी। इसी दिन हुज़ूराबाद नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों ने भी मंत्री से मुलाकात की और उनका सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने प्रस्तावित डंपिंग यार्ड कार्यों को रोकने की मांग रखी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और कांग्रेस नेता भी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने सड़क चौड़ीकरण पर संपत्ति मालिकों के साथ की बैठक

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर आरवी कर्णन ने केबीआर पार्क के आस-पास प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण कार्यों, जिनमें जुबिली हिल्स चेक पोस्ट, केबीआर और मुग्धा जंक्शन सहित अन्य पैकेज रोड्स शामिल हैं, पर संपत्ति मालिकों के साथ बैठक की। बैठक में सड़क चौड़ीकरण के महत्व और टीडीआर (विकास अधिकारों का हस्तांतरण) के लाभों को विस्तार से समझाया गया। संपत्ति मालिकों को टीडीआर लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा, आवेदन प्रक्रिया, टीडीआर जारी करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई और प्रभावित संपत्ति मालिकों के सवालों का समाधान किया गया।

कोत्तागुडेम में ट्रेड यूनियन चुनाव को लेकर असमंजस

कार्यकाल खत्म होने से बढ़ी चिंता

कोत्तागुडेम, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में ट्रेड यूनियन चुनाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि मान्यता प्राप्त यूनियन सिंगारेनी कोलियरीज वर्कर्स यूनियन का कार्यकाल समाप्त हो चुका है।

सिंगारेनी कोलियरीज वर्कर्स यूनियन, जो ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआईटीयूसी) से जुड़ी है, ने 27 दिसंबर 2023 को हुए चुनाव में दो साल के लिए जीत हासिल की थी। इसका कार्यकाल 26 दिसंबर 2025 को समाप्त हो गया। इसी तरह भारतीय राष्ट्रीय व्यापार संघ कांग्रेस से संबद्ध सिंगारेनी कोयला खान श्रमिक संघ का कार्यकाल भी खत्म हो चुका है। इसके बावजूद दोनों यूनियनें अपने कार्यकाल को बढ़ाने की मांग कर रही हैं।

सिरवी करियर काउंसलिंग आयोजित

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित आईमाता जी मंदिर बडेर में पुजा -अर्चना के बाद सीरवी फ्रेंड्स क्लब द्वारा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। उक्त जानकारी सुरेश सैंणचा ने प्रेस विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी काउंसलर्स ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन किया। सिविल सर्विसेज से सुनील सोलंकी (आईएएस गुजरात), इंजीनियरिंग क्षेत्र से हरीश (डीआरडीओ) एवं सुरेंद्र, आर्मी से मेजर निखिल एवं कैप्टन दीपक चौयल, काउंसलिंग विशेषज्ञ अनीता, चार्टर्ड अकाउंटेंट जगदीश, अशोक, नेमिचंद, ममता, पुरब, मेडिकल क्षेत्र से डॉ. ललिता, डॉ. प्रदीप, डॉ. बसंती, डॉ. ज्योति, डॉ. हिमांशु, डॉ. प्रतिभा, अजय शर्मा, कंपनी सेक्रेटरी से छगन, आर्किटेक्ट से भरत, भाविन, एडवोकेट से भावना, इंटीरियर डिजाइनर से दिनेश, खुशबू, कमर्शियल पायलट से नरेश, प्रवीण तथा फैशन डिजाइनर दीक्षा सोलंकी सहित अन्य विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया।

काउंसलर अनिता द्वारा पीपीटी के माध्यम से बच्चों को सही मार्गदर्शन देने का प्रयास किया गया, जिसमें करियर चयन, अवसरों एवं भविष्य की दिशा के बारे में विस्तार से समझाया गया। मंच संचालन सुरेश सैणचा व सुनिल चोयल ने किया।

एसोसिएट डीन को एसीबी ने 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए दबोचा

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार रोधी कार्रवाई के तहत एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने डॉ. एम. गोवर्धन, एसोसिएट डीन (एग्रोनॉमी), कालेज ऑफ एग्रीकल्चर, प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, को 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने पहले शिकायतकर्ता से 25 हजार रुपये लिए थे ताकि उसे 'बीज लाइसेंस' जारी किया जा सके और उसकी बीज व्यापार की संचालन प्रक्रिया में विभागीय अड़चनों से बचाव हो सके। इसके बाद आरोपी ने अतिरिक्त 1 लाख रुपये 'अनुचित लाभ' के रूप में मांग किए। एसीबी की सिटी रेंज- II इकाई ने जाल बिछाकर आरोपी के पास से 1 लाख रुपये बरामद किए। रसायनिक जांच में आरोपी की उंगलियों पर रिश्वत के पैसों के सीधे संपर्क के सकारात्मक संकेत पाए गए। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया और व्यक्तिगत लाभ के लिए ईमानदारी से परे कार्य किया। उसे गिरफ्तार कर नामपल्ली में एसपीई एंड एसीबी मामलों की विशेष अदालत में न्यायिक रिमांड के लिए पेश किया जाएगा। इस मामले की जांच जारी है और सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है।

केरल की उपलब्धियाँ पिछली यूडीएफ सरकारों के प्रयासों का परिणाम : रेवंत रेड्डी

केरल मुख्यमंत्री विजयन के पत्र का उत्तर लिखा

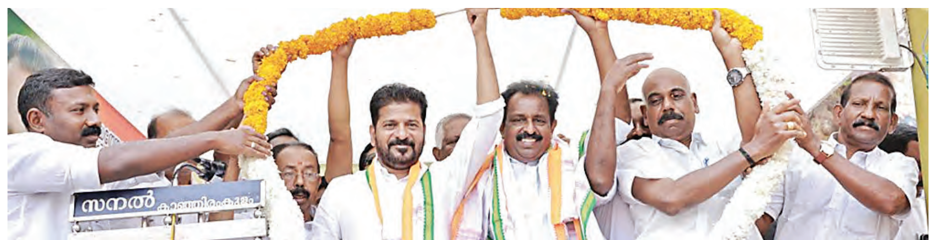

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन को लिखे पत्र में, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि केरल राज्य द्वारा अब तक हासिल की गई उपलब्धियों को पिछली यूडीएफ सरकारों के प्रयासों का परिणाम मानना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने यह भी मांग की कि केरल के लोगों को यह बताया जाए कि लगातार दो बार एलडीएफ द्वारा गठित सरकारों के कार्यकाल में वास्तव में क्या हुआ।

रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को केरल मुख्यमंत्री विजयन के पत्र का उत्तर लिखा। पत्र में उन्होंने कहा कि वह केरल सरकार के प्रदर्शन पर सम्मानपूर्वक और संयमित प्रतिक्रिया देना चाहते थे, लेकिन विजयन ने अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने विरोधियों की जल्दीबाज़ टिप्पणियों पर कभी प्रतिक्रिया नहीं देंगे।

मुख्यमंत्री ने केरल के मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि वे तेलंगाना में उनके जनताकेंद्रित सरकार के 28 महीनों के कार्यकाल के प्रदर्शन के आधार पर राज्य का मूल्यांकन करें। रेवंत रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना का जीएसडीपी 2024-25 16.12 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया, जो 10.7% की वृद्धि दर के साथ राष्ट्रीय औसत 9.9% से अधिक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 3.87 लाख तक पहुँच गई है, और इन आँकड़ों के आधार पर राज्य ने भारत में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि आरबीआई हैंडबुक 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार, तेलंगाना ने कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और केरल को पीछे छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी जनताकेंद्रित सरकार "तेलंगाना का उदय 2047" के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल एक दशक में \$1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था हासिल करना है, जिसमें हैदराबाद के पास "फ्यूचर सिटी" का विकास और नैशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, जाहिराबाद जैसी पहल शामिल हैं। साथ ही, रेवंत रेड्डी ने यह विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में केरल में बनने वाली नई सरकार "नया केरल" दृष्टिकोण को लागू करेगी। उन्होंने कहा कि केरल के लोग जल्द ही इस पर निर्णय लेंगे, जो वर्तमान समय की आवश्यकता है।

यंग एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन की नई टीम घोषित

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यंग एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (वाईईए) ने अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 2026 में नए नेतृत्व दल की घोषणा की है। संगठन ने आरसी राहुल को 2026-27 कार्यकाल के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया है। वर्ष 2012 में स्थापित यह संगठन युवा उद्यमियों का एक सक्रिय नेटवर्क बन चुका है, जो टिकाऊ और परिवार-आधारित व्यवसायों के विकास के लिए कार्य करता है। करीब 25 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 100 उद्यमियों के सदस्य आधार के साथ यह संस्था ज्ञान साझा करने, नेटवर्किंग और सामूहिक विकास के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करती है। नई कार्यकारिणी में महासचिव के रूप में आदित्य बंसल, कोषाध्यक्ष के रूप में मनसा, सदस्यता अध्यक्ष के रूप में विनीता सुराना को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं बोर्ड सदस्यों में अविनाश चुक्कापल्ली, कुणाल जैन और मोहित जडेजा को शामिल किया गया है।

करेंगुट्टालू क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों का कोई अस्तित्व नहीं : शिवधर रेड्डी

पामुनूरु में विकास कार्यों की आधारशिला रखीं

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु जिले की करेंगुट्टालू पहाड़ियों का दौरा करते हुए पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी ने इस क्षेत्र को नक्सल प्रभाव से पूर्णतः मुक्त घोषित किया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने पामुनूरु गांव में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। सभा को संबोधित करते हुए डीजीपी ने कहा कि करेंगुट्टालू क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों का कोई अस्तित्व नहीं है और गुट्टी कोया आदिवासी समुदाय के विकास एवं कल्याण के लिए निरंतर सहयोग दिया जाएगा। कल्याणकारी योजनाओं के तहत उन्होंने पामुनूरु गांव के सात जरूरतमंद परिवारों को एक ऑटो-रिक्शा, एक दोपहिया वाहन तथा मासिक आवश्यक वस्तुओं की सहायता प्रदान की।डीजीपी ने करेंगुट्टालू की प्राकृतिक सुंदरता को ध्यान में रखते हुए इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा भी की। पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यहां एक नए पुलिस चौकी की आधारशिला रखी गई। साथ ही वन विभाग, राजस्व विभाग, सीआरपीएफ और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय के लिए एक अंतर-विभागीय समन्वय केंद्र स्थापित करने की योजना भी घोषित की गई।डीजीपी ने पामुनूरु स्थित सीआरपीएफ की 39वीं बटालियन के फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस का दौरा किया और वहां तैनात जवानों से मुलाकात की। उन्होंने जवानों की सेवा भावना की सराहना करते हुए पुलिस और सीआरपीएफ के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि करेंगुट्टालू क्षेत्र को स्थायी रूप से नक्सल-मुक्त बनाए रखा जा सके। इसके बाद डीजीपी शिवधर रेड्डी ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक तेलंगाना, सुवर्णा के साथ मोरमोरू में महिला-संचालित नर्सरी का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना और नर्सरी आधारित गतिविधियों के माध्यम से स्थायी आजीविका उपलब्ध कराना है। तीसरे चरण के सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत एराइव एलाइव कार्यक्रम का आयोजन वेंकटापुरम पुलिस के तत्वावधान में किया गया, जिसमें लगभग 3,000 लोगों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डीजीपी ने 200 हेलमेट वितरित किए और लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। साथ ही उन्होंने वाहन चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक, मुलुगु जिला, सुधीर आर. केकन के पर्यवेक्षण में आयोजित किए गए। इस अवसर पर पीसीसीएफ सुवर्णा, एडीजी अनिल कुमार, एसआईबी आईजी सुमति, सीआरपीएफ आईजी विक्रम तथा एएसपी एटूरुनगरम मनन भट्ट सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एआई से होगी फेफड़ों के कैंसर की जांच

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया ने तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए एआई आधारित फेफड़ों के कैंसर जांच सुविधा शुरू करने के लिए राज्य के स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोग की घोषणा की है। इस पहल के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके माध्यम से क्योर डॉट एआई की एआई-संचालित चेस्ट एक्स-रे तकनीक को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल किया जाएगा। यह तकनीक डॉक्टरों को फेफड़ों के कैंसर के शुरुआती संकेतों, उच्च जोखिम वाले फुफ्फुसीय गांठों और फेफड़ों की 29 अन्य बीमारियों की पहचान करने में मदद करेगी। इससे मरीजों का समय पर निदान और बेहतर इलाज संभव हो सकेगा।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

एक-दो या तीन नहीं, टीम इंडिया के लिए 8 ओपनर तैयार

विश्व कप से पहले कड़ा है मुकाबला

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल में अपने प्रदर्शन के दम पर लगभग हर साल कोई न कोई खिलाड़ी भारतीय टीम का दरवाजा खटखटाता है और अपनी जगह बनाता भी है. इसका नतीजा लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप के खिताब के रूप में दिखा है, जिसमें आईपीएल से निकले सितारों की भी खास भूमिका रही. खास तौर पर बैटिंग के मामले में तो भारतीय टीम को एक से बढ़कर एक बल्लेबाज मिले हैं. इसमें भी खास तौर पर ओपनर्स की एक तरह से भरमार हो गई है और फिलहाल 8 ऐसे ओपनर्स IPL 2026 में खेल रहे हैं, जो अगले टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया के लिए दावेदारी ठोक रहे हैं.

टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद टीम इंडिया इस खिताब को बचाने के लिए 2028 में उतरेगी, जब ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में ये टूर्नामेंट खेला जाएगा. उस वर्ल्ड तक टीम में कई बदलाव होने की उम्मीद है, जिसमें सबसे अहम कप्तानी को लेकर होगा. क्या सूर्यकुमार यादव उस वर्ल्ड कप में भी कप्तान रहेंगे? ये एक बड़ा सवाल है. मगर इसके अलावा एक सवाल ये भी है कि क्या उस वर्ल्ड कप में भी अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की ओपनिंग जोड़ी उतरेगी?

अभिषेक अभी भी नंबर-1 चॉइस

ये सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि आईपीएल के जरिए कुछ अन्य युवा और नए ओपनर्स अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं. खास तौर पर सैमसन की जगह पर खतरा बना हुआ है क्योंकि फिलहाल आईपीएल में 8 ऐसे ओपनर्स खेल रहे हैं,

जिनमें से कोई भी 2028 में ये जिम्मेदारी संभाल सकता है. इसमें अभिषेक शर्मा तो हैं ही, जो फिलहाल टीम के मुख्य ओपनर हैं और फिलहाल सिर्फ 25 साल के हैं. ऐसे में उम्र भी उनके पक्ष में है. मगर इनसे भी कम उम्र के कुछ विकल्प हैं, जिसमें फिलहाल सबसे मशहूर नाम वैभव सूर्यवंशी का है.

वैभव की होगी एंट्री या जायसवाल को मिलेगा चांस?

सिर्फ 14 साल की उम्र में अपनी बैटिंग से तहलका मचा चुके वैभव अब 15 साल के हो चुके हैं और टीम इंडिया में खेलने के काबिल हो चुके हैं. पिछले सीजन से लेकर आईपीएल 2026 तक वैभव ने अपने बल्ले से गदर काटा हुआ है और अगले एक साल के अंदर उनका टी20 टीम में डेब्यू तय माना जा रहा है. अगर ऐसा होता है तो वो 2028 में नंबर-1 ओपनर के विकल्प हैं.

वहीं राजस्थान रॉयल्स में वैभव के सीनियर ओपनिंग पार्टनर यशस्वी जायसवाल भी दावेदार बने हुए हैं. अभी तक यही माना जा रहा है कि वो मौजूदा ओपनिंग जोड़ी के बैकअप हो सकते हैं. सिर्फ 24 साल के यशस्वी भले ही लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट में अभी अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं लेकिन वो अभी भी प्रमुख दावेदार हैं.

आयुष म्हात्रे भी किसी से कम नहीं

वहीं वैभव के साथ अंडर-19 टीम के ओपनर रहे आयुष म्हात्रे भी ओपनिंग के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं. फिलहाल 18 साल के आयुष चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अपनी बैटिंग का दम दिखा रहे हैं और अगले 2 साल में वो ओपनर के रोल के लिए बाकी सभी को कड़ी टक्कर दे सकते हैं. वो पार्ट टाइम स्पिन भी कर सकते हैं.

पीबीकेएस के धुरंधर ओपनर्स मारेंगे मैदान?

वहीं पंजाब किंग्स के प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह की ओपनिंग जोड़ी ने पिछले सीजन में धमाल मचाया था और इस सीजन में भी दोनों ने जोरदार शुरुआत की है. प्रभसिमरन जहां सिर्फ 22 साल के हैं तो वहीं प्रियांश 24 साल के हैं लेकिन दोनों ने अभी तक टीम इंडिया के लिए डेब्य नहीं किया है. ऐसे में अगले वर्ल्ड कप तक अगर इन्हें एक भी मौका मिलता है तो वो बाकी दावेदारों के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं.

गिल-सुदर्शन को हल्के में नहीं लेना

इन सबके अलावा वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल तो दावेदार हैं हीं. वो पहले ही टीम के लिए ओपनिंग कर चुके हैं. हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली और टीम से बाहर जाना पड़ा लेकिन अभी भी वो दावेदारी पेश करने की काबिलियत रखते हैं. उम्र भी उनके पक्ष में है क्योंकि वो भी अभी सिर्फ 26 साल के हैं.

गुजरात टाइटंस में गिल के ही ओपनिंग पार्टनर साई सुदर्शन ने भी बीते 2 सीजन में लगातार रन बटोरे हैं और पिछले सीजन में तो उन्होंने ऑरेंज कैप तक जीती थी. आईपीएल 2026 में भी उन्होंने दमदार शुरुआत की है. हालांकि वो भी फिलहाल गिल की तरह इस रेस में थोड़े कमजोर हैं लेकिन अगले 2 साल में क्या होता है, ये कोई नहीं कह सकता.

ऑस्ट्रेलियाई डेविड वॉर्नर ड्रिंक एंड ड्राइव केस में फंसे

अगले महीने कोर्ट में पेशी तय

पीएसएल के लिए पाकिस्तान लौटेंगे

सिडनी, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का केस दर्ज हुआ है। सिडनी में पुलिस ने उन्हें ब्रीथ टेस्ट के दौरान पकड़ा और गिरफ्तार कर थाने ले गई। अब उन्हें अगले महीने कोर्ट में पेश होना होगा।

यह घटना सिडनी के मारूब्रा इलाके की है, जहां पुलिस रैंडम ब्रीथ टेस्ट कर रही थी। वॉर्नर अपनी कार लेकर टेस्टिंग प्वाइंट से पहले ही रुक गए, लेकिन पुलिस ने उनके पास जाकर जांच की। टेस्ट में वे नशे की हालत में पाए गए।

पुलिस वॉर्नर को मारूब्रा पुलिस स्टेशन ले गई, जहां उनका अल्कोहल लेवल 0.104 रिकॉर्ड हुआ। इसके बाद उन पर ड्रिंक एंड ड्राइव का मामला दर्ज किया गया।

वॉर्नर इन दिनों पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। मैचों के बीच मिले ब्रेक में वे ऑस्ट्रेलिया गए थे। अब वे 9 अप्रैल को पेशावर जालमी के खिलाफ मुकाबले से पहले पाकिस्तान लौटने की तैयारी में हैं। यह मैच कराची में खेला जाएगा।

वॉर्नर ने 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 112 टेस्ट, 161 वनडे और 110 टी-20 मैच खेले। तीनों फॉर्मेट में मिलाकर 15 हजार से ज्यादा रन बनाए।

संन्यास के बाद भी वार्नर फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहे हैं। पिछले सीजन बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के लिए उन्होंने आठ मैच में 433 रन बनाए थे और टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने अगले सीजन के लिए भी टीम के साथ कॉन्ट्रैक्ट किया है।

अब कितने मैचों से बाहर हुआ दिल्ली कैपिटल्स के मिचेल स्टार्क ?

डबल इंजरी की चपेट से उबरने में लगेगा वक्त

खेल डेस्क, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के पेस अटैक का सबसे बड़ा धुरंधर अभी नहीं लौट रहा. अभी उसकी वापसी में वक्त है. हम बात कर रहे हैं मिचेल स्टार्क की, जो आईपीएल 2026 में दिल्ली की टीम के पहले दो मुकाबलों से तो वैसे ही बाहर थे. अब खबर है कि वो अगले 3 मैच और नहीं खेलेंगे. मतलब दिल्ली कैपिटल्स को स्टार्क के बिना ही आगे भी 3 मुकाबले तक मैदान में उतरने होंगे. अच्छी बात ये है कि दिल्ली की टीम ने अब तक खेले अपने दोनों मुकाबले आईपीएल 2026 में जीते हैं. दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 के अपने पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराया. फिर दूसरे में उन्होंने मुंबई इंडियंस को हराया. अब अगले तीन मुकाबले उसे गुजरात टाइटंस, चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलने है. ये मुकाबले 8, 11 और 18 अप्रैल को होंगे. दिल्ली

कैपिटल्स के लिए अगले तीनों मुकाबले अहम हैं मगर स्टार्क उससे बाहर रहेंगे.

अब सवाल है कि ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के पेसर मिचेल स्टार्क की वापसी होगी कब तक? ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वो 20 अप्रैल तक दिल्ली की टीम से जुड़ेंगे. अगर ऐसा होता है तो इस बात की पूरी संभावना रहेगी कि वो 21 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में खेलते दिखें. मिचेल स्टार्क की गैरहाजिरी में अभी मुकेश कुमार, लुंगी एनगिडी और टी. नटराजन दिल्ली की गेंदबाजी की कमान संभाले हैं. अगले 3 मैचों में भी इसी पेस अटैक पर दारोमदार रहने की उम्मीद है. अब सवाल है कि मिचेल स्टार्क की वापसी में वक्त क्यों लग रहा है? ऐसा इसलिए क्योंकि वो एक साथ दो इंजरी से उबरने में लगे हैं. उन्हें कंधे की भी इंजरी है और कोहुनी की भी. उसी डबल इंजरी से उबरने में उन्हें समय लग रहा है.

ललित मोदी का बीसीसीआई पर आरोप

आईपीएल के हर सीजन में 2,400 करोड़ का नुकसान

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ने कहा कि मौजूदा आईपीएल फॉर्मेट से बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी को हर सीजन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। उनके मुताबिक, कम मैच इसकी सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने कहा, यह वो नहीं जो हमने बेचा था।

उन्होंने स्पोर्ट्स स्टार के इंटरव्यू में कहा, शुरू में हर टीम को एक-दूसरे से दो बार खेलने का प्लान था। 2022 में 10 टीम होने पर 90 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच होते। हालांकि, आईपीएल ने होम-एंड-अवे सिस्टम बदलकर 74 मैच ही रखे। इससे फ्रेंचाइजियों को नुकसान हो रहा है। यह वो नहीं जो हमने बेचा था। उन्होंने कहा, हर मैच के लिए बीसीसीआई को 50% और बाकी 50% टीमों में बांटा जाता है। इससे टीमों को 20 मैचों का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, आईपीएल की असली वैल्यू होम-एंड-अवे फॉर्मेट में है। अगर कैलेंडर में मैचों की जगह नहीं थी, तो टीमों की संख्या नहीं बढ़ानी चाहिए थी। उन्होंने कहा, हमने आईपीएल इस तरह नहीं बेचा था। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सभी टीमों ने इस बदलाव पर सहमति दी थी और कहा कि ऐसा नहीं हुआ होगा।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप: प्रीति, प्रिया और अरुंधति फाइनल में पहुंचीं

अब तक चार बॉक्सर फाइनल में, निखत जरीन और लवलीना टूर्नामेंट से बाहर

उलानबटोर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मंगोलिया के उलानबटोर में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के लिए मिला-जुला रहा।

प्रीति पवार, प्रिया और अरुंधति चौधरी ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बना ली है। अब तक भारत की चार मुक्केबाज फाइनल में पहुंच चुकी हैं।

प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को एकतरफा मुकाबले में हराकर गोल्ड मेडल की उम्मीद मजबूत कर दी है।

वहीं, निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा।

प्रीति ने पेरिस ओलिंपिक मेडलिस्ट को शिकस्त दी

54 केजी वेट कैटगिरी में प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कोरिया की एजी इम को 5-0 से हराया। वर्ल्ड बॉक्सिंग कप की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति ने तीनों राउंड में अपना नियंत्रण बनाए रखा और विपक्षी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

अब फाइनल में उनका मुकाबला चीनी ताइपे की हुवांग हिसयाओ-वेन से होगा, जो तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं।

प्रिया और अरुंधति भी फाइनल में: गोल्ड के लिए भिड़ेंगी

60 किलोग्राम वेट कैटगिरी में प्रिया ने स्थानीय खिलाड़ी मंगोलिया की नामून मोंखोर को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। अब वे फाइनल में उत्तर कोरिया की उन ग्योंग वॉन से भिड़ेंगी।

वहीं, 70 किलोग्राम कैटेगरी में अरुंधति चौधरी ने उज्बेकिस्तान की ओयशा तोइरोवा को 4-1 से हराया। फाइनल में उनका सामना कजाकिस्तान की बकित सेदिश से होगा।

निखत और लवलीना को ब्रॉन्ज मेडल

निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को ब्रॉन्ज मेडल से संतुष्ट होना पड़ा।

उन्हें सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। 51 केजी वेट में निखत जरीन को मौजूदा ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट चीन की वू यू ने 5-0 से हराया। वू यू इस समय दुनिया की सबसे आक्रामक मुक्केबाजों में से एक मानी जाती हैं।

वहीं,75 किलोग्राम कैटेगरी में लवलीना बोरगोहेन को उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। इसके अलावा 80 केजी वेट में अनुभवी पूजा रानी भी कजाकिस्तान की नादेज्दा रयाबेट्स से हारकर बाहर हो गईं।

बिजली कटने से अंकुशिता बोरो को अंकों के आधार पर हार मिली

65 किलोग्राम वेट में अंकुशिता बोरो और चीनी ताइपे की निएन-चिन चेन के बीच मैच के दौरान पहले राउंड के बाद बिजली गुल हो गई। काफी देर तक बाधा रहने के कारण मैच का फैसला पॉइंट्स के आधार पर किया गया, जिसमें अंकुशिता को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।

आज दो कैटगिरी का सेमीफाइनल

चैंपियनशिप के अगले दौर में 7 अप्रैल को भारत की दो और मुक्केबाज (48kg और 57kg कैटेगरी) अपने सेमीफाइनल मुकाबले खेलेंगी।

रेसलमेनिया 42 से पहले पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन हुआ गिरफ्तार

प्रेमिका पर हमला करने के आरोप में लगा झटका

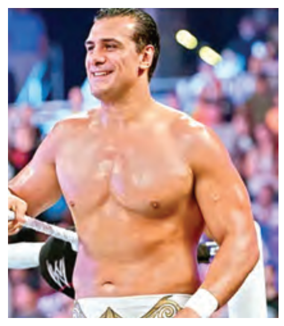

लास वेगास, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई में इस समय रेसलमेनिया 42 की तैयारियां चल रही है. फैंस का उत्साह चरम पर है. इस बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है. पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन अल्बर्टो डेल रियो को गिरफ्तार कर लिया गया है. उनके ऊपर गंभीर आरोप लगे हैं. उनकी 6 अप्रैल को मैक्सिको में गंभीर आरोपों के तहत गिरफ्तारी हुई है. आप सभी जानते हैं कि रिया का विवादों से पुराना नाता रहा है. आए दिन वो नए कारनामों को लेकर चर्चा में रहते हैं. एक बार फिर उन्होंने अपने फैंस का दिल तोड़ा है. अल्बर्टो डेल रियो को मैक्सिको के सैन लुइस पोटोसी में अपनी गर्लफ्रेंड पर मौखिक और फिजिकल रूप से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया. कहा गया है कि महिला को खूब चोटें आई हैं और उन्होंने ही सहायता के लिए पुलिस को कॉल किया था. पुलिस ने मौके पर पहुंच कर रंगे हाथों रिया को गिरफ्तार किया. रिपोर्ट के मुताबिक, “चेहरे और हाथ में चोट आने के बाद महिला ने पुलिस को सहायता के लिए कॉल किया. जब उस पर हमला हो रहा था तब अधिकारी वहां पर पहुंचे. महिला पर हिंसा के निशान था और इस वजह से अल्बर्टो डेल रियो को गिरफ्तार कर लिया गया”. रेसलिंग की दुनिया में अल्बर्टो डेल रिया को बहुत बड़ा नाम है. डब्ल्यूडब्ल्यूई में भी उन्होंने लंबे समय तक काम किया. पेज के साथ अफेयर के कारण वो काफी चर्चा में रहे. डब्ल्यूडब्ल्यूई में उन्होंने कई बार चैंपियनशिप भी हासिल की. रियो के ऊपर पहली बार आरोप नहीं लगे हैं. छह साल पहले भी रियो के ऊपर गर्लफ्रेंड के साथ यौन उत्पीड़न और मारपीट का आरोप लगा था.

चेस मुकाबले में दिखा भारतीय संस्कारों का सम्मान

उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी ने हरिका को नमस्ते कर जीता दिल

बर्लिन, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। जर्मनी में खेले जा रहे ग्रेनके फ्रीस्टाइल चेस ओपन 2026 के दौरान एक खास पल ने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर हरिका द्रोणावली और उज्बेकिस्तान के नोर्डीबेक याकुबोएव के बीच मुकाबले से पहले का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

मैच शुरू होने से पहले हरिका द्रोणावल्ली ने खेल भावना के तहत हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया, लेकिन याकुबोएव ने हाथ मिलाने के बजाय दोनों हाथ जोड़कर नमस्ते किया। यह दृश्य न सिर्फ अनोखा था, बल्कि भारतीय संस्कृति के सम्मान का प्रतीक भी बन गया। सोशल मीडिया पर फैंस इस जेस्चर की जमकर तारीफ कर रहे हैं

यह पहली बार नहीं है जब नोर्डीबेक याकुबोएव ने हाथ मिलाने से परहेज किया हो। इससे पहले भी वह भारतीय खिलाड़ी के साथ ऐसी स्थिति में नजर आ चुके हैं। पिछले साल विज्क आन जी चैलेंजर्स में उन्होंने आर वैशाली से हाथ नहीं मिलाया था, जिससे थोड़ी असहज स्थिति बन गई थी।

उस घटना के बाद नोर्डीबेक याकुबोएव ने सफाई देते हुए कहा था, 'मैं जो हुआ उसके लिए माफी मांगता हूं। यह दोनों के लिए अजीब स्थिति थी। मैं उस दिन जल्दी में था, शायद यह गलतफहमी थी। मैं आप सभी खिलाड़ियों का सम्मान करता हूं।' इस पर वैशाली ने भी सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, 'यह समझने वाली बात है। मैंने इसे गलत तरीके से नहीं लिया। आपने माफी मांगी, यह काफी है। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है।'

खेल से बढ़कर संदेश

इस बार हरिका के साथ उनका नमस्ते करना एक सकारात्मक और सम्मानजनक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। यह घटना दिखाती है कि खेल सिर्फ जीत-हार का नहीं, बल्कि संस्कार और सम्मान का भी मंच है।

तीन मैच और 3 बवाल, सनराइजर्स हैदराबाद की काव्या मारन करेगी बीसीसीआई से शिकायत

खेल डेस्क, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का नया सीजन विस्फोटक अंदाज में शुरू हुआ है और उसी तरीके से आगे बढ़ रहा है. जहां कुछ टीमों ने अपने शुरुआती मुकाबलों में जीत दर्ज की है तो किसी को सिर्फ हार ही नसीब हो रही है. वहीं इनके बीच सनराइजर्स हैदराबाद भी है, जिसकी झोली में हार और जीत दोनों ही आई हैं. मगर इन नतीजों के अलावा भी टीम के मुकाबले में कुछ ऐसी घटनाएं हुई, जिससे एसआरएच मैनेजमेंट खफा है और अब इसकी शिकायत करने की तैयारी में है.

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि काव्या मारन की फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद अपने तीनों मुकाबलों में हुए कुछ विवादित फैसलों से बेहद नाराज है. क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, सीजन के पहले और दूसरे मैच में विवादित कैच पर आउट दिए जाने और तीसरे मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के एक खिलाड़ी की ओर से खेल में दखल दिए जाने के मामले की बीसीसीआई से शिकायत करने की योजना है.

क्लासन के कैच पर हुआ विवाद

इसमें पहले और दूसरे मैच की घटना सबसे अहम है, जिसको लेकर एसआरएच ने ज्यादा नाराजगी जाहिर की थी. आईपीएल 2026 के

अपने पहले मैच में सनराइजर्स को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों हार का सामना करना पड़ा था. इस मैच में सनराइजर्स के बल्लेबाज हेनरिख क्लासन के कैच पर विवाद हुआ था. बेंगलुरु के फील्डर फिल सॉल्ट ने बाउंड्री पर एक बेहतरीन कैच लिया था. मगर रिप्ले में ऐसा महसूस हो रहा था कि उनका पैर बाउंड्री के कुशन से लगा है. हालांकि, फिर भी थर्ड अंपायर ने इसे आउट दिया था.

अभिषेक का कैच भी नहीं आया रास

वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ दूसरे मैच में अभिषेक शर्मा के कैच पर बवाल मचा था. केकेआर के फील्डर वरुण चक्रवर्ती ने बाउंड्री के पास अभिषेक का कैच लपका था, जिसे देखकर ऐसा लग रहा था कि शायद गेंद मैदान पर लग गई हो. ये वैसा ही कैच था, जो अक्सर विवादों के घेरे में रहते हैं. अभिषेक ने इस पर नाराजगी जाहिर की थी, जिसके बाद उन पर फाइनल लगा था. हालांकि टीम ने ये मैच जीत लिया था.

एलएसजी के खिलाफ नियमों के उल्लंघन की शिकायत

सबसे ताजा विवाद लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ तीसरे मैच में हुआ, जिस पर तब ज्यादा ध्यान नहीं गया. असल में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने 20वें ओवर की पांचवी गेंद पर शॉट जमाया और गेंद बाउंड्री की ओर गई. मगर इससे पहले कि गेंद बाउंड्री पार कर पाती, लखनऊ के खिलाड़ी आवेश खान ने जीत के उत्साह में इस पर बाउंड्री के बाहर से ही शॉट जमा दिया. हालांकि, तब किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया था लेकिन बाद में सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा होने लगी कि ये आईपीएल में 'अनफेयर प्ले' के नियमों के तहत गलत था और उसके बदले सनराइजर्स को 5 रन पेनल्टी के मिलने चाहिए थे.

कैंसर के खिलाफ समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी : स्वास्थ्य मंत्री

निम्स में अत्याधुनिक लिनियर एक्सेलेरेटर सेवा शुरू
तेलंगाना में कैंसर उपचार को मिलेगा नया बल

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने कैंसर उपचार को और सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए निम्स में अत्याधुनिक लिनियर एक्सेलेरेटर (एलआईएनएसी) सेवाओं का शुभारंभ किया है। इस नई तकनीक के जरिए कैंसर मरीजों को अब अधिक सटीक और प्रभावी रेडिएशन थेरेपी उपलब्ध होगी।

स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने निम्स कैंसर ब्लॉक में लगभग 33 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित नई लीनियर एक्सीलरेटर सेवाओं का उद्घाटन किया। इसके बाद, मंत्री ने महिलाओं के लिए एक कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का उद्घाटन किया।

मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि एलआईएनएसी सेवा शुरू होने से राज्य में कैंसर उपचार प्रणाली और मजबूत होगी। इस आधुनिक तकनीक की मदद से ट्यूमर पर ही सटीक प्रभाव डाला जा सकेगा, जबकि आसपास के स्वस्थ ऊतकों को सुरक्षित रखा जा सकेगा। साथ ही टूबीम सिस्टम के जरिए कम समय में बेहतर परिणाम हासिल करना संभव होगा। उन्होंने बताया कि राज्य में हर साल लगभग 55 से 60 हजार नए कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं, जो चिंता का विषय है। ऐसे में सरकार आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार कर रही है और कैंसर को शुरुआती चरण में पहचानने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान भी चला रही है। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक कैंसर उपचार पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। सभी जिला केंद्रों में डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि मुलुगु और आदिलाबाद जैसे दरदराज इलाकों में भी कीमोथेरैपी सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए राज्य सरकार ने 46 लाख स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण शुरू किए हैं, जिससे बीमारियों का समय पर पता लगाया जा सके। साथ ही निम्स में महिलाओं के लिए विशेष कैंसर स्क्रीनिंग कैंप भी शुरू किया गया है। इस दौरान मंत्री ने कैंसर को ''नोटिफायबल डिजीज'' घोषित करने की भी घोषणा की, जिससे हर मामले का अनिवार्य पंजीकरण होगा और एक सटीक कैंसर रजिस्ट्री तैयार की जा सकेगी। इससे भविष्य की स्वास्थ्य योजनाओं को और बेहतर तरीके से बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि गरीबों को भी अत्याधुनिक उपचार उपलब्ध कराया जाए, जिसके लिए सरकारी अस्पतालों को मजबूत किया जा रहा है। साथ ही सभी सरकारी अस्पतालों में पालीएटिव केयर सेवाएं भी शुरू की गई हैं। मंत्री ने कहा कि कैंसर के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। कार्यक्रम में मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सांसद अनिल कुमार यादव और अन्य लोगों ने भाग लिया।

तेलंगाना सरकार ने कैंसर को अधिसूचनीय बीमारी घोषित की, जीओ जारी

अब कैंसर के सभी मामलों की अनिवार्य रूप से रिपोर्टिंग करनी होगी

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अधिसूचनीय बीमारी घोषित किया है। स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग द्वारा जीओ नंबर 17 जारी किया गया। इस आदेश के तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, ईएसआई , एआईआईएमएस , रेलवे, औद्योगिक और सैन्य अस्पतालों सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों को अब कैंसर के सभी मामलों की अनिवार्य रूप से रिपोर्टिंग करनी होगी। सरकार का उद्देश्य राज्य में कैंसर पर मजबूत निगरानी प्रणाली स्थापित करना है, जिससे तहत कैंसर के मामलों की संख्या और प्रकार का सटीक आंकड़ा उपलब्ध हो, जोखिम कारकों और भौगोलिक/जनसांख्यिकीय भिन्नताओं की पहचान हो, समय पर स्क्रीनिंग और शुरुआती पहचान सुनिश्चित हो, डायग्नोस्टिक, उपचार, पल्लिएटिव और पुनर्वास सेवाओं की योजना बनाई जा सके, सबूत-आधारित नीतियों और अनुसंधान को बढ़ावा मिले। अभी तक राज्य में केवल एनआईएमएस और एमएनजेआईओआरसीसी, हैदराबाद में संस्थागत कैंसर रजिस्ट्रियां संचालित हो रही थीं।

नए आदेश के तहत, अब राज्यभर के सभी कैंसर निदान और पंजीकृत मामलों को एक महीने के भीतर पोर्टल के माध्यम से रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा। यह अधिसूचना राज्य में सभी सरकारी, निजी, सहकारी और मेडिकल कॉलेज अस्पतालों सहित ईएसआई , एआईआईएमएस , रेलवे, औद्योगिक और सैन्य अस्पतालों पर लागू होगी। रिपोर्टिंग के लिए निर्धारित प्रारूप और पोर्टल का उपयोग करना अनिवार्य है। सरकार का मानना है कि इस कदम से कैंसर रोगियों तक बेहतर सेवाएं, समय पर उपचार और प्रभावी स्वास्थ्य नीति निर्माण संभव होगा।

चावल मिल मालिकों पर धान घोटाले का मामला दर्ज

कुमराम भीम आसिफाबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वेंकटराओपेट गांव में सोमवार को एक चावल मिल के चार मालिकों के खिलाफ सरकार द्वारा कस्टम राइस मिलिंग (सीएमआर) के लिए दिए गए धान को डायवर्ट करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि दो साल के अंतराल में यह दूसरी बार है जब मालिकों पर ऐसा आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, श्री साई बालाजी एग्रो टेक राइस मिल के मालिक रेनिकुंतला पद्मजा, बुद्धा माधुरी, रेनिकुंतला शिव कुमार और बुद्धा मनीष के खिलाफ 1825.744 मीट्रिक टन चावल और 2,702 मीट्रिक टन धान की कथित हेराफेरी में उनकी भूमिका के लिए मामला दर्ज किया गया है, जिसकी कुल कीमत करीब 6.91 करोड़ रुपये बताई गई है। तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड के अधिकारियों की जांच में सामने आया कि आरोपियों ने सीएमआर अनाज को मुर्गी पालन के लिए बेचकर और निजी उपयोग में लाकर करीब 3.8 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। इसके बाद अधिकारियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

दिनदहाड़े चोरी करने वाला शातिर अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली, कोलकाता और तेलंगाना में कर चुका है कई वारदातें

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद जोन के नारायणगुड़ा थाना पुलिस ने एक शातिर अंतरराज्यीय घरों में चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान हफीजुल शेख (37) के रूप में हुई है, जो पश्चिम बंगाल के कोलकाता का रहने वाला है और साड़ी डिजाइनिंग का काम करता था।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने 30 मार्च को नारायणगुड़ा क्षेत्र में दिनदहाड़े दो बंद मकानों को निशाना बनाते हुए ताले तोड़कर सोने के आभूषण और नकदी चोरी की थी। इन घटनाओं में करीब 2 लाख रुपये के सामान की चोरी हुई थी। इस संबंध में नारायणगुड़ा थाने में दो अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी की पहचान की। 6 अप्रैल को शाम 5:30 बजे पुलिस ने आरोपी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पास उस समय गिरफ्तार किया, जब वह एक और वारदात को अंजाम देने के इरादे से हैदराबाद पहुंचा था। पूछताछ में आरोपी ने नारायणगुड़ा, कुकटपल्ली और सनतनगर थाना क्षेत्रों में दिनदहाड़े घरों में चोरी की कुल 6 वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी पहले भी दिल्ली, कोलकाता और तेलंगाना में कई संपत्ति संबंधी अपराधों में शामिल रहा है और जेल जा चुका है। आरोपी का तरीका बेहद सुनियोजित था। वह दिन के समय सुनसान या बंद घरों की पहचान करता था और ताले तोड़कर अंदर घुसकर कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाता था। इस कार्रवाई को डीसीपी खैरताबाद जोन और एसीपी सुल्तानबाजार के निर्देशन में अंजाम दिया गया। नारायणगुड़ा थाना प्रभारी एम. साईईश्वर, डीआई बी. अभिलाष, डीएसआई सीएच. नागराजू और क्राइम टीम ने मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस टीम की इस सफलता पर अधिकारियों ने सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि घर को लंबे समय तक खाली छोड़ने से पहले सुरक्षा के उचित इंतजाम करें और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

अधिकारियों ने लोक भवन में राज्यपाल से भेंट की

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रो. एन. नागराजू, कुलपति, द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी (ईएफएलयू), हैदराबाद, ने अधिकारियों के साथ आज लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से भेंट की और उन्हें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक तथा विकासात्मक पहलों के बारे में जानकारी दी।

गोली श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, तेलंगाना खाद्य आयोग, हैदराबाद, ने भी सदस्यों के साथ राज्यपाल से भेंट की और खाद्य सुरक्षा तथा आयोग के कामकाज से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

रियर एडमिरल अश्वनी कुमार टिकू, निदेशक, डीएमडीई, हैदराबाद, ने अधिकारियों के साथ राज्यपाल से भेंट की और उन्हें संगठन की गतिविधियों से अवगत कराया। रवि कुमार, अध्यक्ष, द फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने भी सदस्यों के साथ लोक भवन में राज्यपाल से भेंट की।

साइबर क्राइम पुलिस अपराधियों पर कस रही है शिकंजा

20 आरोपी गिरफ्तार,1.59 करोड़ रुपये वापस मिले

अनजान लिंक और एपीके फाइलों से बचने की सलाह

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी साइबर क्राइम पुलिस ने मार्च 2026 के दौरान बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोहों पर शिकंजा कसते हुए 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार इस दौरान एनसीआरपी के तहत प्राप्त शिकायतों में से 54 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई। विशेष अभियान के तहत देश के पांच राज्यों से जुड़े 13 मामलों का खुलासा किया गया, वहीं पीड़ितों को लगभग 1.59 करोड़ रुपये की राशि वापस दिलाई गई। पुलिस ने बताया कि जोनल साइबर सेल्स को कुल 3081 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 276 एफआईआर दर्ज की गईं।

अलग-अलग मामलों में चार और आरोपियों की गिरफ्तारी करते हुए करीब 95.99 लाख रुपये की रकम पीड़ितों को रिफंड कराई गई। गिरफ्तार आरोपियों में सबसे अधिक मामले गेमिंग फ्रॉड के सामने आए, जिनकी संख्या 8 रही। इसके अलावा निवेश धोखाधड़ी के 3, मैट्रिमोनियल फ्रॉड के 3, जॉब फ्रॉड के 2 तथा अन्य मामलों में ट्रेडिंग, सोशल मीडिया, क्रेडिट कार्ड और इम्पर्सोनेशन से जुड़े एक-एक केस शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपियों में 15 तेलंगाना, 1 आंध्र प्रदेश, 1 गोवा, 2 केरल और 1 राजस्थान से संबंधित हैं। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 6.5 लाख रुपये नकद, 14 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 9 चेकबुक और 2 शेल कंपनियों की स्टैम्प जब्त की हैं। रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2026 में 23 मामलों में पीड़ितों को कुल 4.40 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिसमें से पुलिस और बैंकिंग समन्वय के जरिए 1.59 करोड़ रुपये वापस दिलाए गए। डेबिट कार्ड और कस्टमर केयर फ्रॉड के मामलों में पीड़ितों को 100 प्रतिशत रकम लौटाने में सफलता मिली। वहीं निवेश और टास्क फ्रॉड के 13 मामलों में 1.28 करोड़ रुपये के नुकसान में से 51.71 लाख रुपये रिकवर किए गए। ओटीपी फ्रॉड के मामलों में 53.99 लाख में से 38.34 लाख रुपये वापस दिलाए गए, जबकि डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में भी आंशिक रिकवरी की गई। साइबर पेट्रोलिंग के दौरान फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग ऐप्स को बढ़ावा देने वाले 129 प्रोफाइल चिन्हित किए गए, जो 494 पेड विज्ञापन चला रहे थे। पुलिस ने इन सभी प्रोफाइल को संबंधित सोशल मीडिया कंपनियों को रिपोर्ट कर हटवा दिया। इसी दौरान 'जागरूक हैदराबाद — सुरक्षित हैदराबाद' अभियान के तहत 'साइबर सिम्बा' कार्यक्रम भी चलाया गया, जिसमें 500 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। जागरूकता अभियान के चलते रोजाना आने वाली साइबर शिकायतों की संख्या 80 से घटकर 60 रह गई है। एक प्रमुख मामले में एक महिला इंस्टाग्राम विज्ञापन के जरिए ठगी का शिकार हो गई, जहां उसे व्हाट्सएप के माध्यम से एक वेबसाइट पर निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। शुरुआती मुनाफे के लालच में उसने बड़ी रकम निवेश कर दी और अंततः 26.07 करोड़ रुपये गंवा बैठी। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आम जनता को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा है कि फर्जी निवेश योजनाओं, नकली सरकारी प्रोफाइल, अनजान लिंक और एपीके फाइलों से बचें। किसी भी

फोन कॉल से कहीं ज्यादा कीमती मानव जीवन : पुलिस

मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने वालों पर सख्ती, 20 चालान किए गए

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए संतोष नगर ट्रैफिक थाना क्षेत्र में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। डीएमआरएल जंक्शन पर आयोजित इस विशेष ड्राइव के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

यह अभियान संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) डी. जोएल डेविस के निर्देशों और एसीपी ट्रैफिक चंद्र कुमार के पर्यवेक्षण में चलाया गया। संतोष नगर ट्रैफिक थाना के निरीक्षक मोहम्मद आसिफ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर सघन जांच की। अभियान के दौरान मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने के आरोप में 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए गए, जबकि अन्य 12 लोगों पर विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के साथ-साथ पुलिस ने नियम तोड़ने वालों की काउंसलिंग भी की। अधिकारियों ने समझाया कि एक फोन कॉल से कहीं ज्यादा कीमती मानव जीवन है और मोबाइल का उपयोग करते हुए वाहन चलाना न केवल चालक बल्कि अन्य राहगीरों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकता है। लोगों को सलाह दी गई कि यदि कॉल अत्यंत जरूरी हो तो पहले वाहन को सुरक्षित स्थान पर रोककर ही बात करें।

उल्लंघन करने वालों को यह भी बताया गया कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के विशेष अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और यातायात नियमों का पालन सख्ती से कराया जा सके। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करें।

मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें तेज, मंत्री असमंजस में

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केरल और अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों के बीच तेलंगाना में मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार की अटकलों ने सियासी हलचल तेज कर दी है। इन चर्चाओं के चलते कई मंत्री असमंजस की स्थिति में हैं और मतदान प्रक्रिया खत्म होने के बाद संभावित बदलावों का इंतजार कर रहे हैं। फरवरी में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की नई दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व से मुलाकात के बाद से ही इन अटकलों को बल मिला है। इसके बाद सरकार द्वारा विधानसभा और विधान परिषद में व्हिप नियुक्त किए जाने से चर्चाएं और तेज हो गईं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल करते समय सामाजिक संतुलन का विशेष ध्यान रखा जाएगा। फिलहाल दो पद खाली हैं और संभावना जताई जा रही है कि नए चेहरों को मौका देने के लिए कुछ मौजूदा मंत्रियों को हटाया जा सकता है। मंत्रिमंडल में शामिल होने के संभावित दावेदारों में कोमातिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी, मलरेड्डी रंगारेड्डी और राममोहन रेड्डी के नाम चर्चा में हैं। वहीं मुन्नुरु कापू और यादव समुदाय के नेता भी प्रतिनिधित्व की मांग कर रहे हैं। मौजूदा मंत्रिमंडल में लाम्बाडा समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं होने के कारण इस वर्ग से भी दावेदारी सामने आ रही है। इस बीच कुछ मंत्री अपनी कुर्सी को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। हालांकि, इन सभी अटकलों के बीच मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सार्वजनिक रूप से किसी भी तत्काल फेरबदल या विस्तार से इनकार किया है। वहीं पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि इस तरह की चर्चाएं कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाए रखने के लिए भी फैलती रहती हैं।

न्यू राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय संघ (माली समाज)

IDPL, सूर्यानगर, चिंतल, हैदराबाद

विशेष सूचना

न्यू राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय संघ (माली समाज) के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि **'समाज की साधारण सभा'** रविवार दि. 24-5-2026 को दोपहर 12:00 बजे से न्यू राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ, सूर्यानगर, चिंतल, हैदराबाद में आयोजित की जायेगी। साधारण सभा में वर्तमान पदाधिकारियों द्वारा अपने पद से त्यागपत्र दिया जायेगा एवं आगामी सत्र हेतु संघ के पदाधिकारियों – अध्यक्ष, मंत्री, उपाध्यक्ष, संरक्षक, सह-मंत्री एवं कोषाध्यक्ष का चुनाव किया जायेगा। सभी समाज बन्धुओं से निवेदन है कि ठीक समय पर पधारकर सभा को सफल बनाए।

समाज के कुछ लोगों द्वारा अनधिकृत रूप से रविवार दि.5-4-2026 को एक तथाकथित बैठक बुलाकर पदाधिकारियों का चुनाव किया गया है, जो पूर्णतः अवैध एवं असंवैधानिक है।

इस प्रकार अनधिकृत तरीके से पदाधिकारियों का चुनाव करना समाज की एकता, अखंडता एवं प्रगति के लिए अत्यंत हानिकारक है। अतः समाज के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे एकजुट रहें और इस अवैध प्रक्रिया की कड़ी निंदा करें।

समाज के नए पदाधिकारियों का चुनाव वर्तमान अध्यक्ष द्वारा अधिकृत रूप से रविवार, दि. 24-5-2026 को आयोजित साधारण सभा में ही किया जाएगा। तब तक यथा स्थिति बनी रहेगी।

|| निवेदक ||

न्यू राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय संघ (माली समाज)

अध्यक्ष प्रेमकुमार पंवार | उपाध्यक्ष बालकिशन भाटी | मंत्री सीताराम कच्छावा

हरीश राव नजरबंद, किसानों से मिलने जाने से रोका गया

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों के विरोध प्रदर्शनों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए परिगी जाने से पहले, पूर्व मंत्री टी हरीश राव को मंगलवार को हैदराबाद में नजरबंद कर दिया गया। पुलिस ने सुबह-सुबह उनके आवास के बाहर भारी संख्या में तैनाती की और उन्हें परिगी जाने से रोक दिया। हरीश राव, बीआरएसएलपी की उपनेता पी सबिता इंदिरा रेड्डी और अन्य बीआरएस नेताओं के साथ परिगी मंडल के कल्लापुर और रापोल गांवों में प्रस्तावित औद्योगिक पार्क के लिए अपनी जमीनों के अधिग्रहण का विरोध कर रहे किसानों से मिलने वाले थे। पुलिस ने सबिता इंदिरा रेड्डी और पूर्व रंगा रेड्डी जिले के कई बीआरएस नेताओं को भी नजरबंद कर दिया। परगी के पूर्व विधायक कोप्पुला महेश रेड्डी को हिरासत में लेकर पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जबकि बीआरएस नेता शुभप्रद पटेल को भी हिरासत में ले लिया गया। ये प्रतिबंध कल्लापुर और रापोल गांवों में किसानों के बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच लगाए गए हैं, जहां सरकार औद्योगिक पार्क के लिए 1,197 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने की योजना बना रही है। किसानों ने अपनी जमीनें छोड़ने से इनकार करते हुए क्रमिक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। बीआरएस पहले ही किसानों को अपना समर्थन दे चुकी है।

बीआरएस नेताओं की नजरबंदी पर केटीआर ने जताई नाराजगी

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने विकाराबाद जिले में प्रदर्शनकारी किसानों का समर्थन करने जा रहे पार्टी नेताओं की नजरबंदी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने बीआरएसएलपी के उपनेता टी हरीश राव, पी सबिता इंदिरा रेड्डी तथा पूर्व विधायकों कोप्पुला महेश रेड्डी, नरेंद्र रेड्डी और जिला अध्यक्ष मेथुकु आनंद की गिरफ्तारी को कायरतापूर्ण कृत्य बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार असहमति की आवाज को दबाने के लिए पुलिस बल का दुरुपयोग कर रही है। केटीआर ने कहा कि विपक्ष की आवाज को बलपूर्वक दबाना लोकतंत्र की हत्या के समान है। उन्होंने हिरासत में लिए गए नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए प्रस्तावित 1,200 एकड़ भूमि अधिग्रहण को तुरंत रोकने का आह्वान किया।

एक बयान में उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर जनता से किए गए वादों को तोड़ने और किसानों की जमीनों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार रैतु भरोसा, कृषि ऋण माफी और छह गारंटियों जैसे प्रमुख वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में कोई बड़ा उद्योग स्थापित नहीं हुआ है, ऐसे में भूमि अधिग्रहण की जल्दबाजी समझ से परे है। केटीआर ने चेतावनी दी कि गिरफ्तारियां और मुकदमे बीआरएस को नहीं रोक पाएंगे और पार्टी किसानों के समर्थन में अपना संघर्ष जारी रखेगी।

कपड़ा दुकान में भीषण आग, बड़ा नुकसान

हैदराबाद, 7 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार आधी रात को राजेंद्रनगर के बंदलागुडा इलाके में स्थित एक कपड़ा दुकान में भीषण आग लग गई। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन भारी संपत्ति नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग सिद्धि विनायका टेक्सटाइल्स नाम की दो मंजिला दुकान में लगी, जो देखते ही देखते दोनों मंजिलों में फैल गई। आग लगने से इलाके में घना धुआं फैल गया, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे आसपास की इमारतों तक फैलने से रोक लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, जो बढ़ते तापमान के कारण हो सकता है। हालांकि, अधिकारियों द्वारा अभी आग लगने के सही कारण और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.